THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

विदेश मंत्री तीन दिन के अमेरिका दौरे पर, रुबियो और ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों से करेंगे वार्ता

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर सोमवार को तीन दिन के अमेरिकी दौरे पर रवाना हुए। वहां वे महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला पर वाशिंगटन के नेतृत्व में आयोजित मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेंगे। जयशंकर की यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे दोनों रणनीतिक साझेदारों के बीच संबंधों में आई गिरावट को दूर करने के अवसर के रूप में देखा जा रहा है। ऐसी उम्मीद है कि मंत्री अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और ट्रंप प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

वर्ष-30 अंक : 308 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.2, 2082 मंगलवार, 3 फरवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

चीन के चार टैंक डोकलाम आ रहे थे : राहुल

राजनाथ बोले-जिस किताब का आप जिक्र कर रहे, वह अप्रकाशित

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल नरवणे की किताब का उल्लेख किया, जिस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। स्पीकर ओम बिरला ने भी सदन की परंपरा और नियमों का उल्लेख करते हुए राहुल को आगाह किया कि लोकसभा में ऐसे किसी भी तथ्य का उल्लेख नहीं किया जा सकता, जिसका प्रकाशन नहीं हुआ है। राहुल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा ले रहे थे।

इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर आपत्ति जताई और कहा कि राहुल गांधी

सदन को गुमराह ना करें। राहुल गांधी ने सदन में एक अप्रकाशित किताब के कोट्स का हवाला दिया, जो सदन के नियमों के खिलाफ है। जिस पर राहुल गांधी ने कहा कि उनका सोर्स भरोसेमंद है और इसमें एक पूर्व आर्मी जनरल के अप्रकाशित संस्मरणों के कोट्स शामिल हैं। इस दौरान स्पीकर ओम बिरला ने राहुल गांधी से नियमों का पालन करने की अपील की। ओम बिरला ने कहा कि नियमों और परंपरा से संसद चलना चाहिए। दरअसल, लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर राहुल गांधी के भाषण के शुरू होते ही हंगामा हो गया। राहुल गांधी ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे की किताब है। आप सब ध्यान से सुनें कि मैं क्या पढ़ रहा हूं? इससे पता चल जाएगा कि कौन देशभक्त है और कौन नहीं। बस इसी के साथ संसद में जोरदार हंगामा शुरू हो गया।

'चार चीनी टैंक डोकलाम में भारत की तरफ आ रहे थे'

राहुल गांधी ने अपने भाषण में फिर आगे कहा कि चार चीनी टैंक डोकलाम में भारत की धरती पर आ रहे थे। वो 100 मीटर ही दूर थे। राहुल के बस इतना बोलते ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आपत्ति जताई और अपनी सीट से खड़े होकर हस्तक्षेप किया और बोले कि अप्रकाशित पुस्तक का सदन में जिक्र नहीं किया जाता। उन्होंने अपने बयान में कहा कि राहुल गांधी सदन को गुमराह कर रहे हैं। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने भी आपत्ति जताई और कहा कि किसी भी अप्रकाशित किताब का संसद में हवाला नहीं दिया सकता।

पूर्व आर्मी चीफ एम एम नरवणे कौन हैं?

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल एम एम नरवणे को लेकर सोमवार को लोकसभा में जबरदस्त बवाल हुआ। विपक्ष के नेता राहुल गांधी एक कथित मैगजीन में छपे उनके कथित कोट का हवाला देकर चीन के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे थे।

राहुल का दावा है कि यह बातें नरवणे की उस कथित किताब का हिस्सा है, जो अभी छपी भी नहीं है। सत्ता पक्ष की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने उनका जोरदार विरोध किया, जिसके चलते सदन की कार्यवाही बार-बार स्थगित करनी पड़ी।

एसआईआर पर चुनाव आयोग से मिलीं ममता

> बंगाल को बनाया जा रहा निशाना > आयुक्त को बताया अहंकारी और झूठा

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दिल्ली के चुनाव आयोग कार्यालय से बाहर आते ही विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह इस पूरे मामले से बहुत दुखी हैं।

ममता ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने बंगाल को विशेष रूप से निशाना बनाया है और 58 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए, जबकि उन्हें अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया गया। ममता बनर्जी ने कहा मैं लंबे समय से दिल्ली की राजनीति में शामिल हूं। मैं 4 बार मंत्री और 7 बार सांसद रह चुकी हूं। मैंने कभी ऐसा अहंकारी और झूठ बोलने वाला चुनाव आयुक्त नहीं देखा। मैंने उन्हें कहा कि मैं आपके पद का सम्मान करती हूं क्योंकि किसी भी पद की स्थायित्व नहीं होती। एक दिन आपको जाना होगा। उनका कहना है कि लोकतंत्र में चुनाव एक त्योहार की तरह होने चाहिए, लेकिन इस तरह की कार्रवाई से चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं। उन्होंने यह भी सवाल किया कि बंगाल को क्यों निशाना बनाया जा रहा है।

58 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने सही योजना के बिना राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया लागू की, जबकि चुनावी राज्यों को छोड़ देना चाहिए था। ममता ने कहा अगर एसआईआर करनी थी, तो पहले चुनाव से बंधे राज्यों को छोड़कर सही योजना के साथ करनी चाहिए थी। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। असम में भाजपा की सरकार है, वहां एसआईआर नहीं की गई, लेकिन पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में इसे लागू किया गया।

उन्होंने आगे कहा 58 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। बहुत सारी गड़बड़ियां और मिसमैपिंग हुई है। अगर हमें 2022 में एसआईआर करनी होती और अपने पिता के जन्म प्रमाणपत्र लाने पड़ते, तो यह संभव नहीं होता। पहले बच्चे घरों में पैदा होते थे, अस्पतालों में नहीं।

लंदन में एअर इंडिया ड्रीमलाइनर के फ्यूल स्विच में खराबी

पायलट बोला-2 बार स्विच बंद हुआ; दावा-अहमदाबाद प्लेन क्रैश में भी यही हुआ

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे से बेंगलुरु के लिए उड़ान भरने वाले एअर इंडिया के बोइंग 787-8 ड्रीमलाइन को फ्लाइट ऑपरेशन से हटा दिया गया है। एयरलाइन के मुताबिक, फ्लाइट एआई 132 को उड़ान भरनी थी, लेकिन पायलट ने बताया कि प्लेन का फ्यूल कंट्रोल स्विच इंजन स्टार्ट करने के दौरान 2 बार पोजिशन से कटऑफ हुआ। इसके बाद प्लेन को ऑपरेशन से हटा दिया गया। प्लेन में आई खराबी की जांच में ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर (ओईएम यानी बोइंग कंपनी) को शामिल किया गया है। मामले की जानकारी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को भी दी गई है। एयरलाइन ने बताया कि डीजीसीए के निर्देश के बाद उसने अपने पूरे बोइंग 787 फ्लीट के फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच की थी, जिसमें कोई समस्या सामने नहीं आई थी।

रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पिछले साल 12 जून को अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश भी फ्यूल कंट्रोल स्विच इंजन स्टार्ट करने में दिक्कत की वजह से हुआ था। फ्यूल कंट्रोल स्विच विमान के कॉकपिट में थ्रस्ट लीवर के पास होते हैं। ये इंजन में फ्यूल की सप्लाई को कंट्रोल करते हैं। इसका मुख्य काम इंजन में फ्यूल की सप्लाई को शुरू करना (रन पोजिशन) या बंद करना (कटऑफ पोजिशन) है। हर इंजन के लिए अलग-अलग फ्यूल कंट्रोल स्विच होता है। उदाहरण के लिए, बोइंग 787 में दो इंजन हैं, तो दो स्विच होंगे- एक बाएं इंजन के लिए, एक दाएं के लिए। रन पोजिशन : जब स्विच 'रन' पर होता है, तो फ्यूल वाल्व खुलता है और इंजन में फ्यूल की सप्लाई शुरू हो जाती है।

बार-बार 'देशद्रोही' बोलते हैं

संसद के बाहर आते ही महुआ मोइत्रा हुईं आगबबूला

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा सोमवार को संसद से बाहर निकलने के बाद प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पर जमकर बरस पड़ीं। उन्होंने बजट सत्र के दौरान केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी बार-बार विपक्ष को देशद्रोही बता रही है। संसद में विपक्ष ने कोई हंगामा नहीं किया। इनलोगों के पास किसी सवाल का जवाब ही नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधते हुए सदन में विपक्ष के भाषणों पर लगाए गए प्रतिबंधों पर सवाल उठाया। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए मोइत्रा ने कहा कि संसद में कोई हंगामा नहीं हुआ। यह अविश्वसनीय है कि सत्ताधारी पार्टी और प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री समेत सत्ता पक्ष के सदस्य विपक्ष के बारे में कुछ भी कैसे कह सकते हैं। महुआ मोइत्रा ने कहा कि क्या आप मुझसे कह रहे हैं कि सदन में भारत-चीन संबंधों का जिक्र नहीं किया जा सकता?

पाकिस्तान से भारत आए हिंदुओं की दुर्दशा पर सख्त हुआ सुप्रीम कोर्ट

सरकार से 4 हफ्ते में मांगा जवाब

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पाकिस्तान से भारत आए अनुसूचित जाति के हिंदुओं की दुर्दशा पर गंभीर टिप्पणी की है।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, जब सरकार ने इन लोगों को नागरिकता दी तो उन्हें गरिमापूर्ण तरीके से रहने की जगह भी उपलब्ध करानी चाहिए। अदालत की यह टिप्पणी दिल्ली की मजनू का टीला इलाके में रहने वाले शरणार्थियों के विस्थापन के खतरे के बीच आई है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन. कोटेश्वर सिंह की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए डीडीए को नोटिस जारी किया, साथ ही इस मामले पर सरकार से चार हफ्तों में जवाब मांगा है।

कोर्ट ने फिलहाल इन लोगों को विस्थापित करने की किसी भी योजना पर रोक लगा दी है। पीड़ितों की ओर से वकील विष्णु शंकर जैन ने बताया, 'अभी दिल्ली के मजनू का टीला में करीब 250 परिवार और एक हजार लोग रह रहे हैं। ये सभी पाकिस्तानी हिंदू हैं जो पाकिस्तान में धर्म के आधार पर उत्पीड़न और परेशानी झेलने के बाद भारत आए हैं। ये पिछले 12 सालों से मजनू का टीला के कैंप में रह रहे हैं।

उन्होंने बताया कि दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा इन लोगों को जगह खाली करने के नोटिस जारी किया गया था, जिस पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि जब उन्हें नागरिकता संशोधन कानून के तहत नागरिकता मिल गई है, तो उन्हें वहां रहने का अधिकार क्यों नहीं होना चाहिए? एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने बताया, 'आज इसी मामले में भारत सरकार की एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी भी केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुईं।

'लद्दाख में नेपाल-बांग्लादेश जैसे हालात चाहते थे वांगचुक', केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार और लद्दाख प्रशासन ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सोनम वांगचुक लद्दाख में नेपाल और बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा करना चाहते थे। उन्होंने बताया कि वांगचुक के बयानों से हिंसा भड़कने का खतरा था। सरकार ने आरोप लगाया, 'वांगचुक ने केंद्र सरकार को 'वे' कहकर संबोधित किया, जो अलगाववादी मानसिकता को दर्शाता है।

उन्होंने जेन जी को गृहयुद्ध और खूनखराबे के लिए उकसाने की कोशिश की।' न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ के सामने सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका का विरोध करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यह दलील दी। यह याचिका वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो ने दायर की है।

'लद्दाख को नेपाल-बांग्लादेश की स्थिति में ले जाना चाहते थे वांगचुक', बोली केंद्र सरकार

सॉलिसिटर जनरल ने कहा, 'वह केंद्र सरकार को 'वे' कहते हैं। यह 'हम' और 'वे' ही एनएसए के तहत हिरासत के लिए पर्याप्त है। इस देश में 'हम' और 'वे' नहीं हैं, हम सभी भारतीय हैं।' मेहता ने आरोप लगाया कि वांगचुक लद्दाख को नेपाल या बांग्लादेश जैसी स्थिति में ले जाना चाहते थे और उन्होंने युवाओं को भड़काने के लिए अपने भाषणों में महात्मा गांधी का नाम केवल एक आवरण के रूप में इस्तेमाल किया।

उन्होंने कहा कि कई बार भड़काऊ भाषण दिए जाते हैं, जिनकी शुरुआत और अंत गांधीजी के नाम से किया जाता है, लेकिन बीच में हिंसा भड़काने वाली बातें होती हैं। मेहता ने वांगचुक के भाषणों का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने नेपाल और अरब क्रांति का उल्लेख करते हुए आत्मदाह जैसी घटनाओं की बात की, जिससे युवाओं को हिंसा की ओर उकसाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि वांगचुक ने आत्मदाह की धमकी देकर लद्दाख आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय रंग देने की कोशिश की।

केंद्र ने सोनम वांगचुक के बयानों को बताया राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

सॉलिसिटर जनरल ने यह भी कहा कि लद्दाख सीमावर्ती क्षेत्र है और सशस्त्र बलों की आपूर्ति श्रृंखला के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि वांगचुक ने क्षेत्र में जनमत संग्रह जैसे विचारों की बात की, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। इससे पहले, पिछली सुनवाई में वांगचुक की ओर से दलील दी गई थी कि सरकार की आलोचना और विरोध करना उनका लोकतांत्रिक अधिकार है और इससे राज्य की सुरक्षा को खतरा नहीं होता। मामले की सुनवाई मंगलवार को भी जारी रहेगी।

विक्रम मजीठिया को मिली जमानत

धर्मांतरण विरोधी कानून मामले में केंद्र और 12 राज्यों को नोटिस जारी

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भारत में गिरिजाघरों (चर्च) की राष्ट्रीय परिषद की ओर से दायर एक नई जनहित याचिका सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के साथ राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश सहित 12 राज्यों से उनके धर्मांतरण विरोधी कानूनों की वैधता को चुनौती देते हुए जवाब मांगा।

नेशनल काउंसिल ऑफ चर्चेस इन इंडिया (एनसीसीआई) की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोरा ने इन राज्यों के कानूनों के लागू किए जाने पर रोक लगाने की मांग की। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एनसीसीआई की दलीलों पर ध्यान दिया और केंद्र तथा 12 राज्य सरकारों से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। नए आवेदनों को लंबित आवेदनों के साथ जोड़ने का आदेश देते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि तीन न्यायाधीशों की पीठ इन सभी पर एक साथ सुनवाई करेगी। केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि राज्य के कानूनों को चुनौती देने वाली इसी तरह की याचिकाएं लंबित हैं। विधि अधिकारी ने कहा, 'हमारा जवाब तैयार है और जल्द ही दाखिल किया जाएगा।'

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को आय से अधिक संपत्ति के मामले में जमानत दे दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली मजीठिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया, जिसमें उन्हें इस मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने गौर किया कि मजीठिया इस मामले में पिछले सात महीनों से हिरासत में है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-केंद्र ट्रिब्यूनल गठित करे तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच है जल विवाद

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। देश की सर्वोच्च अदालत ने केंद्र सरकार को आदेश दिया है कि पेन्नैयार नदी के जल विवाद के लिए एक महीने के अंदर ट्रिब्यूनल (न्यायाधिकरण) गठित की जाए। बता दें कि यह विवाद तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच पेन्नैयार नदी के पानी के बंटवारे को लेकर है।

मामला सुप्रीम कोर्ट तक क्यों पहुंचा?

तमिलनाडु सरकार ने 2018 में केस दायर किया और आरोप लगाया कि कर्नाटक पेन्नैयार नदी पर चेक डैम, पानी मोड़ने की संरचनाएं (डायवर्जन) बना रहा है, इससे तमिलनाडु को मिलने वाला पानी प्रभावित हो रहा है।

तमिलनाडु की दलील क्या थी?

मामले में तमिलनाडु सरकार का कहना है कि अंतर-राज्यीय नदी का पानी राष्ट्रीय संपत्ति होती है। इस पर किसी एक राज्य की निजी मिल्कियत नहीं है। ऐसे मामले में कोई भी राज्य अकेले फैसले लेकर दूसरे राज्य का हक नहीं छीन सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

इस मामले पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि केंद्र सरकार को अब और देर नहीं करनी चाहिए। इसके साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि इस मामले में ऑफिशियल गजट में नोटिफिकेशन जारी हो और एक महीने में जल विवाद ट्रिब्यूनल बने। नदी के जल विवाद पर ट्रिब्यूनल बनने के बाद सुनवाई शुरू होगी, सबूत और रिपोर्ट्स आएंगी।

हालांकि इस पर अंतिम फैसला आने में समय लग सकता है। वहीं इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट का विस्तृत फैसला अभी आना बाकी है।

ट्रिब्यूनल कैसे सुलझाएगा मामला?

इस मामले में ट्रिब्यूनल गठित होने के बाद वो दोनों राज्यों की बात सुनेगा और फिर नदी के पानी की उपलब्धता देखेगा। इसके बाद ट्रिब्यूनल वैज्ञानिक और कानूनी आधार पर फैसला देगा और साथ ही यह तय करेगा कि किस राज्य को कितना पानी कब और कैसे मिलेगा।

जाति जनगणना 2027 पर सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल खारिज

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 2027 में होने वाली जनगणना के दौरान नागरिकों की जाति दर्ज करने, वर्गीकरण और सत्यापन की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। हालांकि, शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार और भारत के रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त के कार्यालय से याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए सुझावों पर विचार करने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि जाति आंकड़ों की पहचान के लिए कोई पूर्व-निर्धारित डेटा मौजूद नहीं है। पीठ ने कहा कि जनगणना की पूरी प्रक्रिया जनगणना अधिनियम, 1958 और उसके तहत बने 1990 के नियमों के अनुसार संचालित होती है।

वीबी-जी राम जी कानून को लेकर केंद्र पर बरसी कांग्रेस

जयराम रमेश ने गिनाई मनरेगा की खूबियां

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि मनरेगा एक क्रांतिकारी कानून था। कांग्रेस के अनुसार, केंद्र सरकार जो नई योजना लाई है, उसने मनरेगा को खत्म कर दिया है और यह योजना एक गलती है।

क्या बोले कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश?

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, ठीक 20 साल पहले आज ही के दिन मनरेगा की शुरुआत हुई थी। इसे आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के बदनपल्ली गांव में लॉन्च किया गया था। रमेश ने सोशल मीडिया पर एक पुरानी फोटो भी साझा की। इसमें बदनपल्ली की एक दलित महिला, चीमाला पेडक्का को दिखाया गया है, जो मनरेगा की पहली जॉब कार्ड धारक बनी थीं।

जयराम रमेश ने कहा कि इन 20 वर्षों में मनरेगा ने ग्रामीण परिवारों, खासकर महिलाओं को 180 करोड़ दिनों का काम दिया है। इस योजना ने करीब दस करोड़ सामुदायिक संपत्तियां बनाईं और मजबूरी में होने वाले पलायन को काफी कम किया। इसने ग्राम पंचायतों को ताकत दी और ग्रामीण गरीबों की मजदूरी बढ़ाने में मदद की। उन्होंने याद दिलाया कि बैंक और पोस्ट ऑफिस खातों में सीधे पैसे भेजने (डीबीटी) की शुरुआत भी इसी योजना से हुई थी। रमेश ने जोर देकर कहा कि मनरेगा केवल एक प्रशासनिक वादा नहीं था, बल्कि यह काम की कानूनी गारंटी थी। यह संविधान के अनुच्छेद 41 से मिला एक अधिकार था। इसमें नागरिक जब काम मांगते थे, तब उन्हें काम दिया जाता था। परियोजनाओं का फैसला स्थानीय ग्राम पंचायत करती थी। राज्य सरकार को कुल लागत का केवल दस प्रतिशत हिस्सा देना होता था, इसलिए राज्य बिना किसी बड़े आर्थिक बोझ के काम देने के लिए तैयार रहते थे। इसकी जांच ग्राम सभा और सीएजी नियमित रूप से करते थे।

कोटद्वार बवाल ने पकड़ा तूल

राहुल गांधी ने मोहम्मद दीपक को बताया हीरो, पुलिस प्रशासन अलर्ट

कोटद्वार, 2 फरवरी (एजेंसियां)। कोटद्वार बवाल तूल पकड़ता जा रहा है। अब इस मामले ने राहुल गांधी की भी एंट्री हो गई है। उन्होंने एक्स पर ट्वीट कर मोहम्मद दीपक को हीरो बताया है। उन्होंने लिखा कि उत्तराखंड के दीपक भारत के हीरो हैं। दीपक संविधान और इंसानियत के लिए लड़ रहे हैं। उस संविधान के लिए जिसे बीजेपी और संघ परिवार रोज़ रौंदने की साजिश कर रहे हैं।

वे नफरत के बाज़ार में मोहब्बत की दुकान का जीवित प्रतीक हैं और यही बात सत्ता को सबसे ज़्यादा चुभती है। संघ परिवार जानबूझकर देश में आर्थिक और सामाजिक ज़हर घोल रहा है, ताकि भारत बंटा रहे और कुछ लोग डर के सहारे राज करते रहें। उत्तराखंड की बीजेपी सरकार खुलेआम उन असामाजिक ताक़तों का साथ दे रही है जो आम नागरिकों को डराने और परेशान करने में लगी हैं। नफरत, डर और अराजकता के माहौल में कोई भी देश आगे नहीं बढ़ सकता। शांति के बिना विकास सिर्फ एक जुमला है। हमें और दीपकों की ज़रूरत है, जो झुकें नहीं, जो डरें नहीं, और जो पूरी ताकत से संविधान के साथ खड़े रहें। हम तुम्हारे साथ हैं भाई। डरो मत। तुम बब्बर शेर हो।

बजरंग दल के हंगामे के बाद

कोटद्वार में पुलिस प्रशासन अलर्ट, फ्लैग मार्च

शहर के पटेल मार्ग पर एक कपड़े की दुकान के नाम को लेकर उभरा विवाद पुलिस प्रशासन के लिए सिरदर्द बन गया है। शनिवार को देहरादून और हरिद्वार से आए बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के हंगामे के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। दो दिन से रात के समय पुलिस फ्लैग मार्च निकाल रही है। पुलिस प्रशासन के साथ ही खुफिया तंत्र भी सक्रिय हो गया है। दूसरे पक्ष से जुडे.लोगों के कोटद्वार पहुंचने की आशंका को देखते हुए कौड़िया स्थित यूपी-यूके बॉर्डर पर शहर में आने वाले हर वाहन की सघन चेकिंग की जा रही है। जिलेभर से कई पुलिस अधिकारी कोटद्वार बुला लिए गए हैं। दो प्लाटून पीएसी भी तैनात कर दी गई है।बीती 26 जनवरी को कोटद्वार के बजरंग दल कार्यकर्ताओं के साथ कपडे. की दुकानवाले व्यापारी के समर्थकों की तीखी नोकझोंक हो गई थी। मारपीट के आरोपी युवक का वीडियो वायरल होने के बाद आक्रोशित बजरंग दल के देहरादून और हरिद्वार के कार्यकर्ता शनिवार को कोटद्वार पहुंच गए थे।

रमजान के दौरान कर्नाटक में उर्दू माध्यम स्कूलों का समय बदला

फैसले पर खड़ा हुआ सियासी विवाद

बंगलुरू, 2 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में रमज़ान महीने को ध्यान में रखते हुए उर्दू माध्यम के स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। हालांकि इस फैसले को लेकर राजनीतिक विवाद भी खड़ा हो गया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार हमेशा वोट बैंक की राजनीति को प्राथमिकता देती है और संविधान के अनुसार समानता के सिद्धांत पर काम नहीं करती।

एक महीने तक लागू रहेगी नए समय की व्यवस्था

राज्य के उर्दू एवं अन्य अल्पसंख्यक भाषा स्कूल निदेशालय के निर्देश के अनुसार, रमजान के दौरान उर्दू माध्यम के जूनियर प्राइमरी और सेकेंडरी प्राइमरी स्कूल अब सुबह 8 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक संचालित होंगे। यह व्यवस्था रमजान की शुरुआत की तारीख से एक महीने तक लागू रहेगी। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि यह फैसला 31 अक्तूबर 2002 को जारी स्थायी आदेश के विस्तार के तहत लिया गया है।

शैक्षणिक कैलेंडर में भी किया गया बदलाव

इसके साथ ही शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए राज्य के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त उर्दू माध्यम के जूनियर, सीनियर और हाई स्कूलों के शैक्षणिक कैलेंडर में भी बदलाव किया है। यह संशोधित समय-सारिणी रमजान की शुरुआत से लेकर 20 मार्च 2026 तक लागू रहेगी। हालांकि इस फैसले को लेकर राजनीतिक विवाद भी खड़ा हो गया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कर्नाटक सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि रमजान के दौरान स्कूलों के समय में बदलाव किया जा रहा है, लेकिन क्या सरकार ने कभी किसी हिंदू पर्व के दौरान ऐसी ही कोई रियायत दी है?

खबरें जरा हटके

अब अजगर करवा रहा लोगों को योगा! फिटनेस जगत में आई हलचल

जिंदा सांपों के साथ सेहत बना रहे लोग

आज के समय में लोगों के अंदर फिटनेस को लेकर क्रेज आ गया है. लोग अब अपनी सेहत के प्रति काफी जागरूक हो गए हैं. हाल-फ़िलहाल में फिटनेस जगत में एक ऐसा ट्रेंड उभर रहा है जिसने सबको हैरान कर दिया है. अमेरिका के पोर्टलैंड में लोग अब जिंदा अजगर (पाइथन) सांपों के साथ योग कर रहे हैं. जी हां, सही पढ़ा आपने. ये सेशन "स्नेक योगा" के नाम से मशहूर हो रहे हैं, जहां योगा इंस्ट्रक्टर या प्रतिभागी बड़े-बड़े सांपों को शरीर पर लपेटकर आसन करते हैं.

इस योग में सांप कंधों, कमर, हाथों या पैरों पर लिपटे रहते हैं और लोग उनके साथ स्ट्रेचिंग, बैलेंस और मेडिटेशन करते हैं. ट्रेनर्स का दावा है कि सांपों की ठंडी त्वचा और हल्का वजन डीप रिलैक्सेशन देता है, स्ट्रेस कम करता है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता है और फोकस में सुधार लाता है. यह ट्रेंड पिछले कुछ महीनों में तेजी से फैला है. पोर्टलैंड के कई योगा स्टूडियो और वेलनेस सेंटर अब स्नेक योगा क्लासेस ऑफर कर रहे हैं. सेशन में 8-10 फुट लंबे, अच्छी तरह ट्रेन किए गए पाइथन सांपों का इस्तेमाल होता है. सांपों को हैंडल करने वाले प्रोफेशनल हैंडलर्स मौजूद रहते हैं. प्रतिभागी पहले सांपों से परिचित होते हैं, फिर उन्हें धीरे-धीरे शरीर पर लपेटते हैं. कई लोग कहते हैं कि सांपों के साथ योग करने से डर दूर होता है और मानसिक शांति मिलती है.

सोशल मीडिया पर इस अनोखे योगा सेशन का वीडियो वायरल होने के बाद हंगामा मच गया है. कुछ लोग इसे क्रेजी और खतरनाक बता रहे हैं. वहीं जानवरों के अधिकार कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया है कि सांपों को ऐसे इस्तेमाल करना उनके लिए तनावपूर्ण है. दूसरी ओर कई फिटनेस उत्साही इसे नया अनुभव मानकर ट्राई कर रहे हैं. एक प्रतिभागी ने कहा, "सांप के साथ योग करने से शरीर में नई एनर्जी आती है, जैसे कोई ठंडी लहर दौड़ती है." ट्रेनर्स का कहना है कि सांपों को अच्छे से ट्रेन किया जाता है, वे लोगों पर हमला नहीं करते.

दुनिया का वो देश, जहां पूजा जाता है चंगेज खान, पुनर्जन्म की आस लगाए बैठे हैं लोग!

भारत में चंगेज खान को एक क्रूर आक्रांता के रूप में जाना जाता है, जिसने लाखों लोगों की जान ली और अपना साम्राज्य फै ला या . ले कि न मंगोलिया में यही चंगेज खान (चिंगिस खान) भगवान का दर्जा रखता है. इस देश में चंगेज खान को राष्ट्रपिता, एकजुट करने वाला और सबसे बड़ा साम्राज्य बनाने वाला नायक माना जाता है. मंगोल लोग मानते हैं कि उसकी आत्मा आज भी देश की रक्षा करती है और एक दिन वह पुनर्जन्म लेकर वापस आएगा. इस विश्वास के कारण उसकी पूजा मंदिरों में, घरों में और सार्वजनिक स्थानों पर होती है. मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में चंगेज खान का सबसे बड़ा घोड़े पर सवार मूर्ति है. इसकी ऊंचाई 40 मीटर से अधिक है. उसका नाम हवाई अड्डे, सड़कों, सिक्कों, बैंकनोट्स और यहां तक कि बीयर के ब्रैंड पर भी है. लोग उसके नाम की प्रार्थना करते हैं. कई मंगोल परिवारों में उसकी तस्वीर को पूजा स्थल पर रखा जाता है और धूप-दीप जलाए जाते हैं. यह पूजा सिर्फ ऐतिहासिक सम्मान नहीं, बल्कि गहरी आध्यात्मिक श्रद्धा है. मंगोल शैमैनिज्म और बौद्ध धर्म में चंगेज खान को एक संरक्षक आत्मा माना जाता है. लोग मानते हैं कि उसकी आत्मा मंगोलिया की सीमाओं की रक्षा करती है, मौसम को नियंत्रित करती है और राष्ट्र को मजबूत रखती है.

कुछ परंपराओं में उसका पुनर्जन्म होने की प्रतीक्षा की जाती है, ताकि मंगोलिया फिर से विश्व शक्ति बन सके. चंगेज खान ने 1206 में मंगोल कबीलों को एकजुट किया और दुनिया का सबसे बड़ा साम्राज्य बनाया जो एशिया से यूरोप तक फैला था.

बाड़े में बंद थी 100 मादा सूअर, अचानक सबकी सब हो गई प्रेग्नेंट, 400 बच्चों का निकला एक ही बाप!

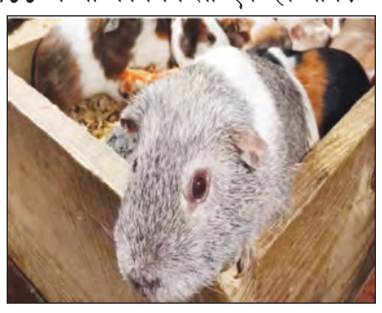

जून 2014 में इंग्लैंड के वॉरिकशायर स्थित हेटन एडवेंचर वर्ल्ड से एक ऐसी खबर आई जिसने पूरी दुनिया को हंसाया और हैरान भी कर दिया. यहां एक नर गिनी पिग, जिसे स्टाफ ने प्यार से "रैंडी" नाम दिया था, मादा गिनी पिग्स के बाड़े में घुस गया. आपको लग रहा होगा कि इसमें कौन सी बड़ी बात है. लेकिन इसका जो नतीजा निकला, उसने सबको हैरान कर दिया. बाड़े की सभी 100 मादा गिनी पिग्स प्रेग्नेंट हो गईं. जब ये बात स्टाफ को पता चली कि बाड़े की सभी मादा प्रेग्नेंट है, तो उन्हें यकीन ही नहीं हुआ क्यूंकि उनके हिसाब से बाड़े में कोई नर नहीं था. लेकिन जब जांच हुई तो मादाओं के बीच से एक नर को पकड़ा गया.

दरअसल, स्टाफ ने चेक कर बाड़े में सौ मादाओं को बंद किया था. लेकिन उनकी नजर से ये इकलौता मेल पिग छूट गया. वो भी मादाओं के साथ बाड़े में बंद हो गया. कई हफ्तों तक किसी को शक नहीं हुआ. रखवालों ने देखा कि रैंडी बहुत थका हुआ, दुबला और कमजोर लग रहा है. जांच करने पर पता चला कि उसने बाड़े में मौजूद हर मादा के साथ मैटिंग कर ली थी. गिनी पिग्स में एक बार में औसतन 4 बच्चे होते हैं, इसलिए पार्क को करीब 400 नए बच्चों की उम्मीद थी. पार्क मैनेजमेंट को तुरंत एक्शन लेना पड़ा. इतने बड़े "बेबी बूम" के लिए गिनी पिग फार्म का विस्तार करना पड़ा. नए पेन बनाने पड़े और ज्यादा जगह और स्टाफ की जरूरत पड़ी. रैंडी को वापस मेल गिनी पिग्स के बाड़े में भेज दिया गया, जहां वो अब "लेजेंड" बन चुका है.

यह खबर उस समय सोशल मीडिया पर इतनी वायरल हुई कि लोग इसे "रैंडी द रिकॉर्ड ब्रेकर" कहने लगे. पार्क ने मजाक में कहा कि रैंडी ने "सबसे ज्यादा मेहनत" की है. लेकिन जानवरों के विशेषज्ञों ने बताया कि गिनी पिग्स में यह संभव है क्योंकि मादाएं बहुत जल्दी प्रजनन करती हैं और नर एक साथ कई मादाओं के साथ मैटिंग कर सकता है. यह घटना मजेदार होने के साथ-साथ पार्क की सेफ्टी और हैंडलिंग प्रक्रिया पर सवाल भी उठाती है.

कटरा में रोपवे के खिलाफ सड़कों पर उतरे घोड़ा-पिट्ठू वाले

मजदूर बोले-पहले मुआवजा, फिर परियोजना

कटरा, 2 फरवरी (एजेंसियां)। धर्मनगरी में रोपवे के विरोध में घोड़ा, पिट्ठू, पालकी वालों और दुकानदारों ने प्रदर्शन किया। सुबह शालीमार पार्क में प्रदर्शनकारी इकट्ठा हुए और यूनियन भूपेंद्र सिंह की अध्यक्षता में बैठक की। इसके बाद कटड़ा बस स्टैंड से श्रीधर चौक तक श्राइन बोर्ड के खिलाफ रैली निकाली गई। प्रदर्शनकारियों ने ताराकोट-सांझीछत रोप-वे का काम बंद करने, भवन मार्ग पर कार्य करने वाले हर मजदूर को 20-20 लाख रुपये की राशि देने की मांग की। मजदूर नेता भूपेंद्र सिंह जम्वाल ने आरोप लगाया कि श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड वादाखिलाफी कर रहा है।

रोप-वे परियोजना का निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि यदि श्राइन बोर्ड रोप-वे परियोजना को लागू करना चाहता है तो इससे पहले भवन मार्ग पर कार्यरत हर मजदूर को 20-20 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए। कटड़ा आ रही हाई पावर कमेटी रोप-वे परियोजना को लेकर लोगों से बातचीत करेगी। उन्होंने मांग की कि कमेटी मजदूरों के प्रतिनिधियों से भी सीधी वार्ता करे ताकि इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सके। यदि बातचीत असफल होती है तो मजदूर वर्ग आगे की रणनीति पर विचार करेगा। मजदूरों ने कुछ समय के लिए कार्य बंद रखा जिससे मां वैष्णो देवी यात्रा के दौरान घोड़ा, पिट्ठू और पालकी सेवाएं लेने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना करना पड़ा।

रुड़की में शोभायात्रा में बवाल

घरों और वाहनों में तोड़फोड़, आगजनी की कोशिश-दो लोगों की हत्या के बाद तनाव

हरिद्वार, 2 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के रुड़की में रविदास शोभायात्रा के भंडारे में रविवार को युवकों के दो गुटों में झगड़ा हो गया। इस बीच दोनों गुटों के युवकों ने फायरिंग कर दी। इस दौरान पहले पक्ष के आनंद (28) की गोली मारकर और दूसरे पक्ष के मांगेराम (45) की पीटकर हत्या कर दी गई।

जबकि छर्रे लगने से तीन अन्य घायल हो गए। वारदात के बाद से गांव में तनाव है, मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। फिलहाल पुलिस द्वारा कुछ लोगों को हिरासत में लेने की खबर है। जांच जारी है। भगवानपुर के बिनारसी गांव में रविवार को रविदास शोभायात्रा निकाली गई, जिसका मंदिर में समापन हुआ। इसके बाद मंदिर परिसर के समीप भंडारे का आयोजन किया जा रहा था। इसके लिए शाम पांच बजे वहां पर काफी भीड़ इकट्ठा थी। तभी युवकों के दो गुटों में पुरानी रंजिश को लेकर कहासुनी हो गई। इस बीच दोनों गुट के युवकों में गोलियां चल गईं। पहले पक्ष के आनंद (28) निवासी बिनारसी के सीने में एक गोली लगी और मौके पर ही मौत हो गई। वारदात की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव लेने की कोशिश की तो पीड़ित परिजन-ग्रामीणों ने विरोध जताया। साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी न होने तक पोस्टमार्टम से इनकार कर दिया और सड़क पर ही शव रखकर धरना शुरू कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को समझा-बुझाकर शव को देर शाम पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वहीं, छर्रे लगने से घायल विकास, गगन और योगेंद्र को सिविल अस्पताल में भर्ती हैं। उधर, देर रात गांव के ही खेत में दूसरे पक्ष के मांगेराम (45) की लाश मिली। शरीर पर निशान मिलने से पीटकर उनकी हत्या करने की आशंका है। एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल ने बताया कि गांव में भारी पुलिस बल तैनात है, मामले की जांच की जा रही है।

छावनी में तब्दील हो गया गांव

दो पक्षों की रंजिश में दो लोगों की हत्या होने के बाद से गांव में तनाव की स्थिति है। जिलेभर से पुलिस को गांव में भेजा गया। झबरेड़ा, रुड़की, कलियर, भगवानपुर समेत अन्य थाने और कोतवाली की पुलिस ने घटनास्थल, गांव के मुख्य चौक चौराहे के अलावा पीड़ित परिवार के घर के आसपास डेरा डाल लिया है। हत्याओं के बाद दोनों पक्षों में तनाव की स्थिति है। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के घरों के बाहर खड़े करीब दस दोपहिया वाहनों को भी निशाना बनाया, इससे लोग दहशत में है।

कोलकाता के कंकुलिया रोड पर फायरिंग

देर रात देशी बम फेंके जाने की भी खबर; बंगाल पुलिस अलर्ट

कोलकाता, 2 फरवरी (एजेंसियां)। कोलकाता पुलिस के अनुसार, बीती शाम राजधानी में फिर से हिंसा हुई, इस दौरान बदमाशों ने गोलपार्क के पास हंगामा किया और कथित तौर पर कंकुलिया रोड पर फायरिंग की और देशी बम भी फेंके। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि यह हमला कुख्यात अपराधी सोना पप्पू के गैंग ने किया था। इस मामले में कोलकाता पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया है।

भाजपा ने राज्य सरकार पर साधा निशाना

वहीं इस घटना को लेकर भाजपा नेता दिलीप घोष ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, 'बंगाल में गुंडे माफिया का राज है। पुलिस भी उनके साथ मिली हुई है। सरकार का कोई कंट्रोल नहीं है। आम आदमी मारे जाते हैं। ये सब ममता बनर्जी के हाथ से बाहर है। ये सरकार जब तक रहेगी इससे बचाव संभव नहीं है।'

जानकारी के मुताबिक, रविवार रात करीब 8:30 बजे गोलपार्क इलाके के कंकुलिया रोड पर दो गुटों के बीच झड़प हुई, जिसमें कच्चे बम फेंके गए, गोलियां चलाई गईं और पत्थरबाजी की गई। इस झड़प में कम से कम दो लोग घायल हुए हैं। इस दौरान बदमाशों ने कई कारों और बाइकों में तोड़फोड़ की गई, जिसमें एक पुलिस वाहन का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में भूकंप के झटके से हिली धरती

जम्मू, 2 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सोमवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 4.6 मापी गई। यह झटका सुबह करीब 5:35 बजे आया, जिससे लोग नींद से जाग गए।

भूकंप का केंद्र (एपिसेंटर) पटन इलाके में बताया गया है। हालांकि, राहत की बात यह है कि अब तक किसी तरह के नुकसान या जान-माल की हानि की कोई सूचना नहीं मिली है। प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है और लोगों से शांत रहने और सतर्क रहने की अपील की गई है।

उत्तराखंड के 5 जिलों में हिमस्खलन का अलर्ट

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। हिमालयी इलाकों में हुई ताजा बर्फबारी के बाद उत्तराखंड के पांच पहाड़ी जिलों के लिए मौसम विभाग ने हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। जहां एक तरफ ऊपरी इलाकों में बर्फबारी हुई, वहीं राजधानी देहरादून समेत निचले इलाकों में रविवार को रुक-रुक कर बारिश हुई, जिसके बाद हिमस्खलन का खतरा बढ़ गया है। हिमस्खलन का मतलब पहाड़ों या ढलानों पर बर्फ और मलबे का एक तेज और विनाशकारी बहाव होता है, जिससे जान-माल का नुकसान होता है। साथ ही मैदानी इलाकों का मौसम प्रभावित होता है। हिमस्खलन और भारी बर्फबारी के कारण उत्तर भारत, विशेषकर दिल्ली-एनसीआर में कड़ाके की ठंड, घना कोहरा और बारिश का सिलसिला बढ़ सकता है। पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी से मैदानी इलाकों में तापमान में भारी गिरावट आती है।

खतरे में उत्तराखंड के 5 जिले

उत्तरकाशी, चमोली और रुद्रप्रयाग को डेंजर लेवल-2 के तहत रखा गया है, जो संवेदनशील क्षेत्रों में हिमस्खलन की अधिक संभावना को दर्शाता है। इस बीच, पिथौरागढ़ और बागेश्वर को डेंजर लेवल-1 के तहत रखा गया है। यह एडवाइजरी सोमवार शाम 5 बजे तक प्रभावी रहेगी। यह चेतावनी चंडीगढ़ स्थित डिफेंस जियोइन्फॉर्मेटिक्स रिसर्च एस्टैब्लिशमेंट (डीजीआरई) के पूर्वानुमान के आधार पर राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) द्वारा जारी की गई थी।

सीएम विजयन के दामाद की सीट पर तय हुआ यूडीएफ उम्मीदवार

> टीएमसी के पीवी अनवर लड़ेंगे चुनाव

तिरुवनंतपुरम, 2 फरवरी (एजेंसियां)। केरल में कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। हालांकि यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने अभी तक चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। लेकिन केपीसीसी अध्यक्ष सनी जोसेफ ने सोमवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस के नेता पीवी अनवर कोझिकोड जिले के बेपोर निर्वाचन क्षेत्र से गठबंधन के उम्मीदवार होंगे।

पूर्व एलडीएफ विधायक अनवर ने वाम मोर्चा छोड़ने के बाद विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए, जिसे हाल ही में यूडीएफ की सहयोगी पार्टी बनाया गया है। वह पिछले कई हफ्तों से बेपोर निर्वाचन क्षेत्र में सक्रिय हैं। इस अटकल के बीच कि वह आगामी

विधानसभा चुनावों में पर्यटन मंत्री पीए मोहम्मद रियास के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे, जो मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन के दामाद भी हैं।

अनवर विजयी होकर बेपोर के विधायक बनेंगे-जोसेफ

अनवर की उम्मीदवारी को लेकर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए जोसेफ ने पुष्टि की कि वह यूडीएफ के उम्मीदवार होंगे। जोसेफ ने कहा, वह विजयी होकर बेपोर के विधायक बनेंगे। इसके साथ ही यह भी कहा कि अनवर यूडीएफ उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। हालांक, जोसेफ ने अनवर की उम्मीदवारी के बारे में आगे कोई जवाब नहीं दिया। सोमवार को अनवर ने यहां के चालियम बंदरगाह का दौरा किया और मछुआरों और मछली व्यापारियों से बातचीत की। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनकी उम्मीदवारी को अंतिम रूप दे दिया गया है, तो अनवर ने स्पष्ट जवाब देने से इनकार कर दिया। उन्होंने पत्रकारों से कहा, किसी न किसी को तो चुनाव लड़ना ही होगा। इसका फैसला बाद में होगा। देखते हैं क्या होता है। रियास को निशाना बनाकर की गई अपनी टिप्पणियों के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए, जिन्हें वह अक्सर 'दामाद' कहते थे, अनवर ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि पर्यटन मंत्री एक राजनीतिज्ञ हैं।

अजित पवार की मौत पर संजय राउत ने जताई साजिश की आशंका

कहा-दुर्घटना नहीं, पर्दे के पीछे कुछ गड़बड़ है

मुंबई, 2 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन को लेकर शिवसेना (यूबीटी) नेता और सांसद संजय राउत ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने अजित पवार की मौत को रहस्यमय बताते हुए कहा कि यह केवल एक दुर्घटना नहीं लगती, बल्कि इसके पीछे कुछ न कुछ गड़बड़ जरूर है, जिसकी जांच होनी चाहिए। संजय राउत ने कहा कि अजित पवार के साथ जो हादसा हुआ है, उस पर सवाल उठना स्वाभाविक है और ये सवाल उठने भी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि पर्दे के पीछे बहुत कुछ हुआ है, जिसे सामने लाना जरूरी है। राउत के अनुसार, अजित पवार ने हाल ही में कहा था कि वे "पुराने घर" यानी अपनी पुरानी राजनीतिक स्थिति में लौटना चाहते हैं। राउत ने आरोप लगाया कि इसके बाद भाजपा से जुड़े कुछ लोगों ने अजित पवार को धमकाया था और उनसे सिंचाई घोटाले की फाइल का जिक्र किया गया। उन्होंने दावा किया कि इसके जवाब में अजित पवार ने कहा था कि उनका सिंचाई घोटाला छोड़ दीजिए, भाजपा के सिंचाई घोटाले से जुड़ी फाइलें उनके पास मौजूद हैं। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि इन घटनाओं को जोड़कर देखा जाए तो कई सवाल खड़े होते हैं और पूरी घटना संदेह के घेरे में आती है। उन्होंने मांग की कि अजित पवार की मौत के हर पहलू की निष्पक्ष और गहन जांच होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 3 फरवरी - 2026

विचार

अनुशासन एक ऐसा तरीका है, जो उसमें कामिया हो गया वो हर कार्य में जीत सकता है

तेलंगाना को रेलवे परियोजनाओं के लिए रिकॉर्ड 5,454 करोड़ रुपये का बजट आवंटित

आंध्र प्रदेश को रेलवे विकास के लिए 10,134 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड बजट

मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली से वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी जानकारी

नई दिल्ली / हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 2026–27 के लिए तेलंगाना राज्य के रेलवे बजट आवंटन के मुख्य बिंदुओं से मीडिया को अवगत कराया। केंद्रीय बजट, जिसमें रेलवे के लिए आवंटन शामिल है, 1 फरवरी 2026 को संसद में प्रस्तुत किया गया।

मंत्री वैष्णव ने नई दिल्ली से वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि तेलंगाना राज्य को 2026–27 के लिए रिकॉर्ड 5,454 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया गया है। उन्होंने कहा कि 2009–14 के दौरान संयुक्त आंध्र प्रदेश राज्य के लिए वार्षिक औसत बजट केवल 886 करोड़ रुपये था। वर्तमान आवंटन पिछले औसत की तुलना में लगभग छह गुना अधिक है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य में विभिन्न रेलवे परियोजनाओं का कुल मूल्य 47,984 करोड़ रुपये है और ये सभी परियोजनाएँ सक्रिय रूप से प्रगति पर हैं। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य का रेलवे नेटवर्क अब 100 प्रतिशत विद्युतीकृत हो चुका है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर घोषित किए गए हैं। इनमें से तीन कॉरिडोर हैदराबाद से प्रारंभ/समाप्त होते हैं, जो राज्य की संचार और कनेक्टिविटी को बढ़ाएंगे। ये हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर यात्रा समय को गणनात्मक रूप से घटाने में सहायक होंगे।

यह कॉरिडोर एक त्रिकोण बनाता है और शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यवसाय सहित विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करेगा। उच्च गति की इन ट्रेनों के परिचालन से हैदराबाद – बेंगलुरु यात्रा 2 घंटे, हैदराबाद – चेन्नई यात्रा 2 घंटे 55 मिनट और हैदराबाद – पुणे यात्रा 1 घंटे 55 मिनट में कम में पूरी होने की संभावना है। इसी क्रम में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 2026–27 के लिए आंध्र प्रदेश राज्य के रेलवे बजट आवंटन के मुख्य बिंदुओं से मीडिया को अवगत कराया। केंद्रीय बजट, जिसमें रेलवे के लिए आवंटन शामिल है, 1 फरवरी 2026 को संसद में प्रस्तुत किया गया। मंत्री वैष्णव ने नई दिल्ली से वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आंध्र प्रदेश राज्य को 2026–27 के लिए 10,134 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड बजट आवंटित किया गया है। उन्होंने कहा कि 2009–14 के दौरान संयुक्त आंध्र प्रदेश के लिए औसत वार्षिक बजट केवल 886 करोड़ रुपये था, और अब आवंटन में लगभग 11 गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि राज्य में 92,649 करोड़ रुपये मूल्य की विभिन्न रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएँ वर्तमान में प्रगति पर हैं। आंध्र प्रदेश का रेलवे नेटवर्क अब 100 प्रतिशत विद्युतीकृत हो चुका है। श्री वैष्णव ने कहा कि देशभर में सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर घोषित किए गए हैं। इनमें से दो कॉरिडोर हैदराबाद – बेंगलुरु और हैदराबाद – चेन्नई मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश से होकर गुजरेंगे और राज्यवासियों के लिए अत्यधिक लाभकारी होंगे। ये हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर यात्रा समय को गणनात्मक रूप से घटाने में मदद करेंगे और शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार जैसे क्षेत्रों में आर्थिक विकास के लिए मार्ग प्रदान करेंगे।

मंत्री ने कहा कि बड़े परियोजनाओं में निवेश पर लगातार ध्यान केंद्रित करने से रेलवे बजट भविष्य में भी आंध्र प्रदेश में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास और बेहतर कनेक्टिविटी का प्रमुख साधन बना रहेगा। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में दक्षिण-मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे, जबकि विजयवाड़ा, गुंटूर और गुतकल डिवीज़न के रेलवे प्रबंधक अपने-अपने मुख्यालय से वीडियो लिंक के माध्यम से जुड़े।

ऑनलाइन ट्रेडिंग में नुकसान के बाद व्यक्ति ने की कथित आत्महत्या

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल में एक 29 वर्षीय व्यक्ति कासोजू रविचंद्र ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली, जिसके पीछे ऑनलाइन ट्रेडिंग में भारी वित्तीय नुकसान बताया जा रहा है। रविचंद्र, जो नागरकर्नूल जिले के अचमपेट के मारुतिनगर के मूल निवासी थे, लगभग पांच वर्षों से ऑनलाइन दीर्घकालिक व्यापार में शामिल थे और उप्पल के दक्षिण स्वरूपनगर में रहते थे। पुलिस के अनुसार, व्यापार में बढ़ते नुकसान ने उन्हें मानसिक तनाव में डाल दिया। उन्होंने कथित रूप से एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्राप्त रासायनिक पदार्थ का सेवन किया। उन्हें बेहोश पाया गया और निजी अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उप्पल पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

हत्या के प्रयास के मामले में सजा

आदिलाबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद की एक अदालत ने दो साल पहले थलमदुगु मंडल के हसनपुर गांव में एक व्यक्ति की हत्या का प्रयास करने के मामले में दोषी पाए गए एक आरोपी को तीन साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 7,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जिला प्रधान न्यायाधीश के. प्रभाकर राव ने मक्काला दिनेश को दोषी ठहराते हुए यह फैसला सुनाया। अदालत के अनुसार, 17 सितंबर 2024 को गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान आरोपी ने संगम स्वामी पर हमला किया था।

भाजपा की बागी उम्मीदवारों को सख्त चेतावनी

अनुशासनहीनता पर 15 साल का निलंबन

हैदराबाद, 2 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने नगर पालिका चुनावों को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को कड़ा संदेश दिया है। सोमवार को हैदराबाद में जारी एक बयान में उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर निकाय चुनावों में केवल पार्टी द्वारा बी-फॉर्म दिए गए उम्मीदवार ही चुनावी मैदान में बने रहें, जबकि पार्टी की ओर से नामांकन दाखिल कर चुके अन्य सभी नेताओं को तत्काल अपने नामांकन वापस लेने चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी ने विस्तृत सर्वे रिपोर्ट, सामाजिक समीकरणों और जीत की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सामूहिक निर्णय के आधार पर उम्मीदवारों का चयन किया है। टिकट न मिलने से कुछ नेताओं का निराश होना स्वाभाविक है, लेकिन पार्टी ऐसे सभी कार्यकर्ताओं के योगदान को याद रखेगी, जिन्होंने वर्षों से संगठन के विकास और जीत के लिए कार्य किया है। उन्होंने भरोसा जताया कि जिस प्रकार ग्राम पंचायत चुनावों में कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के विश्वास से भाजपा ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की, उसी तरह नगर पालिका चुनावों में भी पार्टी विजय की श्रृंखला को आगे बढ़ाएगी। एन. रामचंदर राव ने नामांकन वापस लेने वाले नेताओं से अपील की कि वे अपने-अपने वार्ड और डिवीजनों में पार्टी के अधिकृत उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से काम करें। साथ ही उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि पार्टी अनुशासन के खिलाफ जाकर यदि कोई नेता विद्रोही या निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ता है, तो राज्य नेतृत्व इसे गंभीरता से लेगा। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्ति को 15 वर्षों के लिए पार्टी से निलंबित किया जाएगा और भविष्य में उन्हें दोबारा पार्टी में शामिल करने का कोई प्रश्न नहीं होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने दो टूक कहा कि पार्टी हित सर्वोपरि है और में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अनुशासनहीनता किसी भी सूरत

फोन टैपिंग मामला: भाजपा सांसद ने एसआईटी से त्वरित कार्रवाई की मांग की

हैदराबाद, 2 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के मेदक सांसद माधवनेनी रघुनंदन राव ने कथित फोन टैपिंग मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच में तेजी लाने और दोषियों को शीघ्र जेल भेजने की मांग की है। सोमवार को गजवेल–प्रग्नापुर नगरपालिका क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान रघुनंदन राव ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के जून 2014 में विधानसभा में दिए गए बयान को याद दिलाया, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'अपराध करने वाला चाहे अपना बेटा या बेटी ही क्यों न हो, उसे जेल भेजा जाएगा।' सांसद ने कहा कि अब वही बात केसीआर पर भी लागू होती है। रघुनंदन राव ने कांग्रेस सरकार पर गजवेल के विकास में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर के कार्यकाल में गजवेल में कोई ठोस विकास नहीं हुआ और पिछले दो वर्षों में भी यह क्षेत्र उपेक्षित रहा है। केंद्रीय बजट का बचाव करते हुए भाजपा सांसद ने आलोचकों पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक ही परिवार के सदस्य केटीआर, हरीश राव और कविता बजट को लेकर परस्पर विरोधी बयान दे रहे हैं। रघुनंदन राव ने बताया कि दक्षिण भारत के लिए स्वीकृत सात हाई-स्पीड ट्रेनों में से तीन हैदराबाद को मिली हैं। साथ ही रेलवे बजट में पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इस बार तेलंगाना को 1,300 करोड़ रुपये अतिरिक्त आवंटित किए गए हैं।

महिला सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : टी. उषा रानी

छेड़छाड़ के आरोपियों की काउंसिलिंग की गई

हैदराबाद, 2 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस उपायुक्त, महिला सुरक्षा, मलकाजगिरी आयुक्तालय टी. उषा रानी ने कहा कि लड़कियों और महिलाओं को परेशान करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे बिना किसी भय के आगे आकर शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने बताया कि शी टीमें बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, मेट्रो स्टेशनों, स्कूलों, कॉलेजों, सब्ज़ी बाज़ारों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सादे कपड़ों में डिकॉय ऑपरेशंस कर रही हैं। महिलाओं का पीछा करने या उन्हें परेशान करने वालों को पुख्ता साक्ष्यों के साथ पकड़कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है तथा उनके परिवारजनों की उपस्थिति में काउंसलिंग भी कराई जा रही है। पुलिस उपायुक्त (महिला सुरक्षा), मलकाजगिरी आयुक्तालय के पर्यवेक्षण में एलबी नगर स्थित सीपी कैंप कार्यालय में ईव-टीज़र्स की काउंसलिंग की गई। इस अवधि के दौरान शी टीमों ने महिलाओं एवं लड़कियों से छेड़छाड़ के मामलों में कुल 81 आरोपियों (64 वयस्क और 17 नाबालिग) को पकड़ा। सभी की उनके परिवारजनों की मौजूदगी में पेशेवर काउंसलरों की सहायता से काउंसलिंग की गई।

सिर्फ 15 दिनों में मिली 97 शिकायत

हैदराबाद, 2 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शी टीम मल्काजगिरी को जनवरी माह 1 से 15 के बीच कुल 97 शिकायतें प्राप्त हुईं। इन शिकायतों में फोन कॉल के माध्यम से उत्पीड़न के 17, सोशल मीडिया ऐप्स के माध्यम से उत्पीड़न के 36, प्रत्यक्ष/शारीरिक उत्पीड़न के 44 मामले दर्ज किए गए। इन प्रकरणों में 9 आपराधिक मामले दर्ज, 29 साधारण केस 29, 52 व्यक्तियों को काउंसलिंग प्रदान की गई। महत्वपूर्ण मामलों में एक शी टीम को प्राप्त शिकायत के आधार पर एक युवती ने बताया कि उसका सहकर्मी उसे लगातार संबंध बनाने के लिए दबाव डाल रहा था। लगभग तीन महीने पूर्व आरोपी युवती के वर्तमान कार्यस्थल पर आ गया और उससे जबरन शादी का दबाव बनाने लगा। मना करने पर उसने युवती की निजी तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपलोड करने की धमकी दी। शी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। डीसीपी टी. उषा रानी ने बताया कि 1 से 15 जनवरी 2026 के दौरान मलकाजगिरी शी टीमों ने 36 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें लगभग 4,566 लोगों को महिला कानूनों, अधिकारों, अपराधों और सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी दी गई।

मियापुर पुलिस ने लापता 5 साल के बच्चे को सुरक्षित घर पहुँचाया

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर पुलिस ने रविवार को कुछ ही घंटों में लापता पांच वर्षीय लड़के सिद्धार्थ को खोजकर उसे उसके माता-पिता के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार, सिद्धार्थ, जो मियापुर की न्यू कॉलोनी का निवासी है, घर के बाहर खेलते समय भटक गया और लगभग एक किलोमीटर दूर चला गया। नियमित गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों ने बच्चे को अकेला देखा और तुरंत उसकी देखभाल में लिया। मियापुर इंस्पेक्टर शिव प्रसाद ने बताया कि लगभग दो घंटे की कोशिशों के बाद पुलिस ने उसके माता-पिता का पता लगा लिया और सिद्धार्थ को सुरक्षित रूप से उनके हवाले कर दिया। बच्चे के माता-पिता ने मियापुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई और सतर्कता की सराहना करते हुए राहत और खुशी व्यक्त की।

रमजान से पहले पुराने बाजारों में खरीदारी की रौनक

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हिजरी कैलेंडर के रमजान महीने के शुरू होने में अब कुछ ही सप्ताह शेष हैं, और शहर के पुराने हिस्सों में खरीदारी की गतिविधियां धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रही हैं। पथरगट्टी, खिलवत बाजार, देवन देवड़ी, रिकाबगंज, पटेल बाजार, मदीना बिल्डिंग, मूसा बोवली और घांसी बाजार के व्यापारी त्योहारी खरीदारी के लिए नया सामान पहले से स्टॉक कर चुके हैं।

व्यापारी बताते हैं कि जो लोग रमजान में नमाज के लिए अधिक समय देना चाहते हैं, वे त्योहार से पहले ही खरीदारी कर लेते हैं। पथरगट्टी में कपड़ों की दुकान के मालिक मोहम्मद अकबर ने कहा कि पिछले वर्षों में शब्बान महीने में रमजान की खरीदारी करने वालों की संख्या बढ़ी है। मदीना बिल्डिंग में पारंपरिक परिधानों की दुकान के मालिक शकीर हुसैन ने कहा कि दुकानों की संख्या और प्रतिस्पर्धा के कारण कीमतें भी उचित हैं। सड़क किनारे स्टॉल लगाने वाले छोटे व्यापारी भी पूरी तरह तैयार हैं। व्यापारी मतीन अहमद ने बताया कि फरवरी के पहले सप्ताह तक स्टॉलों पर सामान फिर से भर जाएगा। चारमीनार और मदीना बिल्डिंग के आसपास लगभग 5000 दुकानें चूड़ियाँ, पारंपरिक और आधुनिक परिधान, जूते, डिजाइनर साड़ियाँ, अबाया, मोती, बर्तन और अन्य घरेलू सामान बेचती हैं।

प्रोजेक्ट शक्ति के तहत 60 हजार छात्राओं को मिलेंगे पुनः प्रयोज्य सैनिटरी पैड

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मासिक धर्म स्वास्थ्य और छात्राओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत रोटेरियन, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और यूनिपैड्स फाउंडेशन ने 'प्रोजेक्ट शक्ति – प्रोवाइडिंग नेक्स्ट शक्ति' की शुरुआत की है।

इस परियोजना के माध्यम से तेलंगाना की 60,000 छात्राओं को पुनः प्रयोज्य सैनिटरी पैड वितरित किए जाएंगे। करीब 2.5 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना का औपचारिक उद्घाटन हैदराबाद जिला कलेक्टर हरिचंदना दासारी ने कोटि स्थित वीरनारी चकाली इलम्मा महिला विश्वविद्यालय में किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने विश्वविद्यालय की छात्राओं को 35 लाख रुपये मूल्य की 7,000 पुनः प्रयोज्य सैनिटरी पैड किट वितरित कीं।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह वितरण एक व्यापक कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत मार्च 2026 तक कुल 60,000 छात्राओं को कवर किया जाएगा। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3150 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. एस. वी. राम प्रसाद ने बताया कि रोटेरियनों ने वैश्विक स्तर पर पोलियो उन्मूलन के लिए लगभग 25,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जो सामूहिक प्रयासों की शक्ति को दर्शाता है। हैदराबाद ईस्ट रोटरी क्लब के अध्यक्ष गोविंद पुट्टा ने कहा कि प्रोजेक्ट शक्ति के तहत 2,000 से अधिक स्कूलों की लगभग 60,000 छात्राओं को लाभ मिल रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वीरनारी चकाली इलम्मा महिला विश्वविद्यालय में 45 लाख रुपये की लागत से एक विज्ञान प्रयोगशाला भी स्थापित की जा रही है।

मिनी बसें सालों से बेकार, सार्वजनिक परिवहन पर दबाव बढ़ा

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में मिनी बसों को शुरू करने का प्रस्ताव अभी भी अटका हुआ है, जबकि राजधानी की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली बढ़ती यात्री मांग और तीव्र विकास के कारण दबाव का सामना कर रही है। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) द्वारा पहले खरीदी गई लगभग 100 वातानुकूलित 'वज्र' मिनी बसें, जिनकी लागत लगभग 25 करोड़ रुपये थी, काफी हद तक अप्रयुक्त पड़ी हैं।

इनमें से कई बसें मुख्यालय के पास खाली जमीन पर खड़ी हैं और रखरखाव की कमी के कारण उनकी हालत बिगड़ती जा रही है। आधी बसें अब कबाड़ की स्थिति में हैं और निपटान के लिए तैयार हैं।

मिनी बस सेवाएं 2017 में शुरू हुई थीं और मेहदीपटनम, कुकटपल्ली और दिलसुखनगर से करीमनगर, वारंगल और गोदावरीखानी तक चलीं।

हालांकि, परिचालन संबंधी चुनौतियों के कारण इन सेवाओं को बंद कर दिया गया। हाल ही में, आरटीसी ने 'साइबर लाइनर्स' के तहत रायदुर्ग मेट्रो स्टेशन से आईटी हब और अमेरिकी वाणिज्य दूतावास तक अंतिम-मील कनेक्टिविटी शुरू की है। वर्तमान में केवल लगभग 15 मिनी बसें सक्रिय हैं, जबकि लगभग 40 बसें जिला डिपो में खड़ी हैं।

आरटीसी निजी ऑपरेटरों की तुलना में कम दरों पर मिनी बसें किराए पर भी देता है। अधिकारी के अनुसार, 40 लोगों तक के समूहों के लिए मिनी वज्र बसें प्रति घंटे के हिसाब से किराए पर ली जा सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मिनी बसों को समय पर बेचा जाता तो आरटीसी को अच्छा मूल्य मिल सकता था। अब कई बसें बेकार पड़ी हैं और कबाड़ में तब्दील हो रही हैं, जिससे सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है। हैदराबाद में प्रतिदिन लगभग 26 लाख लोग आवागमन करते हैं, जिनमें 18 लाख यात्री आरटीसी बसों में और 5 से 6 लाख टैक्सी सेवाओं पर निर्भर हैं। मिनी बसों की अनुपलब्धता के कारण निजी परिवहन पर निर्भरता बढ़ गई है। ग्रेटर आरटीसी वर्तमान में लगभग 3,000 बसों के माध्यम से प्रतिदिन 31,815 चक्कर लगाकर यात्रियों को सेवा प्रदान करता है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Varalaxmi, W/o, No. 17004336W, Hav, S Damodar, R/o, Dist: Nagarkurnool, Telangana, changed my name from Varalaxmi to Neeradi Varalaxmi , vide Affidavit No. BN 820891 dt. 02.02.2026, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवाद करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दो बच्चों की झील में डूबने से मौत

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को खेलते समय लापता हुए दो बच्चे ऋषि (6) और बद्रीनाथ (8) महेश्वरम के केसी थंडा में एक झील में डूब गए। उनके शव सोमवार को बरामद किए गए। दोनों बच्चे चचेरे भाई थे और स्थानीय सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। पुलिस के अनुसार, वे रविवार शाम को खेलने के लिए घर से निकले थे और वापस नहीं लौटे। परिवार वालों ने आसपास तलाश की और बाद में महेश्वरम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि लड़कों को आखिरी बार गांव के पास एक शिव प्रतिमा के पास देखा गया था। विशेषज्ञ तैराकों की मदद से पास के कोटवाल चेरुवु में तलाशी अभियान चलाया गया, लेकिन रात तक बच्चों का पता नहीं चला। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने झील से उनके शव बरामद किए और पुलिस को सूचना दी। महेश्वरम पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

सिंगापुर की कम्पनी एपी मोलर माएर्स्क के प्रमुख ने की मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात, निवेश पर हुई चर्चा

लखनऊ, 2 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयासों को विदेशी निवेशकों से निरंतर समर्थन मिल रहा है। इसी क्रम में सिंगापुर की अग्रणी एकीकृत कंटेनर लॉजिस्टिक्स कंपनी एपी मोलर माएर्स्क के प्रबंध निदेशक रीन पील पेडरसन ने सोमवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की। इस दौरान उत्तर प्रदेश में निवेश विस्तार को लेकर गहन चर्चा हुई। पेडरसन के साथ विवेक शर्मा, हेड बिजनेस डेवलपमेंट एवं रेगुलेटरी अफेयर्स (भारत, बांग्लादेश एवं श्रीलंका क्षेत्र) भी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश में निवेश की व्यापक संभावनाओं, उद्योगों के लिए अनुकूल कारोबारी माहौल तथा राज्य सरकार की निवेश प्रोत्साहन नीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे राज्यों में शामिल है और यहां निवेशकों के लिए सुरक्षित, स्थिर और पारदर्शी वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सिंगल विंडो सिस्टम, त्वरित स्वीकृतियां, नीति आधारित प्रोत्साहन और मजबूत कानून व्यवस्था के माध्यम से सरकार निवेशकों को हर स्तर पर सहयोग दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक्सप्रेसवे नेटवर्क, लॉजिस्टिक्स हब, औद्योगिक कॉरिडोर और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते उत्तर प्रदेश निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन चुका है। उन्होंने एपी मोलर माएर्स्क को राज्य में अपने निवेश का विस्तार करने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि सरकार आवश्यक भूमि, कनेक्टिविटी और नीतिगत सहयोग सुनिश्चित करेगी। इस अवसर पर विवेक शर्मा ने बताया कि हमने उत्तर प्रदेश में निवेश के अवसरों और यहां के निवेश अनुकूल माहौल को लेकर बहुत अच्छी और सार्थक चर्चा की। हमारी कंपनी पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से इस राज्य में निवेश कर रही है। इस विशेष चर्चा के दौरान हमने प्रदेश की कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण और अपने व्यवसाय के विस्तार में राज्य सरकार से मिले पूर्ण सहयोग को लेकर अपने सकारात्मक अनुभव साझा किए। हम भविष्य में भी उत्तर प्रदेश में अपने कारोबार के विस्तार के लिए नए निवेश अवसरों की तलाश करने के लिए उत्सुक हैं। उल्लेखनीय है कि एपी मोलर माएर्स्क शिपिंग, बंदरगाह, जल परिवहन और अंतर्देशीय लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में वैश्विक स्तर की कंपनी है।

कोडीन कफ सिरप की अवैध बिक्री में श्याम फार्मा संचालक गिरफ्तार

19 नवबंर को दर्ज हुई थी एफआईआर

तुलसीपुर, 2 फरवरी (एजेंसियां)। कोडीन युक्त कफ सिरप की अवैध बिक्री मामले में पुलिस ने कार्रवाई और तेज कर दी है। पहले चरण में अशोक मेडिकल और अमन मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निरस्त किए जा चुके हैं।

इसके बाद सोमवार को पुलिस ने पुरानी बाजार स्थित श्याम फार्मा के संचालक वरुण लाठ को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस की मानें तो जांच में बड़े स्तर पर अनियमितताएं सामने आ रही हैं। दवा कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। मामले की एफआईआर 19 नवंबर को औषधि निरीक्षक ने दो मेडिकल स्टोर के संचालकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसके जांच अब आगे बढ़ी है। पुलिस के अनुसार श्याम फार्मा के नाम से करीब 15 हजार बोतल कोडीन सिरप की बिक्री दर्शाने वाले बिल प्रस्तुत किए गए थे।

'मैं आरएसएस नेता हूं, परिचय देते रहे जयकिशोर फिर भी ईंटों से हमला करते रहे दबंग'

> कार में भी की तोड़फोड़

हाथरस, 2 फरवरी (एजेंसियां)। हाथरस के नवल नगर की तंग गली, कार सवार आरएसएस के जिला प्रचारक और स्कूटी सवार आमने-सामने से आ गए। पीछे कौन हटाए, इसी पर विवाद हुआ। आरएसएस नेता अपना परिचय देते रहे, लेकिन हमलावर ईंटों और मिस्त्री की दुकान से उठाए औजारों से उन पर हमला करते रहे। बाद में बवाल की आशंका से कुछ दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर चले गए। आरोपी इसी मोहल्ले के रहने वाले हैं, जिसके चलते यहां पुलिस तैनात रही। एक मुख्य आरोपी के घर के बाहर पुलिसकर्मी बैठा दिए गए हैं।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के जिला प्रचारक जयकिशोर ने बताया कि वह घटना के समय अपनी कार से तालाब चौराहा की ओर से नवल नगर स्थित संगठन के कार्यालय पर जा रहे थे। अलीगढ़ रोड पर नवल नगर वाली गली में घुसते ही सामने से स्कूटी पर दो युवक आ गए। निकलने के लिए जगह न होने पर उन्होंने कार का हॉर्न बजाया, लेकिन हटने की बजाए युवक गाली-गलौज पर उतर आए और उनसे ही कार वापस पीछे लेने के लिए बोलने लगे। अभद्रता से बात करने पर जिला प्रचारक ने उन्हें टोका और अपना परिचय दिया। इसी बात पर दोनों युवक उग्र हो गए और उन्हें कार से नीचे उतार लिया। इसके बाद वे मारपीट करने लगे और युवकों ने फोन कर अपने साथी मौके पर बुला लिए। नवल नगर के बाहर एक दुकान पर मौजूद युवकों के साथी मौके पर पहुंच गए। इन लोगों ने ईंट, ऑटो मैकेनिक के औजारों से उन पर हमला कर दिया। आरोपी युवक भीड़ लगने पर जिला प्रचारक को नाली के पास पटककर भाग गए।

यूपी सरकार का बड़ा फैसला

68 हजार कर्मचारियों की सैलरी रोकी वो कर्मी जिन्होंने नहीं किया ये काम

लखनऊ, 2 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी सरकार ने 68 हजार से ज्यादा राज्य कर्मचारियों की सैलरी फिलहाल रोक दी है। ये वो कर्मचारी हैं, जिन्होंने अपनी प्रॉपर्टी की जानकारी 'मानव संपदा पोर्टल' अपलोड नहीं की है। दरअसल, कुछ दिन पहले प्रदेश सरकार ने 'मानव संपदा पोर्टल' पर राज्य कर्मियों के चल-अचल संपत्ति का ब्योरा ऑनलाइन करना अनिवार्य कर दिया था।

प्रदेश में आठ लाख से अधिक राज्य कर्मचारी हैं। आदेश में कहा गया था कि 31 दिसंबर 2025 तक अर्जित सभी चल-अचल संपत्तियों का ब्योरा 31 जनवरी 2026 तक पोर्टल पर ऑनलाइन देना होगा। अगर नहीं दिया तो फरवरी में जनवरी माह का वेतन नहीं मिलेगा।

कुछ दिन पहले मुख्य सचिव ने कहा था...

मुख्य सचिव ने कहा था कि सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को 31 दिसंबर 2024 तक अर्जित अपनी चल-अचल संपत्ति का ब्योरा 31 जनवरी तक मानव संपदा पोर्टल पर अनिवार्य रूप से भरना होगा। एक जनवरी से पोर्टल पर यह सुविधा शुरू हो गई है। सभी विभागाध्यक्ष अपने अधीनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों को इसके अनुसार कार्यवाही करने के लिए कहें। तय सीमा में संपत्ति का विवरण न दिए जाने को प्रतिकूल रूप से लिया जाएगा। एक फरवरी, 2025 के बाद होने वाली विभागीय प्रमोशन समितियों की बैठकों में ऐसे अधिकारी-कर्मचारी के प्रमोशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

'पीएम के नेतृत्व में कागजों में नहीं-धरातल पर उतरीं नीतियां'

सीएम बोले-विजनरी और समावेशी बजट

लखनऊ, 2 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय बजट पर प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने बजट से यूपी के लिए संभावनाओं पर चर्चा की। सबसे पहले उन्होंने विजनरी बजट के लिए पीएम मोदी का आभार व्यक्त किया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद दिया।

सीएम ने कहा कि पिछले 11 वर्ष के अंदर पीएम के नेतृत्व में नीतियां केवल कागजों में नहीं, बल्कि धरातल पर उतरीं। इसका परिणाम है कि 11 साल में 25 करोड़ की आबादी गरीबी रेखा से ऊपर उठी। भारत दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा। इसकी वजह स्पष्ट नीतियां और गरीब वंचित केंद्रित समावेशी बजट है। उन्होंने कहा कि बजट में रिफॉर्म, ग्रोथ और भौतिक अनुशासन स्पष्ट रूप से देखने को मिला है। साथ ही आने वाली पीढ़ी को जोड़ने वाला है। इसमें हर नागरिक के लिए अपने मूल कर्तव्यों की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है। बजट में किसान, युवा, महिला और गरीब सभी पक्षों को ध्यान में रखा गया है। देश के सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य की आकांक्षाओं की पूर्ति हुई है। सीएम ने आगे कहा कि एमएसएमई सेक्टर के लिए 10 हजार करोड़ का बजट दिया गया है। यूपी के पास 96 लाख से ज्यादा यूनिट हैं। 10 हजार करोड़ का बजट ओडीओपी के लिए काफी फायदेमंद होगा। उद्योगों को डिजाइन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग के साथ आगे बढ़ाएंगे। एक्सपोर्ट, पैकेजिंग और ब्रांडिंग में मदद मिलेगी।

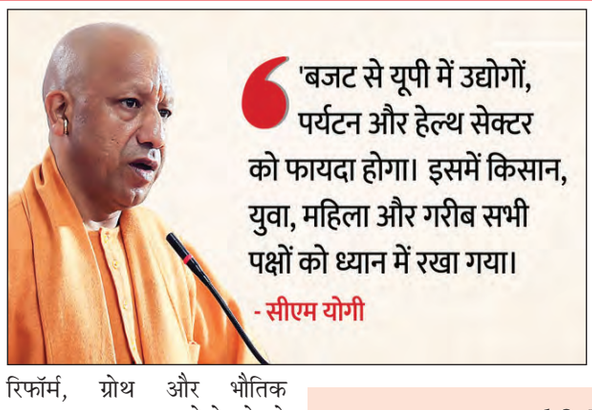

चोरों ने रियल एस्टेट कारोबारी के घर को बनाया निशाना-एक करोड़ के आभूषण किए पार

लखनऊ, 2 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में चोरों ने रियल एस्टेट कारोबारी के घर से करीब एक करोड़ के आभूषण पार कर दिए। घटना के समय घर के लोग जन्मदिन पार्टी में गए हुए थे। जानकारी हुई तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस चोरों की तलाश में जुटी है। घटना दुबग्गा क्षेत्र के कसमंडी रोड स्थित लालनगर खेड़ा गांव की है। यहां चोरों ने रियल एस्टेट कारोबारी के बंद मकान को निशाना बनाया।

अलमारी से करीब एक करोड़ रुपये के सोने-चांदी के जेवरात पार कर दिए। शुक्रवार रात घटना के दिन परिवार जन्मदिन समारोह में गया था। रविवार दोपहर चोरी का पता चला। पीड़ित सलमान के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 9 बजे घर के सभी सदस्य हजरतगंज के एक निजी होटल में भांजे का जन्मदिन मनाने गए थे। देर रात लगभग 12 बजे घर लौटे। थकान के चलते सभी सो गए। रविवार को मामा के यहां पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जाना था। दोपहर को मां सलमा अलमारी खोलने पहुंचीं, तो सामान बिखरा मिला और लॉकर टूटा पड़ा था।

69 हजार सहायक शिक्षक भर्ती

अभ्यर्थियों ने डिप्टी सीएम केशव मौर्य के आवास के बाहर किया प्रदर्शन, पुलिस ने रोका

लखनऊ, 2 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी में 69 हजार शिक्षक भर्ती में शामिल आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने सोमवार को लखनऊ में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव किया। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई न होने से अभ्यर्थी नाराज हैं। इसी को लेकर अभ्यर्थी केशव मौर्य के घर के सामने धरने पर बैठे थे। उन्होंने जोरदार नारेबाजी की। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रही। अभ्यर्थी केशव चाचा न्याय करो का नारा लगाकर धरने पर बैठ गए। पुलिस ने सभी को बस से धरनास्थल इको गार्डेन भेज दिया।

अभ्यर्थियों का कहना है कि हाईकोर्ट का जो फैसला आया था, सरकार ने उसे जानबूझ कर लटका दिया। इससे मामला अब सुप्रीम कोर्ट में चला गया। सरकार के पास पर्याप्त समय था, वह हाईकोर्ट डबल बेंच के फैसले का पालन करके सबके साथ न्याय कर सकती थी। धरना प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल व धनंजय गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2018 में यह भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई थी। जब इसका परिणाम आया तो इसमें व्यापक स्तर पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया गया। उन्हें नौकरी देने से वंचित कर दिया गया। एक लंबे आंदोलन और न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने के बाद बीते 13 अगस्त 2024 को लखनऊ हाईकोर्ट के डबल बेंच ने हम आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के हित में फैसला सुनाया। नियमों का पालन करते हुए अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिए जाने का आदेश दिया। लेकिन, सरकार इस प्रकरण में हीलाहवाली करती रही। पटेल ने कहा कि उन्होंने इससे पहले भी कई बार केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव किया था। तब उन्होंने त्वरित न्याय किए जाने की बात कही थी। हम अभ्यर्थियों से मुलाकात भी की थी।

डॉक्टर के बेटे ने किया सुसाइड

प्रयागराज, 2 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में डॉक्टर के बेटे ने सुसाइड कर लिया। युवक की कमरे में फांसी के फंदे से लटकती डेडबॉडी मिली।

घटना की सूचना मिलते ही कर्नलगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। युवक स्पर्श शुक्ला (22) नेशनल लॉ कॉलेज जबलपुर में एलएलबी सेकेंड ईयर की पढ़ाई कर रहा था। स्पर्श के पिता डॉ. अजय कुमार बाल रोग विशेषज्ञ हैं। वह कर्नलगंज के स्वास्तिक मैगनोलिया अपार्टमेंट में रहते हैं। पत्नी टीचर है।

राजद नेता तेजस्वी यादव व्हीलचेयर से विधानसभा पहुंचे, पैर के अंगूठे में है चोट

पटना, 2 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा का बजट सत्र सोमवार से शुरू हुआ। इस दौरान विपक्ष ने पटना के छात्रावास में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रही छात्रा की मौत को लेकर प्रदर्शन किया, वहीं विपक्ष को मजबूती देने के लिए विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव व्हील चेयर पर विधानसभा पहुंचे। पैर के अंगूठे का ऑपरेशन होने के बावजूद वे सदन की कार्यवाही में शामिल हुए। तेजस्वी यादव का व्हीलचेयर पर विधानसभा पहुंचने के बाद उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

उनके पहुंचते ही विधानसभा परिसर में हलचल तेज हो गई। उन्होंने बताया कि घर में ही उनके पैर में चोट लग गई है। तेजस्वी के अनुसार, नाखून के पास चोट होने के कारण चलने में परेशानी हो रही है। बताया गया कि इस जख्म का ऑपरेशन हुआ है। सामने आए वीडियो में भी वे काफी दर्द में दिख रहे हैं। बावजूद इसके, उन्होंने बजट सत्र में शामिल होकर अपनी जिम्मेदारी निभाई। बता दें कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने रविवार की शाम अपने फेसबुक वॉल पर लिखकर विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की इस चोट की सूचना सार्वजनिक की थी। राजद ने फेसबुक पर लिखा, सूचनार्थः दिनांक 25 जनवरी को ठोकर लगने से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के पैर के अंगूठे का नाखून उखड़ गया था। तदोपरांत चिकित्सकीय देखरेख में माननीय नेता स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। बता दें कि बिहार विधानसभा का बजट सत्र शुरू हो गया है, जिसमें सरकार और विपक्ष के बीच अहम मुद्दों पर चर्चा होने वाली है। इस सत्र में कल यानी तीन फरवरी को प्रदेश के वित्त मंत्री 2026-27 का प्रदेश का बजट पेश करेंगे। 27 फरवरी तक चलने वाले इस सत्र में कुल 19 बैठकें होंगी।

'पहाड़ियों से फेंककर नहीं, सिर पर वार कर मार डाला था'

गोरखपुर, 2 फरवरी (एजेंसियां)। गोरखपुर के शाहपुर इलाके की राखी श्रीवास्तव राजेश्वरी उर्फ राजेश्वरी की हत्या नेपाल में पहाड़ियों से फेंक कर नहीं बल्कि सिर और पेट पर भारी वस्तु से वार कर की गई थी। इसके बाद शव को सारंगकोट क्षेत्र में जंगल के किनारे झाड़ियों में पत्तों से छिपा दिया गया था।

इसका पर्दाफाश नेपाल सरकार की ओर से भेजी गई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट को साक्ष्य के तौर पर सोमवार को कोर्ट में पेश करेगी ताकि हत्यारोपियों को जल्द से जल्द सजा मिल सके। राखी अपने पति मनीष सिन्हा के साथ वर्ष 2018 में नेपाल भ्रमण पर गई थीं। इसी दौरान नेपाल के कास्की जिले के सारंगकोट क्षेत्र में राखी का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी।

बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल ने दिया अभिभाषण

'जनता ने हम पर जो भरोसा जताया है, वह केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं है'

पटना, 2 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सोमवार को कहा कि बिहार की जनता ने हम पर जो भरोसा जताया है, वह केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं है। यह भरोसा सुशासन, विकास, सामाजिक न्याय और जवाबदेही से जुड़ा हुआ है। इस सत्र में होने वाली चर्चा राज्य की अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, आधारभूत संरचना और सामाजिक कल्याण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को नई दिशा देने वाली है।

बजट सत्र केवल एक औपचारिक संसदीय प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह जनता की आशाओं, राज्य की प्राथमिकताओं और भविष्य की दिशा तय करने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर है। यह वह समय होता है जब हम अपने विचारों, नीतियों और संकल्पों को जनहित की ठोस योजनाओं में रूपांतरित करते हैं।

आने वाले पांच साल में एक करोड़ नौकरी और रोजगार का लक्ष्य

राज्यपाल ने कहा कि अब तक राज्य सरकार 50 लाख युवाओं को नौकरी और रोजगार के अवसर दे चुकी है। आने वाले पांच वर्षों में यह आंकड़ा बढ़ाकर एक करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, ताकि "न्याय के साथ विकास" का लक्ष्य हासिल किया जा सके। राज्यपाल ने बताया कि कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस बल की संख्या बढ़ाकर 1.21 लाख कर दी गई है, जबकि राज्य में पुलिस थानों की संख्या 10,380 तक पहुंच चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में महिला पुलिसकर्मियों का प्रतिशत देश में सबसे अधिक है। महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि ने कहा कि राज्य में 'जीविका' स्वयं सहायता समूहों से 1.40 करोड़ महिलाएं जुड़ी हुई हैं। उन्होंने हाल ही में शुरू की गई मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का जिक्र करते हुए बताया कि महिलाओं को स्वरोजगार के लिए 10 हजार करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। योजना का सही उपयोग करने वाली महिलाओं को दो लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता भी दी जाएगी। राज्यपाल ने किसानों की आय में हुई वृद्धि, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राज्य भर में नए स्कूल, कॉलेज और अस्पताल स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे आम लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। बता दें कि एक करोड़ रोजगार का वादा एनडीए ने 2025 के विधानसभा चुनावों के दौरान अपने चुनावी घोषणा पत्र में किया था, जिसके बाद गठबंधन ने भारी बहुमत से जीत हासिल की थी।

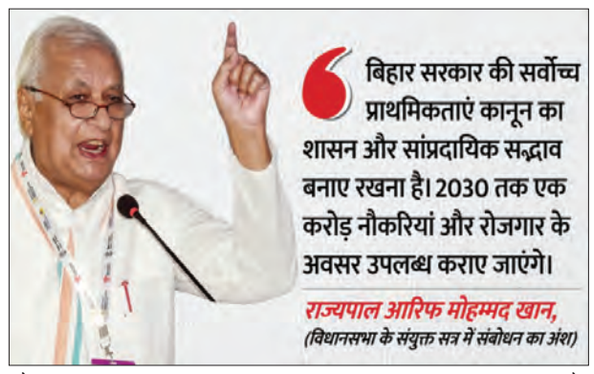

'राहुल गांधी जहां जाते हैं, कांग्रेस को डुबो देते हैं'

पूर्णिया, 2 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार सरकार के सहकारिता तथा वन एवं पर्यावरण मंत्री प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने पूर्णिया के प्रेस क्लब भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में केंद्रीय बजट 2026 को ऐतिहासिक और बिहार हितैषी करार दिया। उन्होंने बजट के विकासवादी पहलुओं पर चर्चा करने के साथ-साथ विपक्षी दल कांग्रेस और राहुल गांधी पर कड़ा हमला बोला। उन्होंने इस बजट को देश और विशेष रूप से बिहार के हितों के अनुकूल बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने समाज के हर वर्ग चाहे वे किसान हों, मजदूर हों, युवा हों या महिलाएं सभी के उत्थान के लिए बजट में प्रावधान किए हैं।

बंद पड़े भट्ठे से अवैध तमंचा फैक्टरी पकड़ी

पांच अभियुक्त गिरफ्तार, अलीगढ़-आगरा से खरीदते थे माल

अलीगढ़, 2 फरवरी (एजेंसियां)। अलीगढ़ की थाना गोरई पुलिस व क्रिमिनल इंटेलीजेंस विंग देहात की टीम ने बेसवां रोड पर बंद पड़े भट्ठे के अंदर चलती हुई अवैध तमंचा फैक्टरी पकड़ी है। वहां से पांच अभियुक्त गिरफ्तार किए हैं। अभियुक्तों से भारी संख्या में अवैध निर्मित व अर्द्धनिर्मित शस्त्र, शस्त्र बनाने की सामग्री तथा उपकरण बरामद हुए हैं।

एसपी ग्रामीण अमृत जैन ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पांच शातिर अभियुक्तों को बेसवां रोड पर बंद पड़े भट्ठे से अवैध तमंचा फैक्टरी चलाते हुए पकड़ा है। आर्म्स एक्ट (शस्त्र फैक्टरी) में मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि तमंचे बनाने का रॉ मैटेरियल अलीगढ़ में मदारगेट से तथा तमंचे के लिए नाल छीपी टोला आगरा से खरीदते हैं। एक तमंचा बनाने की लागत 1000 से 1500 रुपये आती है, जिससे छः से सात हजार में बेचते हैं। ऑर्डर के अनुसार तमंचे तैयार करते हैं। तमंचे बनाने के लिए अपनी जगह बदलते रहते हैं, जिससे किसी को शक न हो। सुनसान जगहों को इस काम के लिए चुना जाता है, जिससे लोगों का आवागमन कम हो। सभी पार्टनरशिप में फैक्टरी चला रहे थे। जो माल बिकता है, उसको सब बांट लेते हैं।

नीट छात्रा की मौत पर आक्रोश

संसद के बाहर आरजेडी सांसदों ने किया प्रदर्शन, विधानसभा में विधायकों का दिखा गुस्सा

पटना, 2 फरवरी (एजेंसियां)। नीट छात्रा मर्डर केस मामला सड़क से लेकर संसद तक पहुंच चुका है। सोमवार को लोकसभा और विधानसभा में राष्ट्रीय जनता दल के सांसद और विधायकों ने इस मामले को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार पर जमकर हमला बोला। लोकसभा के बाहर राजद सांसदों ने हाथ में बैनर और पोस्टर लेकर प्रदर्शन करते दिखे। सांसद का कहना है कि पीएम मोदी और सीए नीतीश कुमार की जोड़ी वाली सरकार जनता को ठग रही है। बिहार में बेटियां सुरक्षित नहीं है। बेटियों के दरिंदों से चंदा लिया जा रहा है। नीट छात्रा मर्डर केस में अब तक खुलासा नहीं हो पाया। सरकार ने खुद को बचाने के लिए इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है। सांसद मीसा भारती ने कहा कि हमलोगों ने नीट की छात्रा को न्याय दिलाने की मांग की है। बिहार की जनता के साथ यह सरकार गलत कर रही है। महिलाओं की इतनी घृणा क्यों हैं इन्हें?

'स्वदेशी' राफेल, एयर डिफेंस सिस्टम और लॉन्ग रेंज रॉकेट देशी कंपनियों को 1.39 लाख करोड़ रुपये का ठेका!

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2026-27 के आम बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए सरकार ने खजाना खोल दिया है। यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद का पहला बजट है, लिहाजा इसका असर स्पष्ट रूप से नजर आ रहा है। जहां तक सरकार एक तरफ सशस्त्र सेना को हर संभव अत्याधुनिक हथियारों से लैस करने पर जोर दे रही है, वहीं आत्मनिर्भरता को सभी तरह से बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है। यह इसी से पता चलता है कि बजट में सशस्त्र सेनाओं के लिए जो 2.19 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का प्रस्ताव है, उनमें से 1.39 लाख करोड़ रुपये सिर्फ देशी रक्षा कंपनियों से खरीदे जाने वाले हथियारों और अन्य सैन्य उपकरणों के लिए रखे गए हैं।

देशी कंपनियों के लिए 1.39 करोड़ रुपये

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साल 2026-27 के बजट में रक्षा मंत्रालय के लिए कुल आवंटन 7.85 लाख करोड़ रुपये रखा है, जो कि चालू वित्त वर्ष से 15.19% ज्यादा है। इस तरह से रक्षा बजट केंद्र सरकार के कुल खर्च का 14.67% होने वाला है, जो कि देश की जीडीपी का करीब 2% है। इनमें से पूंजीगत व्यय के लिए 2.19 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है, जो चालू वित्त वर्ष के 1.80 लाख करोड़ से 39 हजार करोड़ रुपये अधिक है। इस तरह से पूंजीगत व्यय में 21.8% की बढ़ोतरी होने वाली है। इस 2.19 लाख करोड़ रुपये में से 1.39 करोड़ रुपये देशी कंपनियों से रक्षा खरीदारी के लिए रिजर्व रख दिया गया है।

देश में ही होगा राफेल फाइटर जेट का निर्माण

केंद्र सरकार ने रक्षा खरीदारी के लिए जो भी रकम तय की है, उनमें से सबसे ज्यादा बढ़ोतरी फाइटर जेट और जेट इंजनों की खरीद के लिए तय की गई है। गौर करने वाली बात ये है कि बजट में यह बदलाव अगले वित्त वर्ष में अतिरिक्त राफेल फाइट जेट खरीदने की योजना के साथ ही की गई है। फ्रांस की कंपनी के ये विमान भारत में ही बनाए जाएंगे और इनकी कीमत 30,000 करोड़ रुपये से ज्यादा होगी। पहली किस्त अगले ही वित्त वर्ष में जाने की संभावना है। रक्षा खरीदारी बढ़ाने पर सरकार का पूरा जोर मोदी सरकार ने सशस्त्र सेनाओं के लिए पूंजीगत व्यय में जो अप्रत्याशित बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा है, वह मौजूदा जियोपॉलिटिक्स और वैश्विक ट्रेंड के अनुसार है। क्योंकि, इस समय दुनिया के ज्यादातर देश रक्षा खरीद के लिए ज्यादा से ज्यादा पैसे लगा रहे हैं। दरअसल, आने वाले दिनों में भारत सिर्फ फाइटर जेट ही नहीं खरीदने जा रहा है, नई पीढ़ी की पनडुब्बियां, लंबी दूरी के रॉकेट सिस्टम, मॉडर्न एयर डिफेंस वेपन के अलावा कई तरह के ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशन की भी खरीद होनी है। इनके अलावा स्मार्ट और घातक हथियार, जंगी जहाज, स्पेशलिस्ट व्हीकल आदि की खरीदारी भी पाइपलाइन में है।

बजट में डिफेंस के लिए और भी बहुत-कुछ यही नहीं, रक्षा मंत्रालय से जुड़े विमानों के मेंटेनेंस के लिए जो भी कल-पुर्जे आयात किए जाएंगे, वित्त मंत्री ने उसपर भी कस्टम ड्यूटी को पूरी तरह से खत्म कर दिया है। इसके अलावा अग्निपथ स्कीम के लिए भी बजट में काफी बढ़ोतरी की गई है और आने वाले वित्त वर्ष में इसमें काफी सारी भर्तियों की योजना है।

बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा को मिला ग्रैमी अवॉर्ड

> दुनिया भर में बना चर्चा का विषय

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा ने अपने प्रेरणादायक और अर्थपूर्ण जीवन में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जोड़ ली है। 90 साल की उम्र में उन्होंने वह कर दिखाया है, जो शायद ही किसी ने सोचा हो। 68वें ग्रैमी अवॉर्ड्स में दलाई लामा ने अपना पहला ग्रैमी जीतकर फिर सुर्खियों में आ गए हैं। यह सम्मान उन्हें उनके खास ऑडियो प्रोजेक्ट 'मेडिटेशनः द रिफ्लेक्शन्स ऑफ हिज होलीनेस द दलाई लामा' के लिए मिला है। इस उपलब्धि के बाद दलाई लामा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा, मैं यह सम्मान कृतज्ञता और विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं। मैं इसे व्यक्तिगत चीज के तौर पर नहीं देखता, बल्कि इसे हमारी साझा सार्वभौमिक जिम्मेदारी की पहचान मानता हूं। मेरा सच में मानना है कि शांति, करुणा, हमारे पर्यावरण की देखभाल, और मानवता की एकता की समझ सभी आठ अरब इंसानों की सामूहिक भलाई के लिए जरूरी हैं। मैं आभारी हूं कि यह ग्रैमी सम्मान इन संदेशों को और ज्यादा लोगों तक फैलाने में मदद कर सकता है।

दलाई लामा को यह ग्रैमी बेस्ट ऑडियोबुक, नरेशन और स्टोरीटेलिंग रिकॉर्डिंग कैटेगरी में मिला। इस अवॉर्ड की घोषणा ग्रैमी के प्री-टेलीकास्ट समारोह में की गई थी, जिसे यूट्यूब पर लाइव भी दिखाया गया। खास बात यह रही कि यह पहला मौका था जब किसी विश्व-प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु को इस श्रेणी में ग्रैमी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। दलाई लामा खुद समारोह में मौजूद नहीं थे, इसलिए उनकी ओर से यह अवॉर्ड मशहूर सिंगर और सॉन्गराइटर रूफस वेनराइट ने स्वीकार किया, जो इस प्रोजेक्ट का हिस्सा भी रहे हैं। अगर इस ऑडियो प्रोजेक्ट की बात करें, तो यह सिर्फ एक एल्बम नहीं है, बल्कि एक अनुभव है। इसमें बोले गए मेडिटेशन, दलाई लामा की शिक्षाएं और संगीत का बेहद सुंदर मेल देखने को मिलता है। इस एल्बम का संगीत हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत से प्रेरित है, जो सुनने वाले को शांति, आत्मचिंतन और मानसिक संतुलन की अनुभूति कराता है।

ठाणे-कल्याण-डोंबिवली-उल्हासनगर में मेयर पद पर शिवसेना का दावा, महिला प्रत्याशी नामित

मुंबई, 2 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने ठाणे, कल्याण-डोंबिवली और उल्हासनगर नगर निगमों में मेयर पद के लिए महिला उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। इन पदों पर कोई आरक्षण नहीं है, फिर भी पार्टी ने महिलाओं पर भरोसा जताया है। एकनाथ शिंदे ने सोमवार को इसकी जानकारी दी।

इन महिला नेताओं को मिलेगी कमान

एकनाथ शिंदे के कार्यालय से जारी एक बयान में बताया गया कि ठाणे नगर निगम में शर्मिला पिंपोलकर-गायकवाड को मेयर पद के लिए नामित किया जाएगा। वहीं, कल्याण-डोंबिवली नगर निगम में हर्षाली थाविल चौधरी और उल्हासनगर नगर निगम में अश्विनी निकम को यह जिम्मेदारी दी जाएगी। यह इन नगर निगमों के इतिहास में पहली बार होगा जब बिना आरक्षण के कोई महिला मेयर का पद संभालेगी। पार्टी ने कहा कि यह फैसला सोच-समझकर लिया गया है, ताकि अनिवार्य कोटे से आगे बढ़कर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा सके। बयान में कहा गया, महिलाओं को आरक्षण का इंतजार किए बिना उनकी क्षमता और नेतृत्व के आधार पर अवसर मिलने चाहिए। शिवसेना ने यह भी कहा कि जब इन पदों पर किसी तरह का आरक्षण नहीं था, तो पुरुष मेयर चुने जाने की अटकलें थीं, लेकिन पार्टी ने अपनी बहनों पर भरोसा जताया है। बयान के अनुसार, कल्याण से शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने इस बात की वकालत की थी कि सक्षम महिला पार्षदों को शीर्ष नागरिक पद के लिए मौका दिया जाना चाहिए।

शब-ए-बारात पर पटाखों को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट सख्त

रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक इस्तेमाल पर प्रतिबंध

कोलकाता, 2 फरवरी (एजेंसियां)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने शब-ए-बारात के मौके पर अवैध और खतरनाक पटाखों के इस्तेमाल पर सख्त निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) और पुलिस को आदेश दिया है कि त्योहार के दौरान ऐसे किसी भी पटाखे को फोड़ने की इजाजत न दी जाए जो पर्यावरण के लिए नुकसानदेह हों या कानूनन प्रतिबंधित हों। हाई कोर्ट ने साफ कहा है कि रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक पटाखे फोड़ने पर पूरी तरह रोक रहेगी।

तीर से रावण की आंख फूटी, राम पर एससी-एसटी केस

सोनभद्र की रामलीला में निशाना चूका; मदद मांगने पर पिटाई की

सोनभद्र, 2 फरवरी (एजेंसियां)। राम और रावण के बीच भयंकर युद्ध हुआ। राम ने धनुष से रावण पर निशाना साधा और तीर मारी। तीर रावण के आंख में जा लगी। इससे उसकी आंख फूट गई। अब रावण ने राम पर एससी/एसटी का मुकदमा दर्ज करा दिया है।

हैरान करने वाला यह मामला सोनभद्र का है। घटना के बाद राम बने कलाकार और रामलीला आयोजकों ने रावण का किरदार निभा रहे कलाकार का इलाज नहीं कराया। आरोप है कि जब उन्होंने इलाज की मदद मांगी तो उनके साथ मारपीट की गई। जान से मारने की धमकी भी दी गई। इलाज नहीं मिलने से आंखों की रोशनी चली गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला शाहगंज थाना क्षेत्र के खैरा गांव का है। घटना 13 नवंबर 2025 की है। शाहगंज थाना क्षेत्र के खैरा गांव में रामलीला मंचन हो रहा था। राम की भूमिका में नैतिक पांडेय और सुनील कुमार रावण का किरदार निभा रहे थे। दृश्य- राम-रावण के बीच युद्ध का था। नैतिक पांडेय को रावण का मुकुट गिराना था। उन्होंने धनुष से तीर चलाया, लेकिन निशाना चूक गया और रावण बने सुनील कुमार की बाईं आंख में तीर जा लगा। घटना के बाद घायल सुनील कुमार को इलाज के लिए वाराणसी रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी आंख की रोशनी चली गई।

दो महीने बाद दर्ज हुआ मुकदमा

पीड़ित के मुताबिक, तीर लगने के बाद उसकी आंख से पानी और खून निकलने लगा। आरोप है कि इलाज के लिए उसने आयोजक और राम का किरदार निभा रहे व्यक्ति से सहायता मांगी। लेकिन सभी ने मदद से इनकार कर दिया। इलाज के लिए आर्थिक मदद मांगने पीड़ित उनके पास भी गया तो उन्होंने गाली और जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया।

रामलीला मंचन में नहीं ले पाएंगे भाग

पीड़ित सुनील कुमार का कहना है कि डॉक्टरों की सलाह और इलाज के चलते वे तुरंत थाने नहीं जा सके। दिसंबर के पहले हफ्ते में ही तहरीर दी गई थी। लेकिन प्रशासनिक प्रक्रिया के कारण मुकदमा दर्ज होने में देरी हुई। उन्हें 28 जनवरी को पता चला कि उनकी शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

पीड़ित ने बताया-फिलहाल उनकी एक आंख की रोशनी पूरी तरह चली गई है। जबकि दूसरी आंख से भी ठीक से दिखाई नहीं देता। डॉक्टरों ने बाहर निकलने और गतिविधियों से मना किया है। उन्होंने कहा कि अब वे रामलीला जैसे मंचन में भाग नहीं ले पाएंगे।

पुणे के पोर्श हादसा मामले में बड़ा फैसला

तीन आरोपियों को जमानत मिली; 2024 में हुई थी दो मौतें

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 2024 के चर्चित पुणे पोर्श कार हादसा मामले में तीन आरोपियों को जमानत दे दी है। इस हादसे में दो आईटी पेशेवरों की मौत हो गई थी। कोर्ट ने इस दौरान अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में माता-पिता की जिम्मेदारी भी तय होती है, क्योंकि वे अपने नाबालिग बच्चों पर सही नियंत्रण नहीं रख पा रहे हैं।

जज ने परिजनों को लेकर की सख्त टिप्पणी

मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा, 'नशे की समस्या अलग बात है, लेकिन बच्चों को कार की चाबियां और खुला पैसा देना ताकि वे ऐश कर सकें, यह बिल्कुल अस्वीकार्य है।' अमर संतोष गायकवाड़ः आरोप है कि उसने तीन लाख रुपये देकर एक डॉक्टर के सहायक के जरिए नाबालिग आरोपी का ब्लड सैंपल बदलवाया। आदित्य अविनाश सूद और आशीष सतीश मित्तलः इनके खून के सैंपल जांच में इस्तेमाल किए गए थे, जबकि वे कार में मौजूद दो नाबालिगों से जुड़े बताए गए।

बॉम्बे हाई कोर्ट से खारिज हुई थी आरोपियों की याचिका

इससे पहले दिसंबर 2024 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने अमर गायकवाड़ समेत आठ आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से जवाब मांगा था और अब तीनों को जमानत दे दी गई है। इस मामले में ब्लड सैंपल बदलने के मामले में कुल 10 लोगों को जेल भेजा गया था, जिनमें नाबालिग के माता-पिता विशाल अग्रवाल और शिवानी अग्रवाल, डॉक्टर अजय तावरे और श्रीहरी हालनोर, ससून अस्पताल का कर्मचारी अतुल घाटकांबले, और दो बिचौलिए शामिल हैं।

पुणे पोर्श हादसा और नाबालिग पर विवाद

पुणे शहर में 18-19 मई 2024 की दरम्यानी रात को करीब तीन करोड़ रुपये की पोर्श कार को तेज गति से दौड़ाने के चक्कर में 17 साल के लड़के ने एक बाइक को टक्कर मार दी थी। गाड़ी की टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक अपना संतुलन खोकर काफी दूर तक सड़क पर घिसटते चली गई, जिससे उस पर सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस घटना के 14 घंटे बाद आरोपी नाबालिग को कोर्ट से कुछ शर्तों के साथ जमानत मिल गई थी। कोर्ट ने उसे 15 दिनों तक ट्रैफिक पुलिस के साथ काम करने और सड़क दुर्घटनाओं के प्रभाव-समाधान पर 300 शब्दों का निबंध लिखने का निर्देश दिया था।

शातिर गिरोह का भंडाफोड़ : वीडियो रिकॉर्ड कर एआई की मदद से करते हेरफेर, फिर ब्लैकमेल कर वसूलते रकम-अबतक 10 पकड़े

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। ट्रैफिक पुलिसकर्मियों और दूसरे सरकारी अधिकारियों का वीडियो रिकॉर्ड कर ब्लैकमेल करने वाले अलग-अलग गिरोह के दो और बदमाशों को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान आमिर चौधरी उर्फ सिकंदर और संजय गुप्ता के रूप में हुई है। वसूली की दो अलग-अलग एफआईआर में इनकी गिरफ्तारी हुई है।

आमिर चौधरी गैंग लीडर जीशान अली के गिरोह का सदस्य है, जबकि संजय गुप्ता राजकुमार उर्फ राजू मीना गैंग का सदस्य है। दोनों मामलों में पुलिस अब तक कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। बाकी बदमाशों की तलाश की जा रही है। अपराध शाखा की टीम पकड़े गए दोनों आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव ने बताया कि बदमाशों का सिंडिकेट दो अलग-अलग गिरोहों के रूप में सक्रिय था। एक गिरोह जीशान अली और दूसरा राजकुमार उर्फ राजू मीना चला रहा था। इनके गिरोह ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का चालान काटने या कागजात जांच करने के दौरान चुपचाप वीडियो बना लेता था। बाद में इन वीडियो में एआई की मदद से हेराफेरी कर विभागीय जांच, निलंबन, विजिलेंस कार्रवाई या झूठे आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकी देकर डराते थे। बदले में मोटी रकम वसूली जाती थी। सिंडिकेट फर्जी 'नो-एंट्री' स्टीकर बेचकर पहले वाहनों के चालकों से नियम तुड़वाते थे। बाद में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का वीडियो बनाकर उसके जरिए ब्लैकमेल कर लाखों रुपये ऐंठे जाते थे। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर मामले में मकोका और गैंगस्टर एक्ट की धाराएं जोड़ी गईं। इसमें 29 अप्रैल और 8 दिसंबर को दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गईं। छानबीन के बाद पुलिस ने जीशान अली व उसके गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया।

भारत सरकार की बड़ी चेतावनी

हैकर्स के निशाने पर हैं करोड़ों यूजर्स, फ़ायरफ़ॉक्स ब्राउजर चलाने वाले रहे सतर्क

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। अगर आप मोज़िला ब्राउजर का इस्तेमाल करते हैं, तो आप भी हैकर्स के निशाने पर हो सकते हैं। ऐसा कहना है सरकार की साइबर सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-आईएन का। दरअसल सीईआरटी-आईएन ने आप मोज़िला फ़ायरफ़ॉक्स ब्राउजर के कुछ आउटडेटेड वर्जन को यूजर्स की प्राइवेसी और सिक्योरिटी के लिए खतरा बताया है। चलिए डिटेल में जानते हैं कि कैसे मोज़िला फ़ायरफ़ॉक्स चलाने वाले खुद को सुरक्षित रख सकते हैं।

क्या आप भी इंटरनेट चलाने के लिए मोज़िला फ़ायरफ़ॉक्स ब्राउजर का इस्तेमाल करते हैं? अगर हां, तो सरकार की साइबर सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-आईएन ने आप जैसे तमाम यूजर्स के लिए हाई सिक्योरिटी अलर्ट जारी किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार मोज़िला फ़ायरफ़ॉक्स ब्राउजर के कुछ वर्जन में ऐसी गंभीर खामियां पाई गई हैं, जिनका फायदा उठाकर हैकर्स आपके कंप्यूटर्स या फोन में सेंध लगा सकते हैं। कुछ समय पहले इस सरकारी संस्था की ओर से एंड्रॉइड और ऐपल यूजर्स को भी चेतावनी जारी की गई थी। अब आपकी प्राइवेसी और डेटा की सुरक्षा के लिए सरकार ने तुरंत कुछ कदम उठाने की सलाह जारी की है।

मोज़िला फ़ायरफ़ॉक्स ब्राउजर चलाने वालों को क्या है खतरा?

सीईआरटी-आईएन के मुताबिक, मोज़िला के प्रोडक्ट्स में मल्टीपल वल्नरेबिलिटी यानी कि कई सुरक्षा कमियां देखी गई हैं। इन कमियों का फायदा उठाकर हैकर्स आपके सिस्टम को दूस बैठे भी एक्सेस कर सकते हैं। इसके लिए मोज़िला फ़ायरफ़ॉक्स के यूजर्स को हैकर्स खास तरह की वेब रिक्वेस्ट या लिंक भेज सकते हैं। इस पर क्लिक करते ही यूजर का सारा डेटा चोरी हो सकता है। चिंता की बात है कि ऐसा ही खतरा ईमेल क्लाइंट थंडरबर्ड पर भी मंडरा रहा है, जहां हैकर्स एनक्रिप्टेड ईमेल से भी डिटेल्स निकाल सकते हैं। ऐसे में अगर आपने अपना ब्राउजर अपडेट नहीं किया है, तो आपकी बैंकिंग डिटेल्स और पासवर्ड खतरे में पड़ सकते हैं।

कौन से वर्जन हैं खतरे में?

रिपोर्ट्स के मुताबिक,(आरईएफ.) सरकार ने साफ किया है कि सबसे ज्यादा खतरा उन यूजर्स को है जो मोज़िला फ़ायरफ़ॉक्स या थंडरबर्ड के पुराने वर्जन इस्तेमाल कर रहे हैं। अगर आपके किसी भी डिवाइस में मोज़िला फ़ायरफ़ॉक्स के 147.0.2 से पुराना कोई भी वर्जन मौजूद है, तो उसे तुरंत अपडेट करें। ऐसा न करने पर आप हैकर्स को अपना डेटा चोरी करने का खुला न्यौता दे रहे होंगे।

इसी तरह, मोंजिल्ला ठंडरबर्ड वर्जन 140.7.1 और 147.0.1 से पुराने वर्जन चलाने वाले यूजर्स को भी तुरंत अलर्ट होने की जरूरत है। सरकार ने इन सभी वर्जन को हाई रिस्क कैटेगरी में रखा है। बता दें कि हैकर्स एंटी-ट्रैकिंग और लेआउट स्क्रॉलिंग जैसे कंपोनेंट्स की खामियों का फायदा उठाकर आपके सिस्टम को क्रैश भी कर सकते हैं।

सरकार ने बताया ऐसे रखें खुद को सुरक्षित

सरकार की मानें, तो खुद को किसी भी तरह की हैकिंग के खतरे से सुरक्षित रखने के लिए अपने ब्राउजर को तुरंत अपडेट करें। मोजिला की ओर से तमाम कंमियों को ठीक करते हुए पहले ही अपडेट जारी किया जा चुका है। इस अपडेट को न इंस्टॉल करने वाले अपनी सुरक्षा को दांव पर लगा रहे हैं। ब्राउजर को अपडेट करने के लिए आप अपने फोन के प्ले या ऐप स्टोर पर जाकर ब्राउजर को अपडेट कर सकते हैं। वहीं पीसी पर मोज़िला फ़ायरफ़ॉक्स इस्तेमाल करने वाले यूजर्स को ब्राउजर सेटिंग्स में जाकर एबॉट फायरफॉक्स पर क्लिक करना होगा और उसे लेटेस्ट वर्जन पर अपडेट करने के ऑप्शन पर क्लिक करें। इसके अलावा सीईआरटी-आईएन ने साफ सलाह दी है कि लोग किसी भी अनजान सोर्स से आने वाले लिंक पर भूलकर भी क्लिक न करें और न ही किसी थर्ड-पार्टी सोर्स से कोई ऐप इंस्टॉल करें।

करदाताओं को बड़ी राहत-टैक्स के खौफ से आजादी, गलती पर जेल नहीं जुर्माना

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। भारत का टैक्स सिस्टम अब डराने वाला नहीं, बल्कि भरोसे का जरिया बनेगा। मांग पुरानी थी, लेकिन अर्थ जगत में वैश्विक स्तर पर असमंजस और अविश्वास के माहौल में मोदी सरकार ने अब टैक्स देने वालों का भरोसा जीतने का बड़ा दांव खेला है।

सरकार ने टैक्स टेररिज्म की जड़ों पर प्रहार करते हुए जन-विश्वास 2.0 को जमीन पर उतारने का ताकतवर प्रयास किया है। बजट का सबसे बड़ा संदेश यही है कि हर करदाता अपराधी नहीं है और हर तकनीकी चूक टैक्स चोरी नहीं होती। दशकों से विडंबना रही है कि टीडीएस जमा करने में मामूली देरी या कागजी दस्तावेज की छोटी सी गलती भी कारोबारियों को कचहरी और जेल के दरवाजे तक ले जाती थी। बजट-2026 इसी मानसिकता को बदल रहा है। नीति आयोग की सिफारिशों को अमली जामा पहनाते हुए सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि अनजाने में हुई गलतियों को अब आपराधिक नहीं माना जाएगा, बल्कि केवल नागरिक दंड तक सीमित रखा जाएगा।

भारी पड़ रही मुकदमेबाजी

सरकार की कवायद इसलिए भी जरूरी थी, क्योंकि टैक्स विवादों के चलते देश की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा अदालतों की फाइलों में कैद है। इतना ही नहीं, करीब 16.75 लाख करोड़ रुपये की विशाल राशि विवादों में फंसी है। यह वह पैसा है, जो उद्योगों और स्टार्टअप्स की धड़कन बन सकता था, पर कारोबारी अदालतों के चक्कर काटने में परेशान हैं। अदालतों और ट्रिब्यूनलों में आयकर अपील के 5.4 लाख मामले लंबित हैं, जबकि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में 40 हजार से अधिक मामले न्याय की राह देख रहे हैं।

भारत के ब्रह्मास्त्र से पाकिस्तान से लेकर बांग्लादेश तक हड़कंप

घबराई शहबाज शरीफ और मोहम्मद यूनुस सरकार

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से पाकिस्तान और बांग्लादेश में खलबली मची हुई है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने यूरोपीय संघ से जल्द फ्री ट्रेड डील करने का अनुरोध किया है। उन्होंने राजधानी ढाका में बांग्लादेश में यूरोपियन यूनियन के राजदूत माइकल मिलर और बांग्लादेश में यूरोपियन चैंबर ऑफ कॉमर्स की चेयरपर्सन नूरिया लोपेज से ढाका में मुलाकात की है। वहीं, पाकिस्तान के कारोबारी एक्सपर्ट्स ने शहबाज सरकार को यूरोप से जल्द समझौता नहीं होने पर टेक्सटाइल इंडस्ट्री में भूचाल आने की चेतावनी दी है।

ईयू-इंडिया फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से 2029 के बाद यूरोपीय बाजारों में पाकिस्तान और बांग्लादेश को मिलने वाली बढ़त खत्म हो जाएगी, जो दोनों देशों के लिए सबसे बड़ा बाजार है। ये ट्रेड डील, दोनों देशों की टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए घातक साबित हो सकती है। पाकिस्तान के मुख्य

अखबार डॉन ने पाकिस्तानी ट्रेडिंग एसोसिएशन के एक पदाधिकारी के हवाले से लिखा है कि भारत ने अब एक आर्थिक मोर्चा खोल दिया है।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के निर्यातकों को दशकों से यूरोपीय बाजार में टैरिफ डिस्काउंट दिया गया है। यूरोपीय बाजार में पाकिस्तान को जनरलाइज्ड स्कीम ऑफ़ प्रेफ़रेंस हासिल है, जबकि बांग्लादेश को एवरीथिंग बट आर्म्स का जबरदस्त फायदा मिला है। बांग्लादेश के कपड़े यूरोप में शून्य प्रतिशत टैरिफ पर बिकते हैं, जबकि पाकिस्तान को न्यूनतम शुल्क चुकाना पड़ता है। दोनों देशों को यूरोपीय बाजार में भारी भरकम कोटा और ड्यूटी-फ्री एक्सेस मिला, खासकर टेक्सटाइल एक्सपोर्ट के लिए, जो उनकी विदेशी कमाई का एक बड़ा हिस्सा है। लेकिन अब भारतीय टेक्सटाइल को भी शून्य प्रतिशत की छूट हासिल होगी। यानि पाकिस्तान और बांग्लादेश को दशकों से जो फायदा मिला है, वो खत्म हो जाएगा।

यूरोपीय यूनियन ने 2004 में पाकिस्तान के लिए छूट के साथ दरवाजे खोले थे। फिर 2012 में पाकिस्तान और ईयू ने पांच सालों के लिए इस योजना का विस्तार किया था। फिर 2014 में यूरोपीय यूनियन ने पाकिस्तान को जीएसपी प्लस का दर्जा दे दिया। इसका फायदा ये हुआ कि पाकिस्तान के करीब 85 प्रतिशत सामानों को शून्य प्रतिशत टैरिफ के साथ यूरोप में बेचने की इजाजत मिल गई। इसका असर ये हुआ कि पाकिस्तान अपने कुल निर्यात का 20 प्रतिशत हिस्सा यूरोपीय बाजार में बेचता है। ईयू पाकिस्तान का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार है, जो 2024 में पाकिस्तान के कुल व्यापार का 12.4% है, जबकि पाकिस्तान वस्तुओं के मामले में ईयू का 48वां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था। ईयू और पाकिस्तान के बीच वस्तुओं में द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 12 बिलियन पाउंड था। इसी तरह बांग्लादेश को भी यूरोपीय बाजारों में फ्री एक्सेस हासिल रहा है।

ट्रेलर चालकों ने किया प्रदर्शन

वेतन-सुविधाओं की अनदेखी पर ब्लू स्कोप पार्किंग में विरोध हड़ताल की दी चेतावनी

जमशेदपुर, 2 फरवरी (एजेंसियां)। जमशेदपुर लोकल ट्रेलर ओनर यूनियन के बैनर तले सोमवार को ब्लू स्कोप पार्किंग परिसर में ट्रेलर चालकों और मालिकों ने जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में जुटे प्रदर्शनकारियों ने सरकार और संबंधित कंपनियों पर वेतन और सुविधाओं के निर्धारित मापदंडों का खुलेआम उल्लंघन करने का आरोप लगाया। यूनियन नेताओं ने कहा कि ट्रेलर चालकों के लिए जो न्यूनतम वेतन और सुविधाएं तय की गई हैं, उनका पालन नहीं किया जा रहा है। चालकों को न तो पूरा वेतन दिया जा रहा है और न ही उन्हें बुनियादी सुविधाएं मिल पा रही हैं, जिससे उनका शोषण हो रहा है। यूनियन का आरोप है कि ट्रेलर चालकों के वेतन से हर महीने मेडिकल सुविधा के नाम पर राशि की कटौती की जाती है, लेकिन इसके बदले उन्हें किसी प्रकार का इलाज या स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जाती।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को 10 साल की जेल

भ्रष्टाचार से जुड़े दो मामलों में मिली सजा

ढाका, 2 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश की एक अदालत ने देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भ्रष्टाचार से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में कुल 10 साल की जेल की सजा सुनाई है। ये मामले सरकार की एक आवासीय योजना में जमीन के आवंटन में गड़बड़ी से जुड़े हैं। ढाका की स्पेशल जज कोर्ट-चार के जज रबीउल आलम ने सोमवार को यह फैसला सुनाया। अदालत ने दोनों मामलों में शेख हसीना को पांच-पांच साल की सजा दी।

जमीन आवंटन में नियमों के उल्लंघन का आरोप

ये मामले राजधानी ढाका के पास पूर्बाचोल इलाके में चल रही राजुक न्यू टाउन परियोजना से जुड़े हैं। आरोप है कि वहां दो 10-काठा के प्लॉट गलत तरीके से आवंटित किए गए। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपियों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए नियमों को

तोड़ा और जमीन आवंटन की प्रक्रिया में हेरफेर की। यह परियोजना राजधानी विकास प्राधिकरण (राजधनी उन्नयन कर्तृपक्खा) यानी राजुक के तहत आती है।

इन मामलों में शेख हसीना के साथ उनके परिवार के कई सदस्यों को भी दोषी ठहराया गया है। इसमें तुलिप सिद्दीकी को कुल चार साल की जेल, रदवान मुजीब सिद्दीकी और अजमीना सिद्दीकी को सात-सात साल की जेल की सजा मिली है। वहीं राजुक के सदस्य मोहम्मद खुर्शीद आलम, जिन्होंने अदालत में आत्मसमर्पण किया था, को दो साल की सजा मिली है। सभी दोषियों पर एक लाख टका जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना न देने पर उन्हें छह महीने की अतिरिक्त जेल काटनी होगी।

शेख हसीना फिलहाल भारत में रह रही हैं। पिछले साल 5 अगस्त को बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद वे देश छोड़कर भारत आ गई थीं। इससे पहले अदालत उन्हें भगोड़ा भी घोषित कर चुकी है। ये दोनों मामले बांग्लादेश के भ्रष्टाचार विरोधी आयोग (एसीसी) ने दर्ज किए थे। आयोग का कहना है कि जमीन आवंटन में सत्ता का गलत इस्तेमाल किया गया और तय नियमों का उल्लंघन हुआ।

एपस्टीन जोक से अमेरिकी कॉमेडियन पर भड़के ट्रम्प

वाशिंगटन, 2 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कॉमेडियन ट्रेवर नोआ पर मुकदमा करने की धमकी दी है। यह धमकी ग्रैमी अवॉर्ड समारोह के दौरान जेफ्री एपस्टीन को लेकर किए गए एक मजाक के बाद दी गई।

ग्रैमी अवॉर्ड्स के होस्ट ट्रेवर नोआ ने मंच से मजाक करते हुए कहा कि यह उनका आखिरी साल हो सकता है।

उन्होंने 'सॉन्ग ऑफ द ईयर' अवॉर्ड का जिक्र करते हुए कहा कि यह वही अवॉर्ड है जिसे हर कलाकार चाहता है, ठीक वैसे ही जैसे ट्रम्प ग्रीनलैंड चाहते हैं।

इसके बाद उन्होंने कहा कि अब जबकि एपस्टीन का आइलैंड नहीं रहा, इसलिए ट्रम्प को बिल क्लिंटन के साथ घूमने के लिए नया आइलैंड ढूंढना होगा।

इससे ट्रम्प नाराज हो गए। उन्होंने कहा कि वह ट्रेवर नोआ पर मुकदमा करने के लिए अपने वकीलों को भेजेंगे। ट्रम्प ने नोआ को 'नाकाम' और 'बिना टैलेंट वाला' बताया और कहा कि वह उन पर बड़ा केस करेंगे।

उन्होंने कहा कि ट्रेवर नोआ ने उनके बारे में गलत बात कही है। नोआ ने झूठा कहा कि मैंने और बिल क्लिंटन ने एपस्टीन के आइलैंड पर टाइम बिताया था। मैं कभी एपस्टीन के आइलैंड पर नहीं गया और न ही उसके आसपास किसी जगह पर।

ट्रम्प ने कहा कि आज तक उन पर कभी यह आरोप नहीं लगा था, यहां तक कि मीडिया ने भी नहीं। उन्होंने ट्रेवर नोआ से कहा कि वह अपने फैक्ट को तुरंत ठीक करें।

किराए के मकान में सेक्स रैकेट, कस्टमर बनकर पहुंची पुलिस

रायगढ़, 2 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में केलो विहार कॉलोनी के किराए के मकान में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस खुद कस्टमर बनकर एजेंट के पास पहुंची और सेक्स वर्कर की डिमांड की। इस दौरान पता चला कि एजेंट दूसरे प्रदेश और जिले से लड़कियां बुलाकर उनसे देह व्यापार करा रहा था। पुलिस की रेड में मकान के अलग-अलग कमरे से 3 लड़कियां मिली। पकड़ी गईं लड़कियां ओड़िशा, बिलासपुर और लैलूंगा की हैं। एजेंट और एक कस्टमर को गिरफ्तार किया गया। यह मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है। दरअसल, पुलिस को मुखबिर से खबर मिली कि चक्रधर नगर थाना क्षेत्र के केलो विहार कॉलोनी के एक मकान में देह व्यापार चल रहा है।

भारत ने अफगानिस्तान को लेकर क्या किया कि खुश हो गया तालिबान

जमकर की जय-जयकार

काबुल, 2 फरवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार ने बजट 2026 में अफगानिस्तान के लिए मदद बढ़ाने का ऐलान किया है। इस पर अफगान तालिबान ने खुशी का इजहार किया है। तालिबान के वरिष्ठ नेता ने इसे दोनों देशों के बीच संबंधों के मजबूत होने का संकेत बताया है। 2026-27 के केंद्रीय बजट में भारत ने अफगानिस्तान के लिए अपनी डेवलपमेंट सहायता को 100 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 150 करोड़ रुपये कर दिया है। भारत के इस फैसले से चारों ओर से जमीन से घिरे और मुसीबतों का सामना कर रहे अफगानिस्तान को काफी मदद मिलने की उम्मीद है।

भारत ने अफगानिस्तान के लिए बजट बढ़ाया

भारत ने अफगानिस्तान को लेकर बजट में जो प्रावधान किया है, वह विदेश मंत्रालय के फंडिंग के

जरिए अफगानिस्तान को दिया जाएगा। यह रकम पिछले साल के बजट से 50 करोड़ रुपये ज्यादा है। भारत ने अफगानिस्तान को लेकर बजट में वृद्धि तब की है, जब तालिबान के साथ संबंधों में सुधार हो रहा है। भारत और तालिबान पिछले कुछ वर्षों में काफी नजदीक आए हैं। तालिबान ने भारत में अपने राजनयिक को भी नियुक्त किया है।

कतर में अफगानिस्तान के राजदूत और तालिबान के वरिष्ठ नेता सुहैल शाहीन ने भारत के अफगानिस्तान को लेकर बजट वृद्धि का स्वागत किया। उन्होंने बताया, मुझे लगता है कि अफगानिस्तान के लिए भारत द्वारा बजट आवंटन में बढ़ोतरी यह संकेत देता है कि दोनों देश अपने मौजूदा संबंधों को बढ़ाना चाहते हैं और सहयोग बढ़ाना चाहते हैं। शाहीन ने दोनों देशों के लोगों के बीच ऐतिहासिक संबंधों पर भी जोर दिया।

भारत से अफगानिस्तान में निवेश करने को कहा

शाहीन ने कहा, अफगानिस्तान और भारत इतिहास में हमेशा पारंपरिक दोस्त रहे हैं, चाहे वह सरकार-से-सरकार संबंध हों या लोगों-से-लोगों के संबंध। उन्होंने अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण के साथ आर्थिक संभावनाओं की ओर भी इशारा किया। शाहीन ने कहा, जैसा कि हम अफगानिस्तान को लगभग शुरू से बना रहे हैं, मुझे लगता है कि अफगानिस्तान में भारतीय निवेश और व्यापार के लिए बहुत अवसर हैं, जिनका पता लगाने और उनसे फायदा उठाने की जरूरत है।

ब्रिटिश प्रिंस ने एपस्टीन को अपनी बेटियों की तस्वीरें भेजी

बेटी ने पिता से रिश्ता तोड़ा, सर्वाइवर बोली- शाही महल में यौन संबंध के लिए मजबूर किया गया

लंदन, 2 फरवरी (एजेंसियां)। ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू ने 2008 में यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन को अपनी बेटियों की तस्वीरें भेजीं थी। यह खुलासा 2010 और 2011 के ईमेल्स से हुआ है, जिसे जस्टिस डिपार्टमेंट ने 30 जनवरी को जारी किया था।

प्रिंस एंड्रयू की तरफ से एपस्टीन को 20 दिसंबर 2012 को एक कार्ड भेजा गया। इसमें कुल 4 तस्वीरें थीं। दो तस्वीरों में प्रिंसेस बीट्रिस को फरवरी 2012 में मोंट ब्लांक पर चढ़ाई करते हुए दिखाया गया है, जबकि प्रिंसेस यूजिनी की साइकिल चलाते तस्वीर भेजी गई थी।

इस महीने की शुरुआत में प्रिंसेस यूजिनी ने अपने पिता एंड्रयू से सभी संपर्क तोड़ने का ऐलान किया था। यह तस्वीरें उस समय भेजी गईं, जब एंड्रयू दावा कर चुके थे कि उन्होंने एपस्टीन से सभी संबंध खत्म कर दिए हैं। ब्रिटिश अखबार 'द सन' के मुताबिक उस समय यूजिनी 21 साल की और बीट्रिस 23 साल की थीं। नए दस्तावेजों के मुताबिक, 21 दिसंबर 2011 को 'एचआरएच द ड्यूक ऑफ यॉर्क' ईमेल आईडी से एपस्टीन को एक क्रिसमस कार्ड भेजा गया था। इसमें दोनों बहनों की बर्फ में ली गई तस्वीर थी। कार्ड पर एंड्रयू के साइन थे।

एपस्टीन से जुड़े एक और मामले में गंभीर आरोप सामने आए हैं। एक महिला के वकील ने बताया कि एपस्टीन ने उसे प्रिंस एंड्रयू के साथ यौन संबंध बनाने के लिए ब्रिटेन भेजा था।

वकील के मुताबिक, यह कथित घटना साल 2010 की है। महिला और एंड्रयू की मुलाकात उनके निजी निवास रॉयल लॉज में हुई थी। महिला ब्रिटिश नागरिक नहीं थी और उस समय उसकी उम्र करीब 20 साल बताई

जा रही है। अमेरिका की कानूनी फर्म एडवर्ड हेंडरसन से जुड़े वकील ब्रैड एडवर्ड ने कहा कि एंड्रयू के साथ रात बिताने के बाद महिला को शाही पैलेस घुमाया गया और वहां चाय भी पिलाई गई। बीबीसी ने इस मामले पर एंड्रयू से प्रतिक्रिया मांगी है। आमतौर पर बकिंघम पैलेस आने वाले मेहमानों का रिकॉर्ड रखा जाता है, लेकिन महिला की पहचान सार्वजनिक न होने की वजह से बीबीसी उसके दौरे की पुष्टि नहीं कर सका।

ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने प्रिंस एंड्रयू से अमेरिकी संसद की कमिटी के सामने गवाही देने को कहा है। दरअसल, पिछले हफ्ते अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने कई तस्वीरें जारी कीं जिसमें एंड्रयू को आपत्तिजनक हालत में देखा गया था।

ईरान ने यूरोपीय संघ के राजदूतों को किया तलब

रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकी घोषित करने पर जताया विरोध

तेहरान, 2 फरवरी (एजेंसियां)। ईरान और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ गया है। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने तेहरान में मौजूद यूरोपीय संघ के राजदूतों को तलब किया है। ईरान ने यह कदम यूरोपीय संघ के उस फैसले के विरोध में उठाया है, जिसमें उसने ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठनों की सूची में शामिल कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने ईयू के इन फैसले पर अपनी कड़ी नाराजगी जाहिर की। ईरान का कहना है कि यूरोपीय संघ का यह फैसला पूरी तरह से गलत और उकसाने वाला है।

टकराव का खतरा बरकरार

यह तनाव ऐसे समय में बढ़ा है जब ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमले का खतरा मंडरा रहा है। अमेरिका ने अपने युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और कई मिसाइल नष्ट करने वाले जहाजों को मिडिल ईस्ट भेज दिया है। ईरान में प्रदर्शनकारियों पर हुई कड़ी कार्रवाई और फांसी की आशंकाओं के बीच अमेरिका ने यह सैन्य तैनाती की है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बल प्रयोग करेंगे या नहीं। इस बीच, क्षेत्र के अन्य देश युद्ध रोकने के लिए कूटनीति का सहारा ले रहे हैं।

यूरोपीय संघ ने पिछले हफ्ते रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकी सूची में डाला था। इसका मुख्य कारण जनवरी में हुए देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों को बेरहमी से कुचलना बताया गया। इन प्रदर्शनों में हजारों लोग मारे गए और हजारों को हिरासत में लिया गया।

अमेरिका और कनाडा पहले ही इस संगठन को आतंकी घोषित कर चुके हैं। हालांकि यह फैसला काफी हद तक प्रतीकात्मक है, लेकिन इससे ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा, क्योंकि वहां की अर्थव्यवस्था में इस गार्ड का बहुत बड़ा प्रभाव है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता क्या कहा?

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने बताया कि राजदूतों को बुलाने की प्रक्रिया रविवार से शुरू हो गई थी। उन्होंने कहा कि ईरान इस अवैध और गलत कदम का जवाब देने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रहा है। जल्द ही जवाबी कार्रवाई के बारे में फैसला लिया जाएगा। वहीं, ईरान की संसद के स्पीकर ने 2019 के एक कानून का हवाला देते हुए कहा, अब ईरान भी यूरोपीय संघ की सभी सेनाओं को आतंकवादी समूह मानेगा।

अमेरिकी ने दी चेतावनी

रिवोल्यूशनरी गार्ड ईरान की 1979 की इस्लामिक क्रांति से एक ऐसी ताकत के रूप में उभरा

था, जिसका मकसद शिया मौलवी-पर्यवेक्षित सरकार की रक्षा करना था।

बाद में इसे संविधान में शामिल किया गया। आज यह ईरान की नियमित सेना के बराबर शक्तिशाली है। इस बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में सैन्य अभ्यास भी शुरू किया है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के तेल व्यापार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अमेरिकी ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है कि वह व्यापारिक जहाजों या अमेरिकी युद्धपोतों के काम में बाधा न डाले।

इंस्टा रील बनाने पर पति से विवाद में फांसी लगाई

दुर्ग-भिलाई, 2 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में सोशल मीडिया पर रील बनाने को लेकर पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद पत्नी ने आत्महत्या कर ली। दंपती में आए दिन विवाद होता था, जिससे नाराज होकर पत्नी ने घर पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मामला छावनी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, महिला का नाम अंजली साव (35) है, जो भिलाई क्षेत्र की रहने वाली थी। अंजली इंस्टाग्राम पर एक्टिव रहती थी और रील बनाती थी। लेकिन यह उसके पति को पसंद नहीं था। ऐसे में दोनों में आए दिन झगड़ा होता था।

चीन की परमाणु मिसाइलों में फ्यूल की जगह पानी भरा था?

क्या जिनपिंग ने इस वजह से सेना में चलाया सफाई अभियान

बीजिंग, 2 फरवरी (एजेंसियां)। चीनी सेना के वरिष्ठ जनरलों की बर्खास्तगी की खबरें अब आम बात हो गई है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग लगातार शीर्ष सैन्य अधिकारियों को भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में नौकरी से हटा रहे हैं। लेकिन, हाल में जो खुलासा हुआ है, उसने दुनिया को हैरान कर दिया है। दरअसल, अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि पश्चिमी चीन में लॉन्च करने को तैयार खड़ी चीनी परमाणु मिसाइलों में ईंधन की जगह पानी भरा हुआ था। अगर मिसाइलों को फायर किया जाता तो वे उड़ान नहीं भर पातीं। इस कारण राष्ट्रपति शी ने चीनी रॉकेट फोर्स के प्रमुख जनरल झांग यूक्सिया को बर्खास्त कर दिया था।

जनरल झांग यूक्सिया चीन के शीर्ष सैन्य अधिकारी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के करीबी थे। चीन के केंद्रीय सैन्य आयोग में राष्ट्रपति जिनपिंग के बाद जनरल झांग यूक्सिया ही सबसे सीनियर थे। केंद्रीय सैन्य आयोग, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) का सर्वोच्च सैन्य नेतृत्व निकाय है। चीन की सेना से जुड़े सभी प्रमुख फैसले यहीं किए जाते हैं। यह आयोग पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए), पीपुल्स आर्म्ड पुलिस (पीएपी) और मिलिशिया ऑफ चाइना का नेतृत्व करता है। अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, जनरल झांग यूक्सिया को 19 जनवरी को चीन के न्यूक्लियर हथियारों का डेटा अमेरिका को लीक करने, प्रमोशन के लिए रिश्वत लेने और पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की युद्ध की तैयारी से समझौता करने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। चीनी सेना के मुखपत्र पीएलए डेली के एक लेख का हवाला देते हुए साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (एससीएमपी) ने रविवार को लिखा कि, हमें भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए कड़े और सख्त कदम उठाने होंगे जो युद्ध क्षमताओं के निर्माण को कमजोर करते हैं, और उन 'बड़े चूहों' की पूरी तरह से जांच करनी होगी और उन्हें जड़ से खत्म करना होगा जो सैन्य खर्च में हेरफेर करते हैं।

ब्लूमबर्ग की 2024 की रिपोर्ट में अमेरिकी खुफिया अधिकारियों के हवाला देते हुए बताया गया था, पश्चिमी चीन के शिनजियांग मिसाइल क्षेत्र में साइलो में ऐसे ढक्कन लगाए गए थे, जो मिसाइलों को प्रभावी ढंग से लॉन्च होने से रोकते थे। इसमें यह भी कहा गया, चीनी सेना में सफाई अभियान हथियारों और उपकरणों में गंभीर समस्याओं के कारण हुआ।

बलूचिस्तान हमला पाकिस्तानी सेना की नाकामी

अफगानिस्तान, 2 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने बलूचिस्तान के 12 शहरों में हुए भीषण हमलों के बाद अपनी नाकामी छिपाते हुए भारत और अफगानिस्तान पर आरोप लगाए हैं। भारत ने जहां पाकिस्तान के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है, वहीं अफगानिस्तान के तालिबान शासकों ने चुन चुनकर पाकिस्तान के झूठ की पोल खोली है। हुर्रियत रेडियो, जो अफगानिस्तान का सरकारी चैनल है, उसने अपनी वेबसाइट पर पाकिस्तान को झूठा और मक्कार करार दिया है। इसमें लिखा गया है कि वर्षों से पाकिस्तान की सेना ने घरेलू अस्थिरता से ध्यान भटकाने के लिए जानी पहचानी चाल का सहारा लिया है। जब जब पाकिस्तान में अंदरूनी दरारें गहरी होती हैं, वो आरोपों की मशीनरी को एक्टिव कर देता है और अफगानिस्तान हमेशा बलि का बकरा बनता है।

इसने पोल खोलते हुए लिखा है कि पाकिस्तान की यह रणनीति नाकामियों को छिपाने और राष्ट्रीय घेराबंदी की कहानी को मजबूत करने के लिए बनाई गई है, यह कोई राज चलाने की नीति नहीं बल्कि एक लंबे प्रोपेगेंडा अभियान का हिस्सा है। जबकि बलूच अलगाववादी नेता बशीर जेब की तस्वीरों ने साबित कर दिया है कि बलूचिस्तान के लोगों का विश्वास पाकिस्तान तेजी से खोता जा रहा है। तालिबान नियंत्रित रेडियो ने खास तौर पर बशीर जेब का नाम लिया है और पाकिस्तान की पोल खोली है। दरअसल, पाकिस्तान हमेशा से कहता आया है कि बशीर जेब, उत्तरी अफगानिस्तान में तालिबान के संरक्षण में रहता है। लेकिन बलूचिस्तान में हुए ताजा हमले में बशीर जेब को एक बाइक पर हमलावरों का नेतृत्व करते देखा गया है। जबकि पाकिस्तान उसे विदेशी देशों की तरफ से बनाया गया खतरा कहता रहा है। बशीर जेब के दिखने से साफ हो गया है कि वो बलूचिस्तान से ही अपने ऑपरेशन ऑपरेट कर रहा है। वही ऑपरेशन हेरोफ 2.0 को लीड कर रहा था। तालिबानी मीडिया ने कहा है कि बशीर जेब के दिखने से साफ हो गया है कि पाकिस्तान जो वर्षों से दावे करता आया है, वो झूठ और मनगढंत था।

जब अचानक अटकने लगे काम, करियर डगमगाए और मन रहे बेचैन तो राहु को साधने के उपाय

कभी-कभी जिंदगी बिल्कुल पटरी पर चल रही होती है और अचानक ऐसा लगता है जैसे किसी ने ब्रेक लगा दी हो। करियर में रुकावट, कारोबार में नुकसान, रिश्तों में तनाव और मन में अजीब-सा डर इन सबके पीछे कई लोग ज्योतिषीय कारण भी तलाशते हैं। खासतौर पर जब बिना किसी ठोस वजह के चीज़ें बिगड़ने लगें, तो राहु का नाम अपने-आप चर्चा में आ जाता है। राहु कोई साधारण ग्रह नहीं, बल्कि छाया ग्रह है, जिसका असर सीधा हमारे निर्णय, सोच और जोखिम लेने की क्षमता पर पड़ता है। शुभ हो तो वही राहु रातों-रात पहचान दिला देता है और अशुभ हो जाए तो बना-बनाया खेल बिगाड़ देता है। अगर आपको भी लग रहा है कि मेहनत के बावजूद नतीजे साथ नहीं दे रहे, तो शनिवार के दिन किए जाने वाले ये पारंपरिक सनातनी उपाय आपके लिए काम के साबित हो सकते हैं

ज्योतिष में राहु को भ्रम, महत्वाकांक्षा और अचानक होने वाली घटनाओं का कारक माना गया है। राजनीति, मीडिया, फिल्म, शेयर बाजार या टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में राहु मजबूत हो तो व्यक्ति भीड़ से अलग पहचान बना लेता है। ऐसे लोग जोखिम लेने से नहीं डरते और अक्सर चर्चा में रहते हैं। लेकिन जब राहु विपरीत फल देता है, तो वही जोखिम भारी पड़ने लगता है। नौकरी में अस्थिरता, बिज़नेस में घाटा, गलत फैसले और मानसिक तनाव ये सब राहु दोष के आम संकेत माने जाते हैं। कई बार व्यक्ति खुद समझ नहीं पाता कि आखिर गलती कहां हो रही है।

राहु और पारिवारिक संबंध

राहु का विशेष संबंध साले और ससुर से बताया गया है। अगर इन रिश्तों में लगातार तनाव या कटुता बनी रहती है, तो राहु का अशुभ प्रभाव और बढ़ सकता है। व्यावहारिक तौर पर देखें तो परिवार में संतुलन और सम्मान बनाए रखना मानसिक शांति के साथ-साथ ज्योतिषीय दृष्टि से भी लाभकारी माना जाता है।

राहु को शांत करने के मंत्र और साधना

राहु का प्रभावी मंत्र

राहु के दुष्प्रभाव से बचने के लिए योग्य पुजारी से राहु यंत्र की स्थापना कराना शुभ माना जाता है। इसके साथ नियमित मंत्र जाप जरूरी है।

प्रचलित मंत्र हैं:

-ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः

-ॐ रां राहवे नमः

ध्यान मंत्र का पाठ करते समय मन को स्थिर रखना बेहद जरूरी है। रोज़ थोड़े समय का नियमित अभ्यास भी असर दिखाने लगता है यही इसकी खास बात है।

राहु दोष में किस देवता की पूजा करें?

भैरव, शिव और हनुमान साधना

ज्योतिषाचार्य राहु से जुड़ी परेशानियों में भगवान भैरव की पूजा को बेहद असरदार मानते हैं। रविवार के दिन भैरव मंदिर में विधि-विधान से पूजा करने से करियर और कारोबार से जुड़ी बाधाएं कम होती हैं। अगर आसपास भैरव मंदिर न हो, तो भगवान शिव की आराधना भी राहु के उग्र प्रभाव को शांत करती है। वहीं, हनुमान साधना व्यक्ति को मानसिक बल देती है, जो राहु के भ्रम और डर को कम करने में मददगार मानी जाती है।

राहु महादशा में क्या करें?

अगर कुंडली में राहु की महादशा या अंतर्दशा चल रही हो, तो शनिवार का दिन खास माना जाता है। इस दिन बहते जल में कोयला, काला तिल या पानी वाला नारियल प्रवाहित करना एक प्रचलित उपाय है।

इसके अलावा शनिवार का व्रत रखना भी राहु से जुड़ी पीड़ा को कम करता है। ये उपाय कठिन नहीं हैं, लेकिन इनकी सबसे बड़ी ताकत है नियमितता और आस्था।

संत की दुखी व्यक्ति को सीख

हर प्रयास तुरंत परिणाम नहीं देता, सफलता के लिए मेहनत के साथ ही धैर्य भी जरूरी है

एक लोक कथा है- पुराने समय में एक गरीब व्यक्ति अपने काम में लगातार असफल हो रहा था। हर प्रयास के बाद निराशा ही हाथ लगती और उसकी मेहनत बेकार जाती। धीरे-धीरे निराशा उसके ऊपर हावी होने लगी और वह सोचने लगा कि मेहनत करने का कोई फायदा नहीं है।

एक दिन, थकावट और हताशा के कारण उसने काम करना ही छोड़ दिया। उसी दिनों उसके गांव में एक संत आए हुए थे। संत बहुत विद्वान थे। निराश व्यक्ति ने संत से मिलने का विचार किया और वह संत के पास पहुंच गया। दुखी व्यक्ति ने अपनी सारी परेशानियां संत को बता दीं।

संत ने धैर्यपूर्वक उसकी बातें सुनीं और कहा कि तुम असफलताओं से डरकर प्रयास क्यों छोड़ रहे हो? जीवन में सफलता केवल लगातार प्रयास करने से ही मिलती है।

निराश व्यक्ति ने कहा कि मैं तो हार चुका हूं। अब मेरे लिए कुछ भी करना व्यर्थ है।

संत ने उसकी स्थिति समझी और उसे एक कहानी सुनाई। संत ने कहा कि एक छोटे से गांव में एक बच्चे ने बांस और कैक्टस के पौधे लगाए। वह रोज दोनों पौधों की देखभाल करता। समय बीतता गया, कैक्टस का पौधा तेजी से बढ़ने लगा, लेकिन बांस के पौधे में कई महीनों तक कोई उन्नति नहीं दिखी।

बच्चा निराश नहीं हुआ। उसने दोनों पौधों को बराबर ध्यान दिया। अंततः बांस का पौधा पनपा और जल्दी ही कैक्टस से भी ऊंचा हो गया। संत ने समझाया कि बांस का पौधा पहले अपनी जड़ें मजबूत कर रहा था और जब उसकी जड़ें मजबूत हो गईं, तब वह तेजी से बढ़ने लगा। जीवन में भी संघर्ष और समय की जरूरत होती है। यदि हम धैर्य और निरंतर प्रयास करते रहें, तो हमारी मेहनत निश्चित रूप से रंग लाती है। इस कहानी से निराश व्यक्ति समझ गया कि असफलता अस्थायी है और निरंतर प्रयास से ही सफलता मिलती है। उसने फिर से मेहनत करना शुरू किया और धीरे-धीरे उसे वह सफलता मिली, जिसकी उसे तलाश थी।

किस्से की सीख

धैर्य जरूरी है

जीवन में हर प्रयास तुरंत परिणाम नहीं देता। सफलता

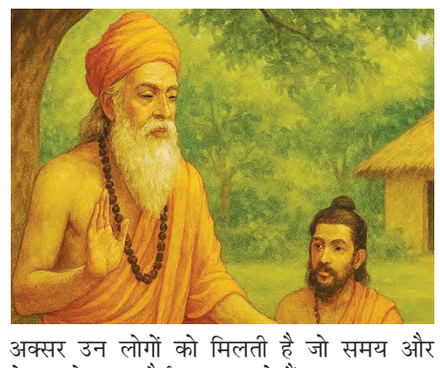

अक्सर उन लोगों को मिलती है जो समय और मेहनत के साथ धैर्य बनाए रखते हैं।

निरंतर प्रयास करें

एक बार असफल होने के बाद प्रयास बंद कर देना असफलता को स्थायी बना देता है। रोजाना छोटे कदम उठाते रहना बड़े लक्ष्य तक पहुंचने का रास्ता खोलता है। निरंतर प्रयास करते रहेंगे, तो सफलता जरूर मिलेगी।

असफलता से सीख लेकर आगे बढ़ें

असफलता को अपने खिलाफ नहीं, बल्कि सीखने का अवसर समझें। हर असफल प्रयास आपको मजबूत और अनुभवी बनाता है। असफलता से सीख लेकर आगे बढ़ें।

सकारात्मक सोच अपनाएं

नकारात्मक सोच हमें निराशा की ओर ले जाती है। सकारात्मक दृष्टिकोण रखना और उम्मीद बनाए रखना जरूरी है, तभी सफलता मिलती है।

लगातार अभ्यास करें

किसी भी काम में महारत हासिल करने के लिए नियमित अभ्यास जरूरी है। जैसे बांस की जड़ें मजबूत हुईं, वैसे ही अभ्यास से हमारी क्षमताएं भी विकसित होती हैं और क्षमताएं बढ़ने के बाद हमें भी सफलता मिल जाती है।

छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं

बड़ी सफलता सीधे नहीं मिलती। छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करें और उन्हें हासिल करने का आनंद लें। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और निराशा कम होती है। धीरे-धीरे आगे बढ़ते रहेंगे, तो एक दिन बड़ी सफलता भी जरूर मिलेगी।

अमीर लोग घर की इस दिशा में रखते हैं सात सूंड वाला हाथी

किस दिशा में रखें सात सूंड वाले हाथी की मूर्ति?

वास्तु और फेंगशुई के अनुसार सात सूंड वाले हाथी की मूर्ति को घर की उत्तर या पूर्व दिशा में रखना चाहिए। इसके अलावा आप इसे ईशान कोण में भी रख सकते हैं। कुछ वास्तु विशेषज्ञ इसे रखने की सही दिशा दक्षिण-पूर्व मानते हैं। कहते हैं इस दिशा में मूर्ति रखने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। आप इसे मुख्य द्वार के पास या लिविंग रूम में कहीं भी रख सकते हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि मूर्ति का मुख हमेशा घर के अंदर की ओर होना चाहिए।

सात सूंड वाले हाथी की मूर्ति के फायदे

कहते हैं इस मूर्ति को घर में रखने से सुख-समृद्धि की कभी कमी नहीं होती और आय के नए स्रोत बनते हैं। साथ ही करियर और बिजनेस में सफलता मिलती है और नौकरी में प्रमोशन के योग बनते हैं। ये मूर्ति घर में पॉजिटिव वाइब्स बनाए रखती है।

मूर्ति रखते समय इन बातों का रखें ध्यान

हाथी की मूर्ति टूटी-फूटी या खराब स्थिति में नहीं होनी चाहिए।

सभी सूंड साफ-साफ नजर आनी चाहिए।

इसे कभी भी बाथरूम के पास या रसोईघर में नहीं रखना चाहिए।

मूर्ति को ऊंचे स्थान पर रखना चाहिए।

समय-समय पर मूर्ति की सफाई जरूर करते रहें क्योंकि गंदी मूर्ति वास्तु दोष उत्पन्न करती है।

फाल्गुन मास के तीज-त्योहार

हिन्दी पंचांग का अंतिम महीना फाल्गुन शुरू हो गया है। ये महीना धर्म-कर्म के नजरिए से बहुत खास है। इस महीने में महाशिवरात्रि और होली जैसे बड़े व्रत-पर्व मनाए जाते हैं। जानिए फाल्गुन मास के व्रत-पर्वों पर कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं...

5 फरवरी - संकष्टी चतुर्थी व्रत

इस दिन भगवान गणेश की कृपा पाने के लिए व्रत और पूजा करने का विशेष महत्व है। इस व्रत से जीवन की बाधाएं दूर हो सकती हैं। भगवान गणपति को दूर्वा और मोदक खासतौर पर अर्पित करना चाहिए।

13 फरवरी - विजया एकादशी, कुंभ संक्रांति

विजया एकादशी व्रत शत्रुओं पर विजय और रुके हुए कार्यों में सफलता दिलाने वाला माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु और महालक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। पूजा में ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें।

इस दिन सूर्य मकर से कुंभ राशि में प्रवेश करेगा। ज्योतिष में सूर्य के राशि परिवर्तन को संक्रांति कहा जाता है। इस दिन नदी स्नान और सूर्य पूजा करने की परंपरा है।

15 फरवरी - महाशिवरात्रि

फाल्गुन मास का सबसे बड़ा पर्व है महाशिवरात्रि। मान्यता है कि इसी तिथि पर भगवान शिव लिंग रूप में प्रकट हुए थे। इस दिन

महादेव और देवी पार्वती की विशेष पूजा करनी चाहिए। भक्त रुद्राभिषेक और रात्रि जागरण भी करते हैं।

17 फरवरी - फाल्गुन अमावस्या

इस अमावस्या पर पितर देवताओं के लिए तर्पण और दान-पुण्य करना चाहिए। इस दिन पितरों के नाम से जल, तिल और अन्न का दान करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। जरूरतमंदों को भोजन कराना भी शुभ फल देता है।

21 फरवरी - विनायक चतुर्थी

मान्यता है कि इस तिथि पर भगवान गणेश की पूजा करने से बुद्धि, विवेक और सौभाग्य मिलता है। जो लोग कोई नया कार्य शुरू करना चाहते हैं, वे इस दिन कर सकते हैं।

27 फरवरी आमलकी एकादशी

इस तिथि पर आंवले के वृक्ष की विशेष पूजा की जाती है। इसके साथ ही भगवान विष्णु और महालक्ष्मी का अभिषेक करें। इस दिन आंवले का दान, सेवन और वृक्ष की परिक्रमा की जाती है।

2 मार्च - होलिका दहन

फाल्गुन की अंतिम तिथि यानी पूर्णिमा की रात होलिका दहन होगा। इस त्योहार पर होलिका पूजन करके जलती हुई होली में नारियल, गेहूं की बालियां अर्पित की जाती हैं।

3 मार्च - धुलेंडी (होली)

होलिका दहन के बाद अगले दिन होली खेली जाती है। इस दिन शिवलिंग पर केसर मिश्रित जल चढ़ाना चाहिए। अपने इष्टदेव को अबीर-गुलाल अर्पित करें। इस दिन श्रीकृष्ण की विशेष पूजा करने की भी परंपरा है।

फाल्गुन मास में करें ये शुभ काम

इस महीने भगवान श्रीकृष्ण और शिव की पूजा खासतौर पर की जाती है। घी, तिल, सरसों का तेल और मौसमी फलों का दान करना चाहिए। इस महीने में मौसम परिवर्तन होता है, शीत ऋतु खत्म होती है, गर्मी बढ़ने लगती है, ऐसे में खान-पान को लेकर अतिरिक्त सावधानी रखनी चाहिए। दैनिक जीवन में नियम-संयम का पालन करना चाहिए। किसी गोशाला में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें। अगर संभव हो सके तो श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा, वृंदावन, गोकुल, गोवर्धन पर्वत, बरसान की यात्रा कर सकते हैं। इन दिनों में यहां बड़ी संख्या में भक्त पहुंचते हैं।

वैलेंटाइन्स डे पर पार्टनर का दिल कैसे जीतें

मूलांक 1 के लिए उपहार मूलांक 1 वाले लोग आत्मविश्वासी और लीडर टाइप होते हैं।इन्हें अलग दिखने वाली चीजें पसंद आती हैं।वैलेंटाइन्स डे पर आप इन्हें प्रीमियम पेन, स्टाइलिश वॉच या पर्सनलाइज्ड डायरी गिफ्ट कर सकते हैं। ऐसा गिफ्ट इनके व्यक्तित्व से मेल खाता है।

मूलांक 2 के लिए उपहार मूलांक 2 के लोग भावुक और रिश्तों को अहमियत देने वाले होते हैं।इन्हें प्यार से जुड़ी चीजें पसंद आती हैं। हैंडमेड कार्ड, फोटो फ्रेम या कस्टम कपल गिफ्ट इनके लिए बेहतरीन रहेगा।छोटे लेकिन दिल से दिए गए गिफ्ट इन्हें बहुत खुश करते हैं।

मूलांक 3 के लिए उपहार मूलांक 3 वाले लोग खुशमिजाज और रचनात्मक होते हैं।इन्हें रंगीन और मजेदार चीजें पसंद आती हैं।आप इन्हें आर्ट से जुड़ा सामान, किताबें या म्यूजिक से जुड़ा कोई गिफ्ट दे सकते हैं।ऐसा गिफ्ट इनके चेहरे पर मुस्कान ले आएगा।

मूलांक 4 के लिए उपहार मूलांक 4 के लोग सादगी और काम की चीजों को महत्व देते हैं।वैलेंटाइन्स डे पर आप इन्हें गैजेट्स, ऑर्गनाइजर या डेस्क से जुड़ा कोई गिफ्ट दे सकते हैं।ये लोग उपयोगी उपहार को ज्यादा पसंद करते हैं।

मूलांक 5 के लिए उपहार मूलांक 5 वाले लोग घूमने-फिरने और नई चीजें अपनाने वाले होते हैं।ट्रैवल बैग, परफ्यूम या एडवेंचर से जुड़ा कोई अनुभव इन्हें खास लगेगा।ऐसा गिफ्ट इनके आज़ाद स्वभाव से मेल खाता है।

मूलांक 6 के लिए उपहार मूलांक 6 के लोग प्यार और सुंदरता से जुड़े होते हैं।इन्हें रोमांटिक गिफ्ट पसंद आते हैं।ज्वेलरी, खूबसूरत कपड़े या स्पा वाउचर वैलेंटाइन्स डे पर इनके लिए सही रहेगा।

मूलांक 7 के लिए उपहार मूलांक 7 वाले लोग सोचने-समझने वाले होते हैं, इसलिए किताबें या मेडिटेशन से जुड़ा गिफ्ट अच्छा रहेगा।

मूलांक 8 के लिए उपहार मूलांक 8 के लोग महत्वाकांक्षी होते हैं, इन्हें ब्रांडेड एक्सेसरीज पसंद आती हैं।

मूलांक 9 के लिए उपहार मूलांक 9 वाले लोग जोशीले होते हैं, इन्हें फिटनेस या स्पोर्ट्स से जुड़ा गिफ्ट दिया जा सकता है।

ओम बन्ना धाम का मन्नत वाला पवित्र पेड़!

पाली। कहते हैं अगर मन में श्रद्धा, विश्वास और भगवान के प्रति पूर्ण समर्पण हो, तो हर मनोकामना पूरी होती है। राजस्थान के पाली जिले के छोटे से गांव चोटिला में ऐसा ही एक चमत्कारिक स्थान है, जहां एक पेड़ पर धागा बांधने मात्र से मनोकामनाएं पूरी होने की मान्यता है। यही कारण है कि यहां दूर-दराज से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं और इस पेड़ पर धागा बांधना नहीं भूलते। यह स्थान कोई और नहीं, बल्कि विश्व प्रसिद्ध ओम बन्ना जी का धाम है, जो पाली और जोधपुर के बीच हाईवे पर स्थित है।

इस हाईवे से गुजरने वाला लगभग हर वाहन चालक यहां रुककर दर्शन करता है या फिर कम से कम एक पल के लिए हाथ जोड़कर हॉर्न बजाकर निकलता है। हालांकि ओम बन्ना मंदिर के बारे में तो लोग जानते हैं, लेकिन यहां मौजूद इस चमत्कारिक पेड़ के बारे में कम ही लोगों को जानकारी है, जिसे भक्त मनोकामनाएं पूरी करने वाला मानते हैं। नागौर से आए दोस्तों के एक समूह ने बताया कि वे पहले भी इस पेड़ पर धागा बांध चुके हैं और उनकी मनोकामनाएं पूरी होने के बाद ही दोबारा यहां आए हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि यह सब आस्था और विश्वास का प्रतीक है।

जब मन्नत पूरी हुई तो फिर उसी पेड़ पर आए धागा बांधने नागौर से आए श्रद्धालुओं ने बताया कि ओम बन्ना जी के दर्शन करने और इस पेड़ पर धागा बांधने से हर मनोकामना पूरी होती है। देश-विदेश से लोग यहां आते हैं, दर्शन करते हैं और धागा बांधते हैं, जिससे उनके दुख दूर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि वे पहले भी यहां आए थे और उनकी मन्नत पूरी हुई, इसलिए एक बार फिर उसी पेड़ पर धागा बांधने पहुंचे हैं। श्रद्धालुओं ने यह भी बताया कि मान्यता है कि यदि कोई इस हाईवे से गुजरता है, तो उसे यहां रुकना या कम से कम हॉर्न बजाकर निकलना जरूरी होता है।

कौन थे ओम बन्ना और कैसे बने आस्था के प्रतीक

ओम सिंह राठौड़, जिन्हें प्यार से ओम बन्ना कहा जाता था, पाली के रहने वाले एक साधारण राजपूत युवक थे। कहानी शुरू होती है वर्ष 1988 से, जब ओम बन्ना अपनी बुलेट मोटरसाइकिल से यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान पाली शहर के पास चोटिला गांव के नजदीक एक दर्दनाक दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई। इसके बाद लगातार घट रही घटनाओं को लोगों ने चमत्कार माना और धीरे-धीरे लोगों की आस्था गहराती चली गई। अंततः पुलिस ने उस बुलेट बाइक को उसी स्थान पर स्थापित कर दिया, जहां बाद में ओम बन्ना का मंदिर बना, जिसे आज बुलेट बाबा के नाम से जाना जाता है। स्थानीय लोगों का मानना है कि ओम बन्ना अपनी बुलेट बाइक के साथ अब इस हाईवे से गुजरने वाले यात्रियों को बुरी शक्तियों और सड़क दुर्घटनाओं से बचाते हैं। मंदिर बनने के बाद से इस क्षेत्र में सड़क हादसों में कमी आने का दावा भी किया जाता है।

बाइक पूजा का भी है अनोखा किस्सा

दुर्घटना के बाद पुलिस ने ओम बन्ना की बुलेट बाइक को थाने ले जाकर जब्त कर लिया था। लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसे आज भी लोग दैवीय चमत्कार मानते हैं। बताया जाता है कि बाइक बार-बार रहस्यमय तरीके से

थाने से गायब हो जाती और हमेशा उसी दुर्घटनास्थल पर खड़ी मिलती थी। पुलिस ने बाइक को मोटी चेन और ताले से बांधकर रखने की कोशिश भी की, लेकिन हर बार वह बाइक थाने से गायब होकर ओम बन्ना के दुर्घटना स्थल पर ही मिलती थी। इसी घटना के बाद इस स्थान को आस्था का केंद्र माना जाने लगा।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 3 फरवरी - 2026

नेक इरादे, कड़ी परीक्षा

बजट प्रस्तुत करते वित्तमंत्री हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि बजट ऐसा होना चाहिए जो निवेशकों में भरोसा जगाए और साथ ही गरीबों के हितों का संरक्षण करे। आज दुनिया जिस राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, उसमें पेश किया गया यह बजट सरकार की सोच, प्राथमिकताओं और आगे की साफ़ तौर पर उजागर करता है। रोजगार सृजन, निवेश प्रोत्साहन और राजकोषीय संतुलन के बीच संतुलन बनाना इस बजट की सबसे बड़ी चुनौती है। बजट में छह प्राथमिक क्षेत्रों—एमएसएमई, स्टार्ट-अप, टेक्सटाइल, टूरिज्म, स्किल डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग पर खास जोर दिया गया है। सरकार का मानना है कि रोजगार की समस्या का स्थायी समाधान केवल सरकारी नौकरियों से नहीं, बल्कि निजी निवेश और उद्योगों के विस्तार से ही संभव है। इसी उद्देश्य से एमएसएमई को सस्ते ऋण, तकनीकी सहयोग और क्लस्टर आधारित विकास की दिशा में आगे बढ़ाने की कोशिश की गई है। इस बजट का सबसे अहम पहलू पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) है। सरकार ने 2027 तक कैपेक्स को जीडीपी के 10% तक ले जाने का लक्ष्य रखा है और इसके लिए 12.2 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अब तक का अनुभव बताता है कि सरकारी पूंजीगत खर्च से सड़क, रेलवे, ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में निजी निवेश को भी गति मिलती है। लेकिन, सवाल यह है कि क्या राज्य सरकारें और निजी क्षेत्र इस रफ्तार के साथ कदम मिला पाएंगे? सरकार ने वित्तीय जिम्मेदारी निभाते हुए 2026 तक राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.4% और अगले वर्ष 4.3% तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा है। वैश्विक रेटिंग एजेंसियों के अनुसार यह कदम भारत की आर्थिक साख को मजबूत करता है। हालांकि, राजस्व बढ़ाने के लिए सरकार को कर संग्रह और विनिवेश दोनों मोर्चों पर लगातार बेहतर प्रदर्शन करना होगा। प्रत्यक्ष करों में बड़ी राहत न होने के बावजूद निवेश को बढ़ावा देने वाले संकेत हैं। शेयर बाजार में भरोसा कायम रखने के लिए सरकार ने स्थिर नीति, इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश और घरेलू पूंजी को प्रोत्साहित करने की बात दोहराई है। एसटीटी में बढ़ोतरी से अल्पकालिक निवेशक जरूर प्रभावित होंगे, लेकिन दीर्घकालिक निवेश के लिए माहौल अभी भी सकारात्मक है। डिजिटल और वैकल्पिक निवेश विकल्पों के दौर में छोटे निवेशकों को सुरक्षा देने की जरूरत और बढ़ गई है। बजट में इस दिशा में संकेत तो मिले हैं, लेकिन ठोस उपायों की कमी महसूस होती है। बाजार में भरोसा तभी टिकेगा जब पारदर्शिता और निवेशक संरक्षण को प्राथमिकता दी जाएगी। बजट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को दोहराया है। सरकार का अनुमान है कि 2026 में वैश्विक मंदी के बावजूद भारत 7.4% की रफ्तार से आगे बढ़ सकता है। यह लक्ष्य महत्वाकांक्षी है, लेकिन इसे हासिल करने के लिए नीतियों के साथ-साथ जमीन पर मजबूत क्रियान्वयन भी उतना ही जरूरी होगा। निवेश, रोजगार और स्थिरता की स्पष्ट मंशा के साथ यह बजट नेक इरादों का दस्तावेज़ है । लेकिन असली परीक्षा अब शुरू होती है। अगर योजनाएं समय पर और सही दिशा में लागू होती हैं, तो यह बजट भारत की आर्थिक यात्रा में एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

आम आदमी की आकांक्षाओं पर कितना खरा है बजट ?

योगेश कुमार गोयल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 को एक ओर जहां सरकार के घटक दलों द्वारा विकसित भारत का बजट और बदलते भारत की राजनीतिक-आर्थिक प्राथमिकताओं तथा सरकार की दीर्घकालिक सोच का आईना बताया गया है, वहीं विपक्ष द्वारा इसे पूरी तरह दिशाहीन बजट करार दिया गया है। वैसे निर्मला सीतारमण ने लगातार नौवीं बार बजट पेश कर संसदीय इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। सवाल यह नहीं है कि बजट कितना बड़ा है या कितने नए आंकड़े पेश किए गए हैं बल्कि यह है कि क्या यह बजट महंगाई से जूझ रहे आम नागरिक के वर्तमान को कुछ राहत देता है और भविष्य के लिए भरोसेमंद आधार तैयार करता है? बजट के तमाम महत्वपूर्ण प्रावधानों का आकलन किया जाए तो यह बजट विकास, निवेश, बुनियादी ढ़ांचे, डिजिटल अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर भारत की स्पष्ट झलक तो दिखाता है लेकिन इसके साथ ही इसमें कई ऐसे खाली स्थान भी हैं, जो आम आदमी और विशेषकर किसान, निम्न आय वर्ग और असंगठित क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए निराशा पैदा करते हैं। सरकार ने इस बार तात्कालिक लोकलुभावन उपायों से दूरी बनाते हुए दीर्घकालिक क्षमता निर्माण पर जोर दिया है। यह दृष्टिकोण आर्थिक रूप से समझदारी भरा हो सकता है लेकिन लोकतंत्र में बजट का मूल्यांकन केवल भविष्य के सपनों से नहीं, वर्तमान की चुनौतियों से भी होता है।

शिक्षा और रोजगार को जोड़ने वाला 'एजुकेशन-टू-एम्प्लॉयमेंट' मॉडल सरकार की उस सोच को सामने लाता है, जो कक्षा और कार्यस्थल के बीच की खाई को पाटने का दावा करती है। पहली नौकरी पाने वाले युवाओं के लिए 15,000 रुपये का डीबीटी बोनस और एक करोड़ इंटर्नशिप की घोषणा निश्चित रूप से आकर्षक लगती है। यह कदम युवाओं को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ने और उन्हें सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की दिशा में सकारात्मक है। लेकिन यहां भी सबसे बड़ा प्रश्न क्रियान्वयन का है। क्या ये इंटर्नशिप वास्तविक कौशल और स्थायी रोजगार की ओर ले जाएंगी या फिर यह योजना सस्ते श्रम तक सीमित रह जाएगी? भारत पहले भी कई बार योजनाओं के आकर्षक नाम और बड़े लक्ष्यों के बावजूद जमीनी स्तर पर कमजोर क्रियान्वयन का अनुभव कर चुका है।

'स्किल इंडिया 2.0' के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और मशीन लर्निंग जैसी उभरती तकनीकों को क्षेत्रीय भाषाओं में सिखाने की योजना डिजिटल डिवाइड को कम करने की दिशा में अहम कदम है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी युवाओं के लिए यह तकनीकी दुनिया में प्रवेश का द्वार खोल सकता है लेकिन प्रशिक्षकों की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता और उद्योग-सहयोग के बिना यह पहल भी सीमित असर तक सिमट सकती है। शिक्षा बजट को लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने का प्रस्ताव सराहनीय है लेकिन बढ़ती छात्र संख्या, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और शोध की जरूरतों के सामने यह राशि अपर्याप्त प्रतीत होती है। मध्यम वर्ग के लिए यह बजट राहत और मायूसी का मिश्रण है। आयकर दरों में तो कोई बदलाव नहीं हुआ है लेकिन आयकर प्रणाली को सरल बनाने की दिशा में घोषणा अवश्य की गई है। सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है, कर व्यवस्था को जटिल छूटों के जाल से निकालकर सरल और पारदर्शी बनाना, ताकि उपभोग बढ़े और अर्थव्यवस्था में मांग का संचार हो। यह दृष्टिकोण आर्थिक सुस्ती के दौर में उपयोगी हो सकता है।

सरकार ने कुछ चुनिंदा वस्तुओं और क्षेत्रों में कर कटौती कर राहत देने की कोशिश की है। कैंसर और मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों की दवाओं का सस्ता होना निसंदेह करोड़ों परिवारों के लिए जीवनरक्षक कदम है। मोबाइल फोन, ईवी बैटरी और सौर पैनलों पर रियायतें हरित ऊर्जा और डिजिटल इंडिया को गति देने के साथ-साथ तकनीक को आम आदमी की पहुंच में लाने का प्रयास हैं। जूते, कपड़े और कुछ घरेलू उपकरणों के सस्ते होने से मध्यमवर्गीय खपत में हल्की तेजी आ सकती है लेकिन दूसरी ओर शराब, खनिज और स्क्रैप पर बढ़े शुल्क से उत्पादन लागत बढ़ने और अंततः उपभोक्ता कीमतों पर असर पड़ने की आशंका भी बनी हुई है। सबसे बड़ा झटका शेयर बाजार में देखने को मिला। फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग पर बढ़े टैक्स ने खुदरा निवेशकों की धारणा को कमजोर किया और बजट के दौरान बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। इससे यह संदेश गया कि सरकार सट्टात्मक गतिविधियों पर सख्ती चाहती है लेकिन इसके दुष्परिणाम अल्पकाल में निवेशकों और बाजार की स्थिरता पर पड़े। यह बजट महंगाई और निवेश के मोर्चे पर एक तरह का विरोधाभास प्रस्तुत करता है, एक ओर खपत बढ़ाने की कोशिश, दूसरी ओर निवेश भावना को झटका।

इंफ्रास्ट्रक्चर पर 12.2 लाख करोड़ का पूंजीगत व्यय सरकार की विकास रणनीति का सबसे मजबूत स्तंभ है। सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, जिनमें मुंबई-पुणे और दिल्ली-वाराणसी जैसे मार्ग शामिल हैं, भारत की कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास की तस्वीर बदल सकते हैं। बेहतर परिवहन से उद्योग, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन और रियल एस्टेट को नई गति मिल सकती है। टियर-2 और टियर-3 शहरों पर फोकस शहरीकरण के असंतुलन को सुधारने की दिशा में सही कदम है। हालांकि, बुनियादी ढ़ांचे पर खर्च का लाभ आम आदमी तक पहुंचने में समय लगता है और तात्कालिक रूप से निर्माण सामग्री की कीमतों में बढ़ोतरी महंगाई का दबाव बढ़ा सकती है। एमएसएमई और व्यापार जगत के लिए बजट में नई संजीवनी दिखाई देती है। 10,000 करोड़ रुपये का एसएमई ग्रोथ फंड छोटे उद्यमों को पूंजी की कमी से उबार सकता है। महिलाओं के लिए मुद्रा लोन की सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपये करना महिला उद्यमिता को वास्तविक आर्थिक ताकत देने की दिशा में अहम कदम है। टेक्निकल टेक्सटाइल पर विशेष फोकस भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत स्थान दिला सकता है और 'मेक इन इंडिया' को व्यावहारिक आधार दे सकता है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था के संदर्भ में यह बजट ऐतिहासिक कहा जा सकता है क्योंकि पहली बार कंटेंट क्रिएटर्स और क्रिएटिव इकोनॉमी को औपचारिक मान्यता दी गई है। 'रील' और 'रियल' इकोनॉमी के बीच की दीवार लगभग गिर चुकी है। डिजिटल कंटेंट, गेमिंग, एनीमेशन और एजुकेशनल प्लेटफॉर्म को एमएसएमई जैसा दर्जा मिलने से युवाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर खुल सकते हैं। हालांकि बौद्धिक संपदा संरक्षण, आय की स्थिरता और नियमन जैसे सवाल भविष्य की बड़ी चुनौतियां बने रहेंगे। स्वास्थ्य और तकनीक के मोर्चे पर 'बायो-फार्मा 2.0' और सेमीकंडक्टर मिशन पर जोर भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक सोच को दर्शाता है। दवा परीक्षण और अनुसंधान के लिए 1,000 टेस्टिंग साइट्स का नेटवर्क दवाओं की लागत कम कर सकता है। सेमीकंडक्टर निर्माण में आत्मनिर्भरता भारत को वैश्विक तकनीकी आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत बनाएगी। रक्षा बजट में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है लेकिन नई नीतिगत घोषणाओं के अभाव में बाजार की अपेक्षाएं पूरी नहीं हो सकी।

रक्षा खर्च नहीं, राष्ट्रीय निवेश: भारत की शक्ति-निर्माण यात्रा

आरके जैन

इतिहास के कुछ क्षण केवल घटित घटनाओं से नहीं, बल्कि उनके बाद लिए गए निर्णायक फैसलों से अमर होते हैं। ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण विजय के तुरंत बाद प्रस्तुत 7.85 लाख करोड़ का रक्षा बजट ऐसा ही एक निर्णायक क्षण है। यह बजट मात्र व्यय का विवरण नहीं, बल्कि भारत की बदली हुई सामरिक दृष्टि, अडिग आत्मविश्वास और भविष्य की सशक्त तैयारी का स्पष्ट उद्घोष है। 15% की यह वृद्धि साफ संकेत देती है कि अब राष्ट्रीय सुरक्षा किसी समझौते की नहीं, बल्कि सामर्थ्य, संकल्प और निर्णायक शक्ति की भाषा में परिभाषित होगी।

पिछले वर्ष के 6.81 लाख करोड़ की तुलना में यह वृद्धि असाधारण अवश्य है, परंतु वर्तमान परिस्थितियों में पूरी तरह अनिवार्य भी है। विशेष रूप से पूंजीगत व्यय का 2.19 लाख करोड़ तक पहुंचना और उसमें 22% की तेज छलांग यह दर्शाती है कि भारत अब तात्कालिक जरूरतों से ऊपर उठकर दीर्घकालिक शक्ति निर्माण की दिशा में आगे बढ़ चुका है।ऑपरेशन सिंदूर ने यह निर्विवाद रूप से सिद्ध कर दिया कि आधुनिक युद्ध में तकनीक, तैयारी और आत्मनिर्भरता ही विजय की कुंजी होती हैं। इसी कारण यह बजट आंकड़ों से आगे बढ़कर एक सशक्त रणनीतिक संदेश बन जाता है।ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने जिस निर्णायक ढंग से दुश्मन के हवाई क्षेत्र में प्रभुत्व स्थापित किया, उसने क्षेत्रीय शक्ति संतुलन की परंपरागत धारणाओं को बदल दिया। शत्रु ठिकानों का सटीक और प्रभावी विनाश तथा संघर्षविराम के लिए विवश करना केवल सैन्य सफलता नहीं, बल्कि एक स्पष्ट रणनीतिक चेतावनी थी। अब यह बजट उसी चेतावनी को स्थायी सामरिक शक्ति में रूपांतरित करने का साधन बन रहा है। प्रत्येक प्लेटफॉर्म, प्रत्येक प्रणाली और प्रत्येक हथियार को स्वदेशी बनाने की दिशा में यह एक निर्णायक और दूरदर्शी कदम है। रक्षा मंत्री द्वारा इसे "रणनीतिक अनिवार्यता" करार देना वर्तमान वैश्विक यथार्थ की सटीक और स्पष्ट व्याख्या है। मई 2025 के सीमित किंतु तीव्र संघर्ष ने यह उजागर कर दिया कि आतंक और अस्थिरता की जड़ें पड़ोसी भूभागों में गहराई तक फैली हुई हैं। ऐसे वातावरण में केवल रक्षात्मक रुख पर्याप्त नहीं, बल्कि आक्रामक, आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम सैन्य शक्ति की नितांत आवश्यकता है। इसी रणनीतिक सोच के अनुरूप इस बजट में विमानन, एयरो इंजन और अगली पीढ़ी की युद्ध प्रणालियों पर विशेष और स्पष्ट बल दिया गया है।

विमान और एयरो इंजन के लिए 63,733 करोड़ तथा नौसेना के बेड़े के लिए 25,023 करोड़ का आवंटन भारत की बहु-आयामी और संतुलित सैन्य तैयारी का स्पष्ट संकेत है। अगली पीढ़ी के फाइटर जेट, एईडब्ल्यू एंड सी प्रणालियां, एमएलआरएस, बीवीआर मिसाइलें और लोइटरिंग मुनिशन्स अब कागजी योजनाएं नहीं, बल्कि ठोस अधिग्रहण की प्राथमिक सूची में शामिल हो चुके हैं। कुल पूंजीगत बजट का 75% घरेलू उद्योग से खरीद के लिए निर्धारित किया जाना आत्मनिर्भर भारत की नीति को विचार से निकालकर ठोस जमीन पर स्थापित करता है।

स्वदेशी रक्षा उत्पादन अब केवल एक आकांक्षा नहीं, बल्कि सशक्त और स्थापित वास्तविकता का रूप ले चुका है। 1.39 लाख करोड़ से बढ़कर 1.64 लाख करोड़ तक घरेलू खरीद का विस्तार यह स्पष्ट करता है कि भारतीय रक्षा उद्योग पर सरकार का भरोसा पहले से कहीं अधिक मजबूत हुआ है। डीआरडीओ के लिए 29,100 करोड़ का आवंटन, जिसमें 17,250 करोड़ पूंजीगत अनुसंधान और विकास के लिए निर्धारित हैं, भविष्य की युद्ध तकनीकों की नींव रखता है। यह निवेश अनुसंधान प्रयोगशालाओं को सीधे रणभूमि की आवश्यकताओं से जोड़ने वाला साबित होगा। आत्मनिर्भरता की इस रणनीतिक यात्रा में निजी क्षेत्र, स्टार्टअप और शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका लगातार अधिक निर्णायक होती जा रही है। रक्षा अनुसंधान बजट का 25% इन क्षेत्रों के लिए खोलना नवाचार, प्रतिस्पर्धा और तकनीकी आत्मविश्वास को नई ऊर्जा प्रदान करता है। ड्रोन स्वार्म, साइबर डिफेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रणालियां और स्पेस वारफेयर जैसी क्षमताएं अब भारत की प्राथमिक सामरिक सूची में शामिल हो चुकी हैं। यह बजट भारत को तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि सशक्त निर्माता और संभावित निर्यातक बनाने की दिशा में आगे बढ़ाता है। रक्षा निर्यात में लगातार हो रही वृद्धि इस नीति की सफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। भारत अब वैश्विक रक्षा बाजार में एक भरोसेमंद और सक्षम साझेदार के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। राजस्व व्यय के लिए 3.65 लाख करोड़ और पेंशन के लिए 1.71 लाख करोड़ का प्रावधान यह दर्शाता है कि सैनिकों और पूर्व सैनिकों का कल्याण भी उतनी ही प्राथमिकता में है। ईसीएचएस में 45% की बढ़ोतरी कर 12,100 करोड़ का आवंटन सैनिक परिवारों के प्रति राष्ट्र की स्थायी और सशक्त प्रतिबद्धता को और मजबूती प्रदान करता है। वैश्विक परिदृश्य पर दृष्टि डालें तो चीन का निरंतर सीमा दबाव, पाकिस्तान की अस्थिर और आक्रामक रणनीति तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव भारत के समक्ष जटिल और बहुस्तरीय चुनौतियां खड़ी करता है।

ऐसे परिवेश में जीडीपी का लगभग 2% रक्षा पर व्यय करना भारत को विश्व के शीर्ष रक्षा व्यय करने वाले देशों की अग्रिम पंक्ति में स्थापित करता है। क्वाड और आई 2यू2 जैसे बहुपक्षीय मंचों पर भारत की भूमिका लगातार सशक्त हो रही है, और यह रक्षा बजट उस भूमिका को आवश्यक सैन्य आधार और विश्वसनीयता प्रदान करता है।

ऑपरेशन सिंदूर ने यह निर्विवाद संदेश दिया कि शांति की सबसे ठोस और विश्वसनीय गारंटी सशक्त, सजग और सक्षम सेना ही होती है। यह रक्षा बजट उसी सीख को संकल्प से नीति में रूपांतरित करता है। सुरक्षा और विकास के बीच संतुलन साधते हुए यह आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को ठोस गति प्रदान करता है। विकसित भारत@2047 के दृष्टिकोण से जुड़ा यह बजट केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाले दशकों की राष्ट्रीय सुरक्षा की मजबूत नींव रखता है।7.85 लाख करोड़ का यह रक्षा बजट भारत की नई सामरिक पहचान का स्पष्ट घोषणापत्र है। यह पहचान भय से नहीं, आत्मविश्वास और सामर्थ्य से गढ़ी गई है। स्वदेशी हथियारों से सुसज्जित, तकनीकी रूप से सक्षम और रणनीतिक रूप से एकजुट भारतीय सेनाएं आज राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बन चुकी हैं। हर रुपये में राष्ट्रभक्ति और हर निर्णय में अडिग संकल्प झलकता है। यह बजट स्पष्ट करता है कि भारत अब केवल परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया नहीं देता, बल्कि अपने भविष्य की दिशा स्वयं निर्धारित करता है।

कहीं यूपी में योगी को घेरने की तो नहीं हो रही कोशिश

राजेश श्रीवास्तव

देश में इन दिनों एक अलग तरह का माहौल छाया हुआ है और दिलचस्प यह है कि उसका सबसे अधिक असर उत्तर प्रदेश में ही देखने को मिल रहा है। बीते दिनों दो ऐसे प्रकरण आये जिसका सबसे अधिक प्रभाव उत्तर प्रदेश में देखने को मिला। पहला मामला प्रयागराज से आया ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का और दूसरा मामला यूजीसी का । अगर यह मान लिया जाये कि शंकराचार्य का मामला यूपी में गरमाया तो यूजीसी का असर तो पूरे देश में होना चाहिए था लेकिन उसका भी सबसे अधिक विरोध उत्तर प्रदेश में ही दिखा. पूरे देश से विरोध की कोई तस्वीर नहीं दिखी। आखिर क्या यह सिर्फ संयोग है या फिर 2०27 के चुनाव में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ कुछ 'खेल' करने की साजिश क्योंकि दोनों मामलों पर न तो केंद्रीय नेतृत्व की तरफ से कोई सफाई आयी और न ही संघ ने किसी भी तरह का वक्तव्य दिया। जाहिर है कि इसका असर जो भी होगा उसका सबसे अधिक प्रभाव उत्तर प्रदेश के 2०27 में होने वाले विधानसभा चुनाव पर ही होगा। बीते लोकसभा चुनाव में भी यूपी से भाजपा को खासा नुकसान हुआ है लेकिन इस बार विधानसभा का चुनाव है और भाजपा का जो मूल वोट बैंक - ब्राह्मण, ठाकुर, कायस्थ, बनिया और भूमिहार है वह इस समय भाजपा से खासा नाराज है। भले ही यूजीसी पर सुप्रीम कोर्ट ने स्टे लगा दिया है लेकिन इस वर्ग में पार्टी को लेकर खासा आक्रोश है । पहले शंकराचार्य के मामले को लेते हैं । इस पर कोई मामला नहीं था लेकिन शंकराचार्य को 5० मीटर के लिए पैदल जाने की जिद करना और उसके बाद उनसे प्रशासन द्वारा यह मांग करना कि वह साबित करें कि वह शंकराचार्य हैं, इतने पर भी बात नहीं रुकी. पुलिस द्वारा उनके समर्थक साधु-संतों के साथ दुर्व्यवहार की जो तस्वीरें आयी, वह हर हिंदू के मन को उदास कर गयीं क्योंकि अभी तक उप्र का हर हिंदू उम्मीद करता था कि अगर साधु-संतों पर कोई बात आयेगी तो योगी आदित्यनाथ उसके साथ जरूर खड़ें होगे लेकिन इस मामले पर पुलिस की ज्यादती के बावजूद मुख्यमंत्री ने कोई दखल नहीं दिया और न ही पांच दिन धरने पर बैठे शंकराचार्य को मनाने के लिए कोई कोर-कसर ही करती सरकार दिखी। ऐसे में जब शंकराचार्य नाराज होकर चले गये तो अधिकारियों ने उनको मनाने की असफल कोशिश की जिसका और उल्टा असर हुआ जबकि इस मामले में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नरमी दिखायी और कहा कि शंकराचार्य के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए था, बदले में शंकराचार्य ने भी केशव मौर्य की तारीफ कर दी। यही नहीं, गोवर्धन पीठ के स्वामी स्वामी निश्चलानंद सरस्वती और द्वारिका पीठ के स्वामी सदानंद सरस्वती ने भी शंकराचार्य के साथ खड़े होकर सहमति दिखायी जिसके बाद प्रशासन जागा लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इसलिए साफ कहा जा सकता है कि इस मुद्दे पर योगी आदित्यनाथ की प्रखर हिंदुत्व की छवि पर आघात तो लगा।

दूसरा प्रकरण यूजीसी का आया तो सबसे अधिक विरोध प्रदर्शन यूपी में ही होने लगे। कुछ अधिकारी भी इसमें खड़े हो गये और अपना इस्तीफा भेजकर रोंटियां सेकने लगे।

इन विरोध प्रदर्शन की आग इतनी बढ़ी कि यूपी में कई भाजपा नेताओं के इस्तीफे हो गये । कई भाजपा विधायकों ने तो खुलकर सरकार के विरोध का स्वर बुलंद कर दिया। कई विधायकों ने तो सरकार को मजा चखाने की चुनौती भी दे डाली।

यह मुद्दा ऐसा बन गया कि मुख्यमंत्री ने इस पर खामोशी ओढ़ ली क्योंकि यह मुद्दा न तो उगलते बन रहा था और न ही निगलते। वह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट का कि उसने इस मामले पर पहले ही दिन और पहली ही सुनवाई पर तत्काल प्रभाव से स्टे लगा दिया और योगी सरकार को होने वाले डैमेज कंट्रोल पर भी स्टे लग गया।

लेकिन स्टे के बावजूद सवर्ण वर्ग की नाराजगी अभी खत्म या कम होती नजर नहीं आ रही है। सवर्ण वर्ग का मानना है कि अभी स्टे हुआ है. सरकार की ओर से कानून को वापस नहीं लिया गया है। इसका मतलब है कि सरकार नहीं चाहती कि यह कानून खत्म हो, इसलिए लोग सरकार से नाराज हैं। दरअसल भाजपा पिछड़ों के वोट को साधने के लिए यूजीसी के सहारे ऐसा कानून लेकर आयी थी लेकिन पिछड़े तो सधे नहीं और जो अपने थे, वह भी बिखर गये। इस मुद्दे पर विपक्ष ने भी बड़े सधे तरीके से अपने बयान जारी किये। यूपी के मुख्य विपक्षी दल ने न इसका विरोध किया और न ही समर्थन बल्कि यह कहा कि कानून ऐसा होना चाहिए जिससे किसी का नुकसान न हो।

मतलब साफ था कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने यह कोशिश कि वह सवर्ण वर्ग को संदेश दे सके कि देखो तुम जिस दल को वोट देते हो, वह भारतीय जनता पार्टी तुम्हारे साथ नहीं है और वह इसमें कामयाब भी हुआ।

नए नियम आए तो पहले ही दिन से पता चला गया था इसमें बवाल होगा। कौन शोषण करता है और कौन शोषित होता है उसमें से समान्य वर्ग को हटा दिया गया।

कागज के शेर और समोसे का फेर

डॉ. सुरेश कुमार

शहर की धूल फाँकती एक तंग गली के आखिरी छोर पर 'साहित्यिक पुनरुत्थान परिषद' का बैनर ऐसे लटक रहा था, मानो अपनी बदहाली पर खुद ही आंसू बहा रहा हो। कार्यक्रम का नाम था 'अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन', जिसमें 'अखिल भारतीय' शब्द का भार केवल उन कवियों के कंधों पर था, जो पड़ोस के जिलों से रोडवेज की खटारा बसों में धक्के खाकर आए थे। मंच पर बिछी सफेद चादर पर इतने दाग थे कि वे खुद किसी रहस्यमयी कविता के प्रतीक मालूम पड़ते थे। आयोजक महोदय की सक्रियता ऐसी थी कि वे हर दो मिनट में माइक को ठोककर यह सुनिश्चित कर रहे थे कि 'हल्लो-हल्लो' की आवाज मोहल्ले के उस कुत्ते तक जरूर पहुँचे, जो इस आयोजन का एकमात्र निष्पक्ष श्रोता था। श्रोताओं के नाम पर वही दस-बारह लोग थे, जिन्हें समोसे और चाय का लालच देकर रोका गया था, और जो बार-बार अपनी घड़ी की तरफ ऐसे देख रहे थे जैसे कि जेल से रिहाई का वक्त करीब आ रहा हो।

मंच संचालन की कमान एक ऐसे सज्जन के हाथ में थी, जिनकी अपनी कविताएँ इतनी लंबी थीं कि उन्हें पढ़ने के लिए श्रोताओं को पुनर्जन्म लेना पड़े। उन्होंने संचालन शुरू करते ही हिंदी साहित्य के गिरते स्तर पर साढ़े तीन मिनट का विलाप किया, जिसमें उन्होंने स्वयं को 'साहित्य का आखिरी पहरेदार' घोषित कर दिया। बीच-बीच में वे किसी कवि का परिचय देते हुए विशेषणों की ऐसी झड़ी लगाते कि लगता साक्षात कालिदास या तुलसीदास बस अभी रोडवेज की बस से उतरे ही हैं। जब उन्होंने पहले कवि को आमंत्रित किया, तो उनके शब्दों में इतनी चाशनी थी कि पास रखे पानी के गिलास में चींटियाँ लगने का डर पैदा हो गया। कवि महोदय मंच पर ऐसे पधारे जैसे कि नोबेल पुरस्कार उनके स्वागत में पलकें बिछाए खड़ा हो। उन्होंने अपनी जेब से कागजों का एक ऐसा गट्ठर निकाला, जिसे देखकर पहली पंक्ति में बैठे बुजुर्ग ने गहरी आह भरी और अपनी लाठी संभालकर निकलने का मन बना लिया। कवि जी ने माइक को अपनी नाक के इतने करीब सटा लिया कि उनकी सांसों की आवाज किसी चक्रवाती तूफान जैसी सुनाई देने लगी। उन्होंने पहले दो मिनट तक इस बात पर शोधपरक भाषण दिया कि आज का कवि कितना उपेक्षित है और कैसे सरकार को कवियों के लिए कम से कम 'पेंशन और मुफ्त हवाई यात्रा' का प्रबंध करना चाहिए। इसके बाद उन्होंने अपनी कालजयी रचना का शीर्षक पढ़ा—'फटे जूते की आत्मकथा'। पहली दो पंक्तियाँ पढ़ते ही उन्होंने दर्शकों की ओर ऐसे देखा जैसे कि उनसे 'वाह-वाह' की उगाही करना उनका जन्मसिद्ध अधिकार हो। जब किसी ने दाद नहीं दी, तो उन्होंने अपनी चिरपरिचित भोजपुरी शैली में तंज कसा, का हो मैनेजर भाई, का ई शहर में रसज्ञ लोग मर गइलन का? अइसन सन्नाटा त मरघटो में ना होला! इतना सुनकर पीछे बैठे एक युवक ने, जो मोबाइल पर रील देख रहा था, मजबूरी में दो बार मेज थपथपा दी।

अगले कवि एक ओजस्वी धारा के लेखक थे, जिनका गला बैठा हुआ था, लेकिन अहंकार पूरी तरह खड़ा था। उन्होंने वीर रस की कविता शुरू करने से पहले तीन बार अपना कुर्ता झटककर यह संकेत दिया कि अब मंच पर बिजली गिरने वाली है। उनकी कविता में 'लहू', 'तलवार', और 'दुश्मन की छाती' जैसे शब्द इतनी बार आए कि मंच के पास खड़ा पानी पिलाने वाला लड़का डर के मारे दूर भाग गया।

वे चिल्ला-चिल्लाकर पढ़ रहे थे और हर बंद के बाद आयोजक की ओर गर्दन घुमाकर पूछते, कैसा है? आयोजक महोदय, जो उस वक्त बजट का हिसाब लगा रहे थे, बिना सुने ही बोल देते, अतुलनीय! अप्रतिम! युगांतरकारी! उधर श्रोताओं की हालत यह थी कि वे समझ नहीं पा रहे थे कि देश की सीमाओं की रक्षा की चिंता करें या अपनी फटी हुई जेब की, जिसमें समोसे का तेल लग चुका था। तभी मंच के कोने में बैठे एक वरिष्ठ साहित्यकार, जो पिछले तीस सालों से एक ही फटी हुई जैकेट पहनकर 'साहित्य सेवा' कर रहे थे, अपनी बारी का इंतजार करते-करते झपकी लेने लगे।

सवर्णों का बडा आंदोलन रुक गया

पुरुषोत्तम भदौरिया

यूनिवर्सिटी कैंपस को बांटने और लडाने की तैयारी पूरी कर ली गई थी, लेकिन भला हो उच्चतम न्यायालय का जिसने सही समय पर सही निर्णय दे कर सवर्ण आंदोलन को शुरू होने से पहले ही रोक दिया। इससे आंदोलन तो रुक गया है लेकिन आगे क्या हो सकता है अभी कहना जल्दबादी होगी। आखिर कौन नहीं जानता कि स्वतंत्रता के बाद से ही देश में वोटों की राजनीति शुरू हो गई थी। पहले आम चुनाव में कांग्रेस का विरोध करने वाली सशक्त पार्टी नहीं थी तो कांग्रेस आसानी से जीतकर सत्तासीन हो जाती थी। दूसरे आम चुनाव में सरकार की उपलब्धियों और विकास पर वोट मांगना था तो आरोप है कि नेहरू ने एक वोट बैंक बना लिया, जिसमें मुस्लिम ब्राम्हण और अनुसूचित जाति के आधार पर दो चुनाव जीत गए। उनके बाद में इंदिरा गांधी ने वही रणनीति अपनाई और चुनाव दर चुनाव जीतती रहीं। बाद में राजीव गांधी ने वोट पालिसी वहीं रखी। 1992 में बाबरी मस्जिद आंदोलन के बाद जिस तरह से हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण हुआ उससे कांग्रेस का वोट बैंक उससे दूर होने लगा।

इसके बाद तो ऐसा भी समय आया कि अटल बिहारी की सरकार भी तीन बार गठबंधन से बनी। लेकिन, 2004 में भाजपा की कार्य शैली से नाराज मतदाताओ ने कांग्रेस को प्राथमिकता दी, जिससे कांग्रेस सत्ता में आ गई। मनमोहन सिंह लगातार दस वर्षों तक लगातार पीएम रहे। उनके शासनकाल के कथित घोटालों के कारण जनता ने कांग्रेस को दरकिनार कर हिंदूवादी पार्टी भाजपा को प्रचंड बहुमत देकर सत्ता सीन किया। केंद्र में सत्ता सीन होते ही भाजपा ने राम मंदिर सहित अन्य जनता से किए वायदे पूरे किए लेकिन भाजपा और संघ को अपने वोट बैंक की चिंता सताने लगी। स्थाई वोट बैंक के लिए भाजपा संघ के एजेंडे के अनुरूप एससी एसटी और ओबीसी को एक मंच पर लाने के लिए यूजीसी की गाइड लाइन में संशोधन कर दिया।

इस संशोधन से उच्च वर्ग के छात्र और छात्राओं पर तरह-तरह का खतरा मंडराने का डर सताने लगा। जिससे नाराज हो कर सवर्णों ने आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी। दूसरी ओर खतरे को भांपकर सवर्ण एडवोकेट उच्चतम न्यायालय चले गए, परिणाम स्वरूप उच्चतम न्यायालय ने स्थगन आदेश पारित कर दिया। गौरतलब है सरकार में बैठे लोग भी जानते हैं गुजरात चुनाव के दौरान भाजपा नेता पुरुषोत्तम रुपाला के एक बयान से राजस्थान गुजरात और उत्तर प्रदेश में भाजपा को भारी क्षति हुई थी इसके बाद भी यह यह निर्णय लिया गया।

सवर्ण नेता अब भी चेतावनी दे रहे हैं कि आने वाले समय में भाजपा को इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। काबिले गौर है कि सरकार के मुखिया भूल गए हैं कि कांग्रेस और सोनिया ने मुंबई हमले के बाद नरेंद्र मोदी, अमित शाह और सघ प्रमुख को फंसाने के लिए सहारा उर्दू के संपादक अज़ीज़ बर्नी से पुस्तक तक लिखवाई थी और तथ्यों को जोड़ने के प्रयास किए गए थे। तब जनता ने कांग्रेस को सत्ता से हटाकर सरकार बनवाई थी अब उसी जनता ने जो राममंदिर के बाद एक हुई है उसे बांटने का काम शुरू कर दिया गया है।

डॉक्टर्स ने हृदय को स्वस्थ रखने के बताए दो 'मूल मंत्र'

हृदय रोगों का जोखिम वैश्विक स्तर पर पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि जिस तरह से लोगों की लाइफस्टाइल खराब होती जा रही है इससे शरीर के इस महत्वपूर्ण अंग पर सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव देखा जा रहा है। हृदय रोगों से सुरक्षित रहने के लिए जरूरी है कि हम नियमित रूप से स्वस्थ आहार और व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। शोधकर्ताओं ने बताया कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आहार की विशेष भूमिका रही है, हम क्या खाते हैं इसका सीधा असर हमारी सेहत पर होता है।

एक शोध में वैज्ञानिकों की टीम ने हृदय को स्वस्थ रखने के लिए दो मूल मंत्र बताए हैं। अगर हम सभी आहार में मैग्नीशियम और पोटैशियम युक्त चीजों की मात्रा के बढ़ा लेते हैं तो इससे हृदय को

स्वस्थ रखने में विशेष लाभ मिल सकता है। रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने के साथ हृदय को कार्यों को बढ़ावा देने में इन दोनों पोषक तत्वों को बहुत महत्वपूर्ण पाया गया है।

हृदय के लिए फायदेमंद है मैग्नीशियम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, मैग्नीशियम आपके हृदय को रक्त पंप करने में मदद करता है। इस खनिज का सही स्तर दिल की धड़कन के स्तर को बेहतर रखने और हृदय रोग या दिल का दौरा पड़ने की आशंका को कम कर सकता है। यह शरीर के सैकड़ों महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में भी मदद करता है।

आपकी मांसपेशियों और तंत्रिकाओं के काम करने के तरीके को नियंत्रित करने से लेकर हड्डियों को मजबूत रखने, दिल को स्वस्थ रखने और ब्लड शुगर को सामान्य रखने में भी इसके लाभ हैं। हृदय रोगियों के लिए मैग्निशियम युक्त चीजों का सेवन जरूर करना चाहिए।

आहार में इन चीजों को करें शामिल

आहार के माध्यम से आसानी से मैग्नीशियम की पूर्ति की जा सकती है। साबुत अनाज और गहरी हरे पत्तेदार सब्जियां मैग्नीशियम का अच्छे स्रोत हैं। कम वसा वाले दूध और दही में भी मैग्नीशियम होता है। बीन्स और फलियां (जैसे सोयाबीन, बेक्ड बीन्स, दाल और मूंगफली) और नट्स (जैसे बादाम और काजू) का सेवन करके भी मैग्नीशियम प्राप्त कर सकते हैं।

पोटेशियम से वाहिकाएं रहती हैं स्वस्थ

मैग्नीशियम की ही तरह से पोटेशियम भी हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करती है, ये रक्त वाहिकाओं की दीवारों को आराम देता है, रक्तचाप को कम करता है और मांसपेशियों की ऐंठन से बचाता है। कई अध्ययनों ने पोटेशियम के कम सेवन के कारण रक्तचाप बढ़ने और स्ट्रोक के जोखिमों को लेकर लोगों को अलर्ट किया गया है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आहार में पोटेशियम को जरूर शामिल किया जाना चाहिए।

पोटेशियम कैसे प्राप्त करें?

आहार के माध्यम से पोटेशियम प्राप्त करने के लिए पत्तेदार साग, बीन्स, नट्स, डेयरी खाद्य पदार्थ, और स्टार्च वाली सब्जियों का सेवन किया जा सकता है। सूखे मेवे (किशमिश, खुबानी), बीन्स और दालें, आलू, पालक, ब्रोकोली, एवोकाडो और केले इस पोषक तत्व के अच्छे स्रोत हैं। आहार में इन चीजों को जरूर शामिल किया जाना चाहिए।

मधुमेह रोगियों को दोपहर में व्यायाम से मिल सकता है अधिक लाभ

डायबिटीज का खतरा वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रहा है। डॉक्टर कहते हैं, लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण डायबिटीज और इसकी जटिलताएं बढ़ सकती हैं, इसलिए जरूरी है कि हम सभी स्वस्थ और पौष्टिक आहार का सेवन करने के साथ शरीरिक व्यायाम की नियमित आदत बनाएं। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि यदि आप नियमित रूप से व्यायाम करते हैं तो इससे डायबिटीज की जटिलताओं के विकसित होने का जोखिम कम हो जाता है।

डायबिटीज वाले लोगों को कब व्यायाम करना चाहिए, इसको लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने विशेष सलाह दी है। डायबिटीज रोगियों पर किए गए अध्ययन के आधार पर शोधकर्ताओं ने बताया कि यदि आप दोपहर के समय व्यायाम करते हैं तो इससे अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

दोपहर में व्यायाम से मिल सकता है अधिक लाभ

जर्नल डायबिटीज केयर में प्रकाशित रिपोर्ट में अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि वैसे तो व्यायाम करना कभी भी लाभकारी हो सकता है पर मधुमेह के शिकार लोगों में पाया गया है कि यदि आप दोपहर में व्यायाम करते हैं तो यह सुबह या शाम की तुलना में अधिक लाभकारी हो सकता है।

बोस्टन स्थित ब्रिघम एंड वुमेन हॉस्पिटल में फिजियोलॉजिस्ट और अध्ययन के लेखक जिंगी कियान कहती हैं, यदि हम भोजन के बाद व्यायाम करते हैं, तो यह अधिक फायदेमंद हो सकता है।₹ यह एक थ्योरी है जिससे लोगों में लाभ मिलता देखा गया है।

व्यायाम कभी भी करना फायदेमंद

शोधकर्ता कहते हैं, इसके विपरीत जो लोग सुबह व्यायाम करते हैं, अक्सर उनका नाश्ता देर हो जाता है, जो डायबिटीज में जटिलताओं को बढ़ाने वाला हो सकता है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि अगर आपको दोपहर में समय नहीं मिल रहा है तो आप वर्कआउट छोड़ दें। व्यायाम करने का सबसे अच्छा समय वही है जब आप कर सकते हैं और जहां भी आप कर सकते हैं।

अध्ययन में क्या पता चला?

अध्ययन के लिए, टाइप-2 डायबिटीज वाले 2,400 से अधिक लोगों को अपनी कमर पर एक उपकरण पहनने को कहा गया जो शारीरिक गतिविधि पर नज़र रखता था। जिन लोगों ने दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे के बीच में व्यायाम किया, ऐसे लोगों में एक वर्ष में ब्लड शुगर के स्तर में अधिक सुधार दिखा। इतना ही नहीं, जो लोग दोपहर में व्यायाम करते थे, उनमें अब ग्लूकोज कम करने वाली मधुमेह की दवाओं की आवश्यकता भी कम हो गई।

शोधकर्ताओं ने बताया कि इस अध्ययन में किसी विशेष प्रकार के व्यायाम को लेकर जांच नहीं की गई, प्रतिभागियों ने अपने मन से वर्कआउट किया था।

क्या है शोधकर्ताओं की सलाह?

यूनिवर्सिटी ऑफ यूटा हेल्थ में प्रोफेसर तान्या हॉलिंडे कहती हैं, टाइप-2 मधुमेह वाले लोगों के लिए व्यायाम करने के लिए दिन का कौन सा समय सबसे अच्छा है, इस समय के बारे में कोई भी सिफारिश करना जल्दबाजी होगी। हम अभी तक नहीं जानते हैं कि व्यायाम के समय ने इन परिणामों को कैसे प्रभावित किया है, हालांकि लाभ जरूर देखा गया है।

व्यायाम के समय के परिणामस्वरूप आहार या नींद के पैटर्न में परिवर्तन हो सकता है जो रक्त शर्करा में सुधार और शुगर की दवाइयों की जरूरतों को कम कर सकता है। हालांकि इस बारे में ठोस दावे के लिए अभी और भी अध्ययन किए जाने हैं।

कम उम्र में ही क्यों सफेद होने लग जाते हैं बाल?

बालों की समस्या काफी तेजी से लगभग हर उम्र के लोगों में बढ़ती हुई देखी जा रही है। बालों के टूटने-झड़ने से लेकर इसके समय से पहले सफेद होने की दिक्कतें काफी सामान्य हैं, पर क्या आप इसकी वजह जानते हैं? स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, प्रदूषण, आहार में गड़बड़ी और तनाव जैसी स्थितियां बालों को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही हैं। आमतौर पर 50 की उम्र के बाद बाल सफेद होने लग जाते हैं, पर कुछ लोगों में यह समस्या 20-30 या इससे पहले की उम्र में भी हो सकती है। इसके कारणों को समझना बहुत आवश्यक है।

डॉक्टर कहते हैं, उम्र बढ़ने के साथ सामान्य तौर पर बालों के रोम छिद्र में रंग का उत्पादन कम होने लग जाता है, जिससे इस तरह की दिक्कत होती है। पर यह किस कारण से होती है और इससे बचाव कैसे कर सकते हैं, आइए जानते हैं।

बालों के रंग के पीछे का साइंस समझिए

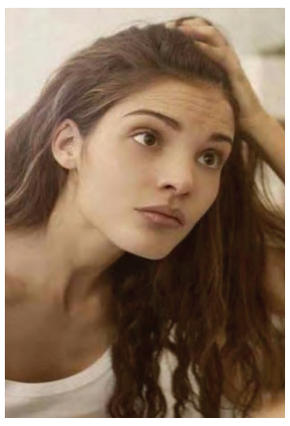

आपके बालों के रोम में वर्णक यानी रंगों का उत्पादन करने वाली कोशिकाएं होती हैं जो मेलेनिन नामक एक रसायन बनाती हैं जो आपके बालों को काला रंग देता है। जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, ये कोशिकाएं मरने लगती हैं। मेलेनिन की कमी के कारण नए बालों की समस्याएं शुरू हो जाती हैं, विशेषकर बाल ग्रे या सफेद रंग के होने लग जाते हैं। ध्यान रहे, एक बार जब कोई भी फॉलिकल मेलेनिन का उत्पादन बंद कर देता है तो इसके दोबारा शुरू होने की संभावना बहुत कम हो जाती है।

कम उम्र में होने वाली समस्या

उम्र के साथ बालों के सफेद होने की प्रक्रिया सामान्य है पर आखिर कम आयु में ही यह दिक्कत क्यों होने लगती है? इसके लिए विशेषज्ञ कई कारणों को जिम्मेदार पाते हैं जैसे- अधिक तनाव लेना या फिर कोई अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्या। शोध बताते हैं,

यह काफी हद तक आपके जीन पर भी निर्भर करता है जो तय करते हैं कि बाल कब सफेद होंगे। अगर आपके माता-पिता में से किसी के भी 30 साल की उम्र में बाल सफेद हो गए थे, तो इस बात की आशंका है कि आपके भी बाल जल्दी सफेद हो सकते हैं।

इन कारणों के बारे में भी जानिए

आनुवांशिकता के साथ कुछ और कारक भी हो सकते हैं जो समय से पहले आपके बालों के रंग को गायब कर देते हैं।

विटामिन बी 12 की कमी।

न्यूरोफाइब्रोमैटोसिस- आनुवांशिकता में मिली बीमारियां जो नसों, हड्डियों और त्वचा को प्रभावित करती हैं।

विटिलिगो की समस्या- इस स्थिति के कारण मेलानोसाइट्स (बालों के रोम के आधार पर कोशिकाएं जो रंग पैदा करती हैं) आपना रंग खो देती हैं।

एलोपीसिया एसरिटी की समस्या बालों के झड़ने से संबंधित है, पर इसके कारण भी आपके बाल सफेद हो सकते हैं।

बालों को सफेद होने से कैसे रोकें?

डॉक्टर कहते हैं, समय से पहले बालों को सफेद होने से रोकने के लिए कुछ प्रयास किए जा सकते हैं, हालांकि आनुवांशिकता के जोखिम में इसे कम नहीं किया जा सकता।

एंटीऑक्सीडेंट वाली चीजें अधिक खाएं। सब्जियों और फलों में बहुत सारे एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो बालों को सफ़ेद होने से रोकने में सहायक हैं।

धूम्रपान न करें।

आहार से पर्याप्त मात्रा में विटामिन्स लें। आपके बालों को स्वस्थ रखने के लिए विटामि बी-12 आवश्यक है।

पर्याप्त खनिज प्राप्त करें- बालों के विकास और कोशिकाओं को स्वस्थ रखने में मिनरल्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

देश की 70% आबादी में जरूरी विटामिन डी की कमी, आप भी तो नहीं हैं शिकार?

भारत जैसे देश में जहां साल के लगभग हर महीने में धूप रहती है, बावजूद इसके देश की 70-80% आबादी में विटामिन-डी की कमी देखी जा रही है। सूर्य की रोशनी को इस विटामिन की सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों में विटामिन-डी की कमी होती हैं उनमें कई तरह की बीमारियों और स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

हर 5 में से 4 भारतीय को विटामिन-डी की कमी

विटामिन-डी शरीर के लिए सबसे जरूरी पोषक तत्वों में से एक है। इसकी कमी न सिर्फ हड्डियों को कमजोर करती है, बल्कि इम्यून सिस्टम, मांसपेशियों और मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती है। खराब लाइफस्टाइल, धूप में कम रहने और गलत खानपान के कारण भारतीय आबादी में इस जरूरी पोषक तत्व की कमी होती जा रही है।

विटामिन-डी की कमी का शरीर पर क्या असर होता है?

विटामिन-डी शरीर के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व है इसे सनशाइन विटामिन भी कहा जाता है। ये विटामिन शरीर में कैल्शियम और फॉस्फोरस के अवशोषण में मदद करता है जो हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत रखने के लिए जरूरी है। इम्यून सिस्टम को ठीक रखने और कई हार्मोनल प्रक्रियाओं को संतुलित रखने के लिए भी विटामिन-डी जरूरी है। जब शरीर में विटामिन-डी की कमी हो जाती है, तो इसका असर सिर्फ हड्डियों पर नहीं बल्कि पूरे शरीर पर दिखाई देता है।

हड्डियां होने लगती हैं कमजोर

विटामिन-डी की कमी होने पर शरीर कैल्शियम को ठीक से इस्तेमाल नहीं कर पाता, जिससे हड्डियां धीरे-धीरे कमजोर होने लगती हैं।

इम्युनिटी पर भी पड़ता है असर

विटामिन-डी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे संक्रमण से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। इसकी कमी होने पर व्यक्ति बार-बार सर्दी, खांसी, फ्लू और अन्य संक्रमणों का शिकार हो सकता है।

हृदय की सेहत पर भी पड़ता है असर

विटामिन-डी की कमी को हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर और टाइप-2 डायबिटीज जैसी क्रॉनिक बीमारियां भी हो सकती हैं।

विटामिन-डी की कमी है तो क्या करें?

विटामिन-डी की कमी को पूरा करने के लिए सही दिनचर्या, संतुलित आहार और रोजाना धूप में थोड़ा समय बिताना जरूरी है।

कलौंजी शरीर में यूरिक एसिड को गलाकर कर देता है बाहर

प्यूरिन के क्रिस्टल बनने लगते हैं मोम, जोड़ों के दर्द से मिलता है छुटकारा

कई अध्ययनों से पता चला है कि कलौंजी किडनी को नुकसान पहुंचाने से बचाती है और यूरिक एसिड को कंट्रोल करती है। यूरिक एसिड रक्त में पाया जाने वाला एक अपशिष्ट उत्पाद है। यह तब बनता है जब शरीर प्यूरीन नामक रसायन को तोड़ता है।

अधिकांश यूरिक एसिड रक्त में घुल जाते हैं,किडनी उन्हें फिल्टर करके यूरीन के जरिए बॉडी से बाहर निकाल देती है। प्यूरीन से भरपूर भोजन और पेय पदार्थ यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ाते हैं।

डाइट में कुछ खास तरह के फूड्स जैसे मीठा पेय और मिठाईयां, फ्रुक्टोज का अधिक सेवन, अल्कोहल, मांस का अधिक सेवन, हेरिंग, स्कैलप्प्स, मसल्स, कॉडफ़िश, टूना सहित कुछ समुद्री भोजन,रेड मीट का अधिक सेवन यूरिक एसिड को तेजी से बढ़ाता है।

जब शरीर में बहुत अधिक यूरिक एसिड रहता है, तो हाइपरयुरिसीमिया नामक स्थिति उत्पन्न हो जाती है। हाइपरयुरिसीमिया यूरिक एसिड (या यूरेट) के क्रिस्टल बनने का कारण बन सकता है। ये क्रिस्टल जोड़ों में जम सकते हैं और गठिया का कारण बन सकते हैं। गठिया बहुत दर्दनाक हो सकता है। इसकी वजह से किडनी में पथरी हो सकती है।

डॉक्टर के मुताबिक यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए कालौंजी का सेवन बेहद असरदार साबित होता है। कालौंजी औषधीय गुणों से भरपूर एक ऐसा मसाला है जिसका सेवन करके आसानी से यूरिक एसिड को कंट्रोल किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि कलौंजी का सेवन कैसे यूरिक एसिड को कंट्रोल करता है।

कलौंजी कैसे यूरिक एसिड को कंट्रोल करती है

जिन लोगों का यूरिक एसिड हाई रहता है वो कालौंजी को

अपनी डाइट में शामिल करें। कलौंजी में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं जो सूजन और गाउट के हमले को कंट्रोल करने में असरदार साबित होते हैं। इस बीज को लेने से गाउट के जोखिम को कम कर सकते हैं। एक अध्ययन में रुमेटीइड गठिया के 42 रोगियों को दो महीने तक रोजाना कलौंजी लेने को कहा गया। अध्ययन में शामिल जिन रोगियों ने कालौंजी का सेवन किया उन रोगियों को सूजन और दर्द से राहत मिली।

एक और रिसर्च से पता चला है कि कलौंजी सूजन को कंट्रोल करती है, गाउट अटैक की गंभीरता को कम करने में मदद कर सकती है। कलौंजी में एन-ब्यूटिलफ्थालाइड और बीटा-सेलिनिन नाम के दो कंपाउंड होते हैं जो कि बढ़े हुए यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। ये नाइट्रिक ऑक्साइड के क्रिस्टल्स को हड्डियों में जमा होने से रोकते हैं और यूरिक एसिड को कंट्रोल करते हैं।

यदि आप गाउट से पीड़ित हैं और यूरिक एसिड बढ़ने के कारण जोड़ों में क्रिस्टल जमा हो रहे हैं तो आप कलौंजी का सेवन करें। कई अध्ययनों से पता चला है कि कलौंजी किडनी को नुकसान पहुंचाने से बचाती है। किडनी स्टोन से बचाव करने के लिए आप कलौंजी के पाउडर को शहद और गर्म पानी के साथ मिलाकर उसका सेवन करें।

कलौंजी का सेवन कैसे करें

इन चमत्कारी बीज का सेवन कई तरह से किया जा सकता है। आप इसका सेवन खाने में शामिल करके कर सकते हैं।आप इसे अपने सलाद, सॉस, करी, अचार और सब्जियों में इस्तेमाल कर सकते हैं। इसकी सुगंध और स्वाद दोनों बेहतर होता है। कलौंजी को सप्लीमेंट या पाउडर के रूप में भी लिया जा सकता है।

ऐसे बढेगी रोग प्रतिरोधक क्षमता

प्रश्न : हम अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता कैसे बढ़ा सकते हैं? कृपया बताएं।

- संदीप सिंह, हैदराबाद

उत्तर : आज के प्रदूषण और मौसम में भारी बदलाव के चलते हमें हमारी नैसर्गिक रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना जरुरी है । इस क्षमता के माध्यम से ही हम बिमारियों से काफी हद तक सुरक्षित रह सकते हैं। कुछ सरल उपाय है जिन्हें अपनाया जा सकता है।

* अधिक मात्रा में प्रोटीन सेवन करें। दूध, दही , पनीर, सोयाबीन, देसी चने का प्रयोग करें ।
* मेवे नित्य लेवें। अखरोट, बादाम, अलसी, तिलादि का प्रयोग करें।
* मौसमी फल व सब्जियों का सेवन करें।
* सुबह के नाश्ते में बाजरा, ओट्स, सोया, गेहूं, चना शामिल करें ।

* एंटीआक्सीडेंटस युक्त आहार लेवें। ऐसा आहार लेवे जिनमें जीवनीय तत्व, बिटाकेरोटिन, जस्ता,सिलेनियम,लौह तत्व प्रचुर मात्रा में हो । हरि सब्जियां, लाल टमाटर, शिमला मिर्च, चुकुंदर, पपीता, संतरा ,अंगूर आदि लेवें।
* नित्य व्यायाम करें।
* यथासंभव तनाव मुक्त रहें। हमेशा प्रसन्न रहें।
* मुलेठी, अश्वगंधादि चूर्ण (पुरुष) शतावर्यादि चूर्ण (स्त्री) नित्य लेवे।
* ऊंझा च्यवनप्राश, औरा कोहिनूरप्राश, स्वर्णिमप्राश, रजवाड़ीप्राश, ऊंझा पंचासव आदि का नित्य प्रयोग करें।

यह कुछ ऐसे उपाय हैं जिसका आप अपने जीवन में समावेश करके अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा सकते हैं।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। पिछले 2 माह से ज्वर सता रहा है। मलेरिया, टाइफाइड ,सभी की जांच करवाई कोई नतीजा नहीं। शाम होते ही ज्वर आता है, जो सुबह तक बना रहता है। उचित परामर्श देवें।

- ए विद्यासागर,सिकंदराबाद

उत्तर : ज्वर में अग्नि स्वर स्थान में न रहकर पूरे शरीर में फैल जाती है। लगातार बुखार की हालत में पाचन क्रिया बुरी तरह प्रभावित होती है। और धीरे-धीरे कमजोरी बढ़ती जाती है। ऐसे जीर्ण ज्वरों में आयुर्वेद की दवाएं अच्छा नतीजा देती है।

* ऊंझा संशमनी वटी , महासुदर्शन घन वटी, ऊंझा लघु मालिनी वसंत रस टिकिया को दिन में तीन बार गुनगुने पानी से देवें। अनुपान में - ऊंझा महासुदर्शन काढ़ा 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में 3 गुने गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करें। ऐसा आधा मंडल यानी 20 दिन औषधि सेवन करने पर पुराना ज्वर शांत हो जाएगा।
* पुराने बुखार में ऊंझा अमृतारिष्ट एवं औरा गिलोय घनवटी, ऊंझा लक्ष्मी विलास रस दो-दो गोली दिन में तीन बार लेने से लाभ मिलता है।
* जीर्ण ज्वर का रोगी गरिष्ठ भोजन, तले - नमकीन पदार्थ, मिठाइयां ,बासी भोजन, दही आदि से बचें। सुपाच्य, ताजा, संतुलित, समयोचित भोजन लेवे।

भूख कम लगने पर या अरुचि की स्थिति में सूखा आलूबुखारा चुसे। मुनक्का को सेंककर सेंधा नमक लगाकर खाएं। इससे पुराने बुखार में राहत मिलेगी।

प्रश्न : मेरी उम्र 65 वर्ष है। मेरे घुटनों में भयंकर दर्द होता है। उठने -बैठने, चलने- फिरने में कठिनाई होती है। पेट साफ नहीं रहता। कब्ज की शिकायत है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं ।

- अंजी रेड्डी, खम्मम

उत्तर : बढ़ती उम्र में संधिवात की समस्या आम हो गई है। इसे ही ओस्टियोआर्थराइटिस कहते हैं। घुटनों की संधियों में स्थित श्लेषक कफ याने सायनोवियल फ्लुइड कम हो जाने से हड्डियों में घर्षण होने के कारण संधि शोथ और तीव्र पीड़ा होने लगती है। इसका आयुर्वेद में उपचार है । ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, औरा रुमाटाइज टेबलेट, वातगजांकुश रस , ऊंझा नवरत्न कल्पामृत रस की गोली भोजन के बाद पानी से लेवे । भोजन के बाद ही ऊंझा महारास्नादि काढ़ा 15 -15 मिलीलीटर दवा को 3 गुने, गुनगुने पानी में मिलाकर लेवे। दर्द और सूजन दोनों ही कम होने लगेंगे।

रूमूव कैप्सूल को शॉर्ट मिश्रित दूध से लेने पर दर्द में बहुत जल्दी राहत मिलने लगती है ऊंझा महानारायण तेल या रूमाटाईज तैल दर्द वाली संधियों पर सहलाएं या हल्की मालिश करें। ऐसा करने से तुरंत ही फायदा होने लगता है।

गरिष्ठ भोजन, भोजन पर भोजन, तीखे- मिर्च मसालेदार भोजन, बासी भोजन , वातवर्धक आहार- विहार का त्याग करें । ताजा, संतुलित, सुपाच्य व पौष्टिक भोजन करें। तनाव -चिंता से दूर रहें। हल्का व्यायाम करना शुरू करें। इन कदमों से जोड़ों का दर्द कम होने लगता है ।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

घर के बाहर गोलीबारी की घटना के बाद रोहित शेट्टी ने रद्द किए सारे प्लान? इंडस्ट्री के दोस्तों से की ये गुजारिश

'सिंघम' फेम निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी के मुंबई के जुहू स्थित घर के बाहर हुई गोलीबारी की घटना ने सबको चौंका दिया है। शनिवार देर रात आरोपियों ने निर्देशक के घर के बाहर चार राउंड फायरिंग की। घटना जिस वक्त हुई, तब रोहित शेट्टी घर पर ही मौजूद थे। गनीमत रही कि गोलीबारी में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इस बीच रोहित शेट्टी ने अहम फैसला लिया है।

अगले दो दिनों के लिए सभी प्लान रद्द

निर्देशक रोहित शेट्टी गोलीबारी की घटना के बाद पुलिस की जांच में पूरी तरह सहयोग कर रहे हैं। इस मामले में उनके बयान दर्ज हुए हैं। फिलहाल उन्होंने अगले दो दिनों के लिए अपने सभी प्लान रद्द कर दिए हैं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों के अनुसार, रोहित शेट्टी ने अगले दो दिनों के लिए अपने सभी प्लान कैंसिल कर दिए हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने इंडस्ट्री के अपने करीबी दोस्तों से भी गुजारिश की है कि वे अगले 48 घंटे तक उनसे मिलने न आएं।

दोस्तों से घर न आने की गुजारिश की

रिपोर्ट्स के मुताबिक गोलीबारी की घटना के बाद रोहित शेट्टी ने अपने करीबी दोस्तों जैसे अजय देवगन से कहा है कि वे अगले दो दिन निर्देशक के आवास पर उनसे मिलने न आएं। सूत्र ने आगे बताया, 'रोहित फिलहाल मुंबई पुलिस के साथ सहयोग कर रहे हैं और अपना बयान रिकॉर्ड करवा रहे हैं। वह जांच में पूरी तरह शामिल हैं। हालांकि उनके घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है, फिर भी उन्होंने इंडस्ट्री के अपने सभी दोस्तों से घर न आने को कहा है। वह अपने सभी परेशान दोस्तों और सहकर्मियों से सिर्फ कॉल और मैसेज के जरिए बात कर रहे हैं'।

पति धर्मेंद्र को पद्म विभूषण से सम्मानित किए जाने पर हेमा मालिनी ने दिया रिएक्शन, इस एक बात को लेकर हैं मायूस

दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र को पद्म विभूषण अवॉर्ड दिया गया है। इस पर उनकी पत्नी और अभिनेत्री हेमा मालिनी ने सोमवार को खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि भारतीय सिनेमा में उनके बहुत बड़े योगदान के लिए यह सम्मान पहले नहीं मिला।

अगर ऐसा होता तो फैंस खुश होते

एएनआई से बातचीत में हेमा मालिनी ने कहा कि यह सम्मान न सिर्फ परिवार के लिए बल्कि पूरे देश के लिए खुशी का पल है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर हुए इस एलान पर उन्होंने कहा, 'इससे हम बहुत खुश हैं। पूरा देश खुश है। अगर यह पहले मिला होता, तो धर्मेंद्र जी बहुत खुश होते। उन्हें देखकर उनके फैंस और भी खुश होते।'

हेमा को है इस बात का गर्व

भारत का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान, पद्म विभूषण, धर्मेंद्र को कला के क्षेत्र में उनकी सेवा के लिए दिया जाएगा। एक दूसरे बयान में हेमा मालिनी ने कहा 'मुझे बहुत गर्व है कि सरकार ने धरम जी के फिल्म इंडस्ट्री में बड़े योगदान को पहचानते हुए उन्हें पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया है।' उन्होंने केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया।

इन फिल्मों में धर्मेंद्र ने किया काम

हिंदी सिनेमा में 'ही-मैन' के नाम से मशहूर धर्मेंद्र का 24 नवंबर, 2025 को 89 साल की उम्र में निधन हो गया था। धर्मेंद्र को भारतीय सिनेमा के सबसे आइकॉनिक एक्टर्स में से एक माना जाता था। उन्होंने 'शोले', 'चुपके-चुपके', 'आया सावन झूम के', 'आई मिलन की बेला' और 'अनुपमा' जैसी फिल्मों में अभिनय किया है।

94 की उम्र में फिल्म बनाएंगे निर्देशक सिंगीतम श्रीनिवास राव, 10 साल के ब्रेक के बाद करेंगे वापसी

94 वर्ष की आयु! अक्सर जीवन के इस पड़ाव पर व्यक्ति को आराम करने और भक्ति में ध्यान लगाने की सलाह दी जाती है। मगर, जुनून और शौक बड़ी चीज है। सिनेमा का ऐसा ही शौक है दिग्गज निर्देशक सिंगीतम श्रीनिवास राव को, जो करीब दस साल के ब्रेक के बाद डायरेक्शन में वापसी कर रहे हैं। हाल ही में उनके नए प्रोजेक्ट का एलान हुआ है। फिल्म के टाइटल का आधिकारिक एलान भी जल्द होगा।

नाग अश्विन की फिल्म का करेंगे निर्देशन

दिग्गज डायरेक्टर सिंगीतम श्रीनिवास ने नए प्रोजेक्ट का एलान किया है। सिंगीतम ने नाग अश्विन की 'कल्कि 2898 AD' में अपने क्रिएटिव इनपुट दिए थे। इसके बाद सिनेमा में बतौर डायरेक्टर कमबैक के लिए तैयार हैं। इस फिल्म को अस्थाई रूप से 'SSR61' कहा जा रहा है। इसे नाग अश्विन वैजयंती मूवीज के बैनर तले प्रोड्यूस करेंगे। बीते दिनों पूजा सेरेमनी के बाद इस फिल्म की औपचारिक घोषणा हुई।

बोले- 'मैं अभी रिटायर नहीं हूं'

वैजयंती मूवीज के एक्स अकाउंट से पोस्ट साझा कर यह जानकारी दी गई कि सिंगीतम श्रीनिवास राव बतौर निर्देशक वापसी कर रहे हैं। साझा किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि सिंगीतम श्रीनिवास राव टीम को निर्देश दे रहे हैं। पूरे उत्साह के साथ उन्हें सेट पर काम करते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में वे कहते दिख रहे हैं, 'मैं आपको बता देना चाहता हूं कि मैं रिटायर नहीं हूं'।

देवी श्री प्रसाद कंपोज करेंगे म्यूजिक

वैजयंती मूवीज के मुताबिक, SSR61 को डायरेक्टर की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म बताया जा रहा है। यह उनकी बड़ी और प्रभावशाली फिल्मोग्राफी को देखते हुए एक बड़ी बात है। फिल्म का म्यूजिक देवी श्री प्रसाद कंपोज करेंगे, जिससे प्रोजेक्ट में एक मॉडर्न टच और एनर्जी आएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में नए कलाकार भी कास्ट का हिस्सा हो सकते हैं। फिल्म की कास्ट और कहानी के बारे में और डिटेल्स अभी सामने नहीं आई हैं।

आदित्य धर ने 'धुरंधर' में रणवीर सिंह के एक सीन को लेकर किया पोस्ट, समझाईं बारीकियां

'धुरंधर' का क्रेज नेटफ्लिक्स पर इसकी ओटीटी रिलीज के चलते अभी भी चरम पर है। इस चर्चा के बीच, एक यूजर ने रणवीर सिंह और रहमान डकैत के गिरोह के बाकी सदस्यों के बंदूक पकड़ने के तरीके में अंतर की ओर ध्यान दिलाया। निर्देशक आदित्य धर का इस अंतर के पीछे का स्पष्टीकरण आपको चौंका देगा।

आदित्य धर का पोस्ट

निर्देशक आदित्य धर ने फिल्म 'धुरंधर' के एक खास डिटेल पर ध्यान दिलाया। उन्होंने बताया कि रणवीर सिंह का किरदार हमजा अली मजहरी बंदूक को सही और सुरक्षित तरीके से पकड़ता है, यानी ट्रिगर से उंगली दूर रखता है। वहीं दानिश पांडोर का किरदार उजैर बलोच (रहमान डकैत का भाई) बंदूक को अलग और गलत

तरीके से पकड़ता है, जहां उंगली ट्रिगर पर रहती है।

आदित्य का नोट

आदित्य धर ने इस पोस्ट के साथ लिखा, हमजा जरूरत पड़ने तक ट्रिगर से उंगली दूर रखता है और सोच-समझकर गोली चलाता है। लेकिन उजैर की उंगली ट्रिगर पर रहती है, जिससे गुस्से या गलती से गोली चल सकती है और निर्दोष लोग घायल हो सकते हैं। उन्होंने हमजा और उजैर की तस्वीर भी शेयर की ताकि अंतर समझ सकें।

फिल्म 'धुरंधर' की कहानी

फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर माधवन और सारा अर्जुन जैसे कलाकार हैं। यह 5 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। कहानी एक भारतीय गुप्तचर एजेंट के इर्द-गिर्द है, जो पाकिस्तान के कराची के अंडरवर्ल्ड में घुसपैठ करता है और एक खतरनाक गिरोह को खत्म करने की कोशिश करता है। यह असल जिंदगी की घटनाओं से प्रेरित है। यह अब नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

कब रिलीज होगी 'धुरंधर 2'

'धुरंधर 2', 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभी इसकी शूटिंग चल रही है। हाल ही में मुंबई में शूटिंग के कुछ फोटो और वीडियो सामने आए हैं, जिनमें अर्जुन रामपाल (मेजर इकबाल) और संजय दत्त (एसपी असलम चौधरी) के बीच तनाव भरे सीन दिख रहे हैं। इस फिल्म के फैंस अब सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'महिलाएं हमारे जीवन की सबसे बड़ी ताकत..', पिता बनने के बाद रामचरण का पहला पोस्ट, सेलेब्स ने दी बधाई

साउथ के स्टार राम चरण और उनकी पत्नी उपासना ने जुड़वा बच्चों का स्वागत किया है। आज राम चरण ने एक पोस्ट में जुड़वा बच्चों के पिता बनने को लेकर पोस्ट साझा की है। इसमें उन्होंने लिखा 'यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमें एक बेटा और एक बेटी हुई है। दो बेटियों और एक बेटे का होना हमें बहुत खुशी देता है। महिलाएं हमारी सबसे बड़ी ताकत रही हैं। मैं अपने सभी फैन्स, परिवार और शुभचिंतकों का बहुत आभारी हूं जो हर पल हमारे साथ खड़े रहे और हमारा साथ दिया।' फिल्म जगत की कई हस्तियों ने राम चरण के दोबारा पिता बनने पर बधाई दी है।

जूनियर एनटीआर

अभिनेता जूनियर एनटीआर ने एक्स पर राम चरण और उनकी पत्नी को बधाई दी है। उन्होंने लिखा 'राम चरण और उपासना के यहां जुड़वा बच्चे होने की शुभकामनाएं।

आपका प्यार बना रहे। आप खुश और स्वस्थ रहें।'

काजल अग्रवाल

अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने राम चरण और उपासना को जुड़वा बच्चों के स्वागत करने पर बधाई दी है। उन्होंने राम चरण की पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा 'उपासना और राम चरण, आप लोगों के नए बच्चों को बहुत सारा प्यार और उनके लिए दुआएं।'

सोनाक्षी सिन्हा

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने राम चरण की पोस्ट पर बधाई दी है। उन्होंने लिखा 'बुहत-बहुत शुभकामनाएं।'

अविनाश गोवारिकर

फोटोग्राफर अविनाश गोवारिकर ने इंस्टाग्राम पर राम चरण और उपासना की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा 'बधाई हो। बहुत खुश हूं कि मुझे सही समय पर यह तस्वीर लेने का मौका मिला।'

चिरंजीवी

आपको बता दें कि राम रचण के पिता चिरंजीवी ने सबसे पहले उनके माता पिता बनने पर पोस्ट की थी। उन्होंने लिखा 'बहुत खुशी के साथ हम आपको यह बता रहे हैं कि राम चरण और उपासना को जुड़वां बच्चे हुए हैं, एक लड़का और एक लड़की। बच्चे और मां दोनों स्वस्थ हैं। इन नन्हे-मुन्नों का स्वागत करना और दादा-दादी बनने का सौभाग्य, हमारे लिए ईश्वर का आशीर्वाद है। आप सबकी प्रार्थना, प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए दिल से धन्यवाद।'

राम और उपासना का रिश्ता

राम चरण और उपासना ने डेटिंग के बाद 2011 में सगाई की। 2012 में हैदराबाद में एक समारोह में दोनों ने शादी कर ली। उनकी पहली बच्ची, क्लिन कारा, का जन्म 2023 में हुआ।

दावा- उर्फी जावेद को इस्लाम से निकाला गया : नाम हुआ गीता भारद्वाज एक्ट्रेस बोलीं- मैं किसी धर्म को नहीं मानती तो निकालोगे कैसे

एक्ट्रेस उर्फी जावेद फतवा जारी होने के दावे से सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक इन्फ्लूएंसर ने दावा किया है कि एक्ट्रेस को इस्लाम से निकाल दिया गया है, जिसके बाद उनका नाम गीता भारद्वाज हो चुका है। अब एक्ट्रेस ने इन दावों पर बेबाक जवाब दिया

है। उनका कहना है कि वो नास्तिक हैं, तो उन्हें किसी भी धर्म से कैसे निकाला जा सकता है।

उर्फी जावेद ने हाल ही में आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में इस्लाम से निकाले जाने के दावे पर कहा, 'कब निकाला गया है। मैं खुद ही निकल गई बहुत पहले। ये क्या सवाल है।'

गीता भारद्वाज नाम रखने के सवाल पर उर्फी ने कहा, 'किसने बोला है ये। कोई रिपोर्ट नहीं है। खुद अपने आप लोग ये सब बना रहे हैं। मैं कोई धर्म नहीं मानती। मैं नास्तिक हूं। तो मुझे कहां से निकालोगे। जिसका कोई ठिकाना ही नहीं है, उसे कहां से निकालोगे।'

कैसे शुरू हुईं अफवाहें?

हाल ही में पॉपुलर इन्फ्लूएंसर फैजान अंसारी ने एक वीडियो जारी कर उर्फी पर बार-बार इस्लाम का अपमान करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि उर्फी बार-बार इस्लाम और कुरान का मजाक उड़ाती हैं। ऐसे में सभी मुस्लिमों ने मिलकर ये फैसला किया है कि अब उन्हें इस्लाम से निकाला जा रहा है। उनका नाम उर्फी जावेद नहीं गीता भारद्वाज है।

फैजान ने वीडियो में ये भी दावा किया है कि उन्होंने एक मौलवी को लिखित पत्र भेजकर जल्द ही इस पर आदेश जारी करने की अपील की है।

उर्फी जावेद के बयान पर हुआ था विवाद

बता दें कि उर्फी जावेद लगातार ये बताती रही हैं कि वो किसी धर्म को नहीं मानती हैं। कुछ समय पहले ही उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि धर्म किसी भी इंसान पर थोपा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने ये भी कहा कि इस्लाम में मर्द हमेशा महिलाओं को कंट्रोल में रखते हैं और उन्हें आजादी नहीं देते।

कृति सेनन ने मनीष मल्होत्रा के लिए लिखा खास पोस्ट खूबसूरत आउटफिट्स पर जताया आभार

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने बीते महीने अपनी बहन और एक्ट्रेस नुपूर सेनन की शादी धूम-धाम से सेलिब्रेट की थी। शादी के बाद अभिनेत्री लगातार अलग-अलग फंक्शन से जुड़ी फोटोज सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रही हैं। उन्होंने अपनी बहन की विदाई को लेकर भी एक भावुक पोस्ट किया था, लेकिन अब उन्होंने इंडस्ट्री के मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के लिए एक थैंक्यू पोस्ट किया है। कृति सेनन और उनके पूरे परिवार ने नुपूर की शादी में जितनी भी इंडियन ड्रेसेज पहनी थीं, उन्हें मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन किया था। नुपूर की शादी का लहंगा और उनके माता-पिता समेत कृति की ड्रेस भी मनीष ने खास तौर पर डिजाइन किए थे। अब कृति ने इतनी खूबसूरत इंडियन ड्रेसेज और शादी को यादगार बनाने के

लिए डिजाइनर का धन्यवाद किया है।

उन्होंने परिवार के साथ फोटोज पोस्ट कर लिखा, मेरे खास दोस्त मनीष मल्होत्रा के लिए खास पोस्ट। शादी के लिए मेरे पूरे परिवार को इतने खूबसूरत ढंग से सजाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

उन्होंने लिखा, आपने सभी के लुक को इतने प्यार, स्नेह और आशीर्वाद से कस्टमाइज किया कि दुल्हन से लेकर मेरे माता-पिता तक, जो पहली बार मनीष मल्होत्रा की ड्रेस पहनकर बेहद खुश थे, सभी खुश और सहज महसूस कर रहे थे। सबके चेहरों पर दिख रही खुशी सब कुछ बयां कर रही है। हमारे खास दिन को और भी खूबसूरत बनाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

बहन नुपूर की शादी के दिन कृति ने ऑफ व्हाइट और गोल्डन कलर का लहंगा पहना था, जिस पर पैच वर्क से लेकर बारीक कढ़ाई की गई थी, जबकि अभिनेत्री की मां ने पिंक और गोल्डन कलर की हैवी एम्ब्रॉयडरी वाली साड़ी पहनी थी। वहीं, दुल्हन नुपूर का लहंगा पिंक और रेड दोनों शेड्स के साथ था। सभी इंडियन ड्रेसेस एक से बढ़कर एक थीं।

नुपूर सेनन से पहले मनीष मल्होत्रा परिणीति चोपड़ा, आलिया भट्ट, करीना कपूर, ऐश्वर्या राय बच्चन, कियारा आडवाणी और कैटरीना कैफ तक के लिए आउटफिट डिजाइन कर चुके हैं। उन्होंने कियारा आडवाणी, कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट के लिए शादी का आउटफिट डिजाइन किया था।

संजय मिश्रा को किस तरह के रोल पर आता है गुस्सा? बताया निर्माता सबसे ज्यादा करते हैं पसंद

संजय मिश्रा अपकमिंग फिल्म 'वध 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में टाइपकास्ट होने के बारे में बात की। उन्होंने माना कि बार-बार एक जैसे रोल मिलने से कभी-कभी उन्हें चिड़चिड़ापन महसूस होता है।

टाइपकास्ट पर बोले संजय मिश्रा

एएनआई के साथ बातचीत में संजय मिश्रा ने माना कि फिल्म इंडस्ट्री में पिछले काम की वजह से प्रोड्यूसर अक्सर उन्हें कॉमेडी रोल में ही लेते हैं। फिल्मों में टाइपकास्टिंग के अनुभव के बारे में पूछे जाने पर एक्टर ने कहा, 'हां होता है। आपको टाइपकास्ट होना ही पड़ता है। प्रोड्यूसर्स को यह अच्छा लगता है। वह सोचते हैं कि अगर कोई कॉमेडी फिल्म है तो संजय मिश्रा इसे एक ही टेक में कर देंगे। उन्हें बुलाओ।'

इस बात से नाराज संजय मिश्रा

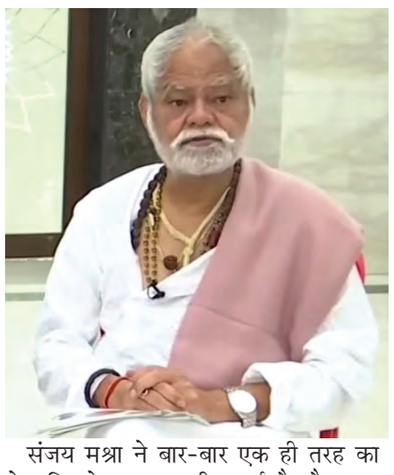

संजय मश्रा ने बार-बार एक ही तरह का रोल मिलने पर नाराजगी जताई है और काम मिलने पर खुशी भी जताई है। उन्होंने कहा, 'मुझे बार-बार वही रोल मिलने पर गुस्सा आता है। हालांकि यह अच्छी बात है कि कम से कम जब मेरे पास कुछ नहीं था, तब काम तो था।'

किन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं संजय मिश्रा?

संजय मिश्रा ने फिल्म 'ओह डार्लिंग! ये है इंडिया!' (1995) से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की थी। वह 'आंखों देखी', 'मसान', 'कामयाब' और 'कड़वी हवा' जैसी बेहतरीन फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

कौन है 'वध 2' का निर्देशक?

संजय मिश्रा और नीना गुप्ता फिल्म 'वध 2' में नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इसमें नीना गुप्ता, कुमुद मिश्रा, अक्षय डोगरा, अमित के सिंह, शिल्पा शुक्ला और योगिता बिहानी जैसे कलाकार होंगे। इसे जसपाल सिंह संधू ने लिखा और डायरेक्ट किया है। इस फिल्म को 'वध' का स्पिरिचुअल सीक्वल बताया जा रहा है।

ग्रैमी 2026 में भारत के हाथ लगी मायूसी, अनुष्का शंकर अवॉर्ड से चूकीं

ग्रैमी अवॉर्ड 2026 में भारत के हाथ मायूसी लगी है। भारत को कोई भी अवॉर्ड नहीं मिला है। भारत से अनुष्का शंकर को ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नामांकित किया गया था। हालांकि ग्लोबल स्टार बैड बनी ने उस कैटेगरी में बाजी मार ली। 2026 ग्रैमी अवॉर्ड्स का एलान सोमवार को किया गया।

किस कैटेगरी में मिला नामांकन?

ग्रैमी अवॉर्ड में एक कैटेगरी बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस थी। इसी के तहत भारतीय मूल की संगीतकार और कंपोजर अनुष्का शंकर को गाने 'डेब्रेक' के लिए नामांकित किया गया था। इसमें आलम खान और सारथी कोरवार भी थे। इस अवॉर्ड पर ग्लोबल स्टार बैड बनी ने कब्जा किया। उन्होंने अपने ट्रैक 'EoO' के लिए यह अवॉर्ड जीता।

ग्रैमी अवॉर्ड इवेंट में क्यों नहीं पहुंची अनुष्का?

ग्रैमी अवॉर्ड इवेंट में अनुष्का शंकर नहीं पहुंचीं। उन्होंने सेरेमनी से पहले अपने इंस्टाग्राम पर अपने नामांकन और इस साल इवेंट में शामिल न होने के अपने फैसले के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'आज ग्रैमी डे है! मुझे अपने एल्बम 'चैप्टर III: वी रिटर्न टू लाइट' और एल्बम के लीड गाने 'डेब्रेक' के लिए दो बार नामांकित होने पर गर्व है।'

शंकर ने यह भी बताया कि उन्होंने जानबूझकर अवॉर्ड्स नाइट से दूर रहने और इसके बजाय भारत में समय बिताने का फैसला किया। उन्होंने लिखा 'यह मेरे 12वें और 13वें नॉमिनेशन हैं, जो अपने आप में बहुत बड़ी बात है! साथ ही, लॉस एंजिलिस में न होना और बड़े अवॉर्ड इवेंट्स के साथ आने वाले एक्साइटमेंट और स्ट्रेस के भंवर में न फंसना अच्छा लग रहा है। इस साल, मैंने जानबूझकर न जाने और सेरेमनी के दौरान भारत में रहने का फैसला किया।'

अनुष्का को ग्रैमी में 13वीं बार मिला नामांकन

ख्याल रहे कि अनुष्का शंकर ग्रैमी के इतिहास में सबसे ज्यादा बार नामांकन पाने वाले भारतीय कलाकारों में से एक हैं। उनके गाने 'डेब्रेक' ने उन्हें कुल मिलाकर 13वां ग्रैमी नामांकन दिलाया है।

कौन हैं अनुष्का शंकर?

अनुष्का शंकर सितार वादक, संगीतकार और लेखिका हैं। वह महान सितार वादक पंडित रवि शंकर की बेटी और मशहूर गायिका नोरा जोन्स की सौतेली बहन हैं।

कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, बजट में छत्तीसगढ़ को क्या मिला

सीएम विष्णुदेव से बताया राज्य को क्या होगा फायदा

रायपुर, 2 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद में 2026-27 का आम बजट पेश किया। इस बजट पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि इस बजट से छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों को सीधा लाभ मिलेगा। यह बजट भारत के सुनहरे और विकसित भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक दस्तावेज है।

कर्तव्य भवन में प्रस्तुत किया गया यह पहला बजट है, जिसमें देश के समग्र विकास और प्रत्येक नागरिक के कल्याण को ध्यान में रखते हुए तीन प्रमुख कर्तव्यों, आर्थिक विकास एवं रोजगार वृद्धि, जनता की अपेक्षाओं की पूर्ति तथा 'सबका साथ, सबका विकास' सुनिश्चित करना, को केंद्र में रखा गया है।

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि बजट में किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। एआई और आधुनिक तकनीक के माध्यम से कृषि उत्पादकता बढ़ाने, पशुपालन एवं डेयरी उद्योग को प्रोत्साहन देने की

योजना बनाई गई है। साथ ही महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल के तहत स्थानीय उद्योग और हस्तशिल्प को बढ़ावा देकर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

इस बजट में युवाओं के लिए रोजगार सृजन पर विशेष जोर दिया गया है। स्टार्टअप, एमएसएमई, मैन्युफैक्चरिंग और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में नए अवसर पैदा होंगे। पर्यटन को बढ़ावा देने से स्थानीय आर्थिक विकास को गति मिलेगी और युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार मिलेगा। विदेश यात्रा और विदेशों में पढ़ाई करना भी सस्ता होगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बायोफार्मा सेक्टर के लिए 10 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जिससे कैंसर, डायबिटीज सहित अन्य गंभीर बीमारियों की दवाइयां सस्ती होंगी। जिला अस्पतालों के उन्नयन, हर जिले में इमरजेंसी एवं ट्रॉमा सेंटर की स्थापना, मानसिक स्वास्थ्य और आयुर्वेदिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के साथ-साथ मेडिकल टूरिज्म के लिए राज्यों में पांच रीजनल हब स्थापित किए जाएंगे। इससे छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर बेहतर होगा और रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे।

लखपति दीदी योजना के विस्तार के माध्यम से महिलाओं को क्रेडिट-लिंक्ड स्वरोजगार, उद्यमिता और स्थानीय बाजार से जोड़ने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा हर जिले में बालिकाओं के लिए छात्रावास निर्माण की घोषणा से उन्हें उच्च शिक्षा में सहायता मिलेगी। उद्योग, शिक्षा और खेल को बढ़ावा मिलेगा।

रेल कॉरिडोर का होगा निर्माण

सीएम ने कहा कि देश की आर्थिक मजबूती के लिए 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, 20 नए जलमार्ग, बड़े टेक्सटाइल पार्क और 4 राज्यों में खनिज कॉरिडोर की घोषणा की गई है। सेमीकंडक्टर मिशन के लिए 40 हजार करोड़ रुपए के निवेश से औद्योगिक विकास और रोजगार को नई गति मिलेगी। वहीं, खेलो इंडिया मिशन और शिक्षा क्षेत्र में सुधारों से बच्चों और युवाओं को बेहतर अवसर मिलेंगे।

आयकर की प्रक्रिया होगी सरल

सीएम साय ने कहा- आयकर प्रक्रिया को सरल बनाया गया है और छोटे करदाताओं के लिए आसान व्यवस्था की गई है। दवाइयां, कपड़े, जूते, मोबाइल, ईवी बैटरी, सोलर उपकरण, बायोगैस-सीएनजी सहित कई रोजमर्रा की वस्तुएं सस्ती होंगी, जिससे आम जनता को सीधी राहत मिलेगी। सीएम साय ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास' की भावना को मजबूत करता है। यह बजट छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में समावेशी विकास सुनिश्चित करेगा।

झारखंड में अगले दो दिनों तक छाएंगे बादल

20 फरवरी के बाद बारिश की संभावना

रांची, 2 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के मौसम में एक बार फिर बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक आसमान में बादल छाए रहेंगे और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी की संभावना है।

रांची स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि फरवरी महीने में मौसम सुहावना रहेगा। उन्होंने फरवरी महीने में बारिश की भी संभावना जताई है। इस दौरान लोगों को ज्यादा ठंड नहीं लगेगी और गर्मी से भी परेशान नहीं होना पड़ेगा।

मौसम विभाग के अनुसार पिछले कुछ दिनों से रांची समेत राज्य के अधिकांश हिस्से के लोगों को कड़ाके की ठंड से राहत मिली है। न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस दौरान रांची का अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है, जबकि न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है। सुबह और शाम हल्की ठंड का एहसास हो रहा है लेकिन दोपहर में मौसम काफी सुहावना है।

झारखंड को केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के रूप में मिलेंगे 51236 करोड़

रांची, 2 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड को वित्त वर्ष 2026-27 केंद्रीय करों में के विभाज्य कोष से हिस्सेदारी के रूप में 51236 करोड रुपए की हिस्सेदारी मिलेगी। जिसके तहत कॉरपोरेशन टैक्स में की हिस्सेदारी में 15040 करोड़, इनकम टैक्स में 18233 करोड रुपए, केंद्रीय जीएसटी में 14013 करोड रुपए, कस्टम ड्यूटी में 2733 करोड़, केंद्रीय उत्पाद शुल्क में 1164 करोड़ रुपए और अन्य टैक्स में करीब 51 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त होगी।

झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बजट में झारखंड की अनदेखी करने का आरोप लगाया है।

उधर बिहार को चालू वित्त वर्ष की तुलना में 13,316 करोड़ रुपये अधिक प्राप्त होंगे। केंद्रीय बजट 2026-27 के दस्तावेज में इसका उल्लेख किया गया है।बजट दस्तावेज के अनुसार, केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के तहत बिहार के लिए वर्ष 2026-27 में 1,51,831 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह राशि 1,38,515 करोड़ रुपये थी।

अर्थशास्त्री डॉ. सुधांशु कुमार ने बताया कि वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार राज्यों को केंद्रीय करों में हिस्सेदारी मिलती है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय करों की वसूली में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप राज्यों को मिलने वाली राशि में साल-दर-साल इजाफा हो रहा है।

उन्होंने पिछले पांच वर्षों में बिहार के लिए किए गए प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2021-22 में यह राशि 86,942 करोड़ रुपये थी, जो 2022-23 में बढ़कर 97,767.28 करोड़ रुपये, 2023-24 में 1,14,289 करोड़ रुपये, 2024-25 में 1,28,151.10 करोड़ रुपये और 2025-26 में 1,38,515 करोड़ रुपये तक पहुंच गई।

केंद्रीय वित्त मंत्री के साथ हुई बजट पूर्व बैठक में बिहार के वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने उपकर (सेस) और अधिभारों (सरचार्ज) में भी राज्यों की हिस्सेदारी की मांग की थी। उन्होंने तर्क दिया था कि उपकर और अधिभार की हिस्सेदारी वर्ष 2011-12 के 10.4 प्रतिशत से बढ़कर वर्तमान में 13.6 प्रतिशत हो गई है।

दो पक्षों में झड़प, 10 घरों में लगाई आग

हमलावरों ने 3-4 वाहनों को फूंका, पुलिसकर्मी भी घायल, गांव में पुलिस बल तैनात

गरियाबंद, 2 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में पुराने विवाद को लेकर 2 समुदायों में हिंसक झड़प हो गई। इस दौरान आगजनी की घटना भी हुई, जिसमें एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के घरों पर हमला कर दिया और 10 घरों में आग लगा दी। वहीं, तीन से चार वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया गया। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मामला फिंगेश्वर थाना क्षेत्र के बकली गांव का है। हालात को देखते हुए गांव को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। गुस्साएं लोगों ने पुलिस पर भी पथराव किया। इस दौरान एक जवान घायल हुआ है। बेहोशी की हालत में जवान को अस्पताल ले जाया गया। देर रात IG मौके पर पहुंचे थे, जिसके बाद माहौल शांत है, लेकिन कर्फ्यू जैसे हालात बने हुए हैं। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम गांव में मौजूद है।

मामला पुराना विवाद और लूटपाट की घटना से जुड़ा है। 4 आरोपियों और शिकायकर्ता के बीच मारपीट हुई है। लोगों के मुताबिक जेल से छूटते ही आरिफ ने अपने 2 साथी इमरान और सलीम के साथ ग्रामीणों पर पत्थर-चाकू से हमला किया, जिसमें 7 लोग घायल हुए। शिकायतों की अनदेखी से आक्रोश भड़का, हिंसा हुई और पुलिस ने 3 एफआईआर दर्ज कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

दरअसल, हथखोज गांव में करीब चार महीने पहले कुछ अपराधियों का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था, जिसमें वो राहगीरों से लूटपाट और मारपीट करते दिखे थे। इसके बाद फिंगेश्वर पुलिस ने सभी आरोपियों को पकड़कर जेल भेज दिया था।

जेल से छूटने के बाद रविवार (1 फरवरी) सुबह 11 बजे आरोपियों ने बकली गांव में शिकायतकर्ता को देखते ही मारपीट शुरू कर दी। देखते ही देखते यह मामला दो समुदायों के बीच संघर्ष में बदल गया। एक समुदाय के लोगों ने दूसरे समुदाय के लोगों पर हथियारों से हमला किया। इसके बाद दूसरे समुदाय के लोगों का गुस्सा भड़क गया और उन्होंने आरोपियों के घरों में आग लगा दी। इस आगजनी में तीन से चार गाड़ियां भी जल गई। हालात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने गांव में भारी संख्या में बल तैनात किया है। कल रात फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस को मौके पर बुलाया गया था। हमले को लेकर गांव के जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि घटना रविवार की है। गोपी उसी गांव का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि रोड से आवाज आई कि एक समुदाय के लोग उनके लड़के को रास्ते में पत्थर से मार रहे हैं।

भाजपा विधायक रागिनी सिंह के आवास पर फेंका बम

सीसीटीवी खंगालने में जुटी पुलिस

धनबाद, 2 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद में झरिया विधायक रागिनी सिंह के आवास पर बम फेंकने की घटना से पूरे इलाके में अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। सरायढेला-गोविंदपुर सड़क पर स्टील गेट के पास स्थित सिंह मेंशन में रविवार की देर रात अपराधियों ने बम फेंक दिया। एक बम सिंह मेंशन के अंदर जबकि दूसरा गेट के पास फेंका गया। हालांकि ये शक्तिशाली विस्फोटक की जगह सुतली बम था, जिससे कोई नुकसान नहीं हुआ।

बाइक पर सवार युवकों ने फेंका बम

बताया गया है कि घटना रात करीब 11.40 बजे की है। सिंह मेंशन के सीसीटीवी फुटेज में बाइक पर सवार होकर पहुंचे दो युवकों को बम फेंकते देखा गया। बाइक सवार कोलाकुसुमा की तरफ से आए और गोविंदपुर की तरफ निकल गए। सिटी एसपी

ऋत्विक श्रीवास्तव और ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी के साथ सरायढेला और धनबाद थाना की टीम मौके पर पहुंची।

सिंह मेंशन झरिया विधायक रागिनी सिंह और उनके पति पूर्व विधायक संजीव सिंह का आवास है। लिहाजा मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना के फौरन बाद सिंह मेंशन पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। जानकारी के अनुसार, बम के दोनों धमाके तेज आवाज के साथ हुए, जिससे आसपास के लोग घबरा गए और इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जिस समय सिंह मेंशन में हमला हुआ, उस दौरान बंगले के अंदर झरिया विधायक रागिनी सिंह के समर्थक मौजूद थे। जानकारी के अनुसार, हमले से कुछ देर पहले ही संजीव सिंह बंगले में पहुंचे थे। उनके पहुंचने के कुछ देर बाद ही हमला हुआ। बम से हुए धमाके की आवाज सुनकर कुछ समर्थक बाहर की ओर निकले। समर्थकों के अनुसार, उन्होंने काले रंग की थार कार से कुछ लोगों को रिकार्डिंग करते भागते हुए देखा। पुलिस ने घटनास्थल पर सुरक्षा बढ़ा दी है। घटना के बाद संजीव सिंह के समर्थक भी रात में ही जुट गए। पुलिस कई एंगलों से जांच कर रही है। यह घटना चौंकाने वाली है, क्योंकि इससे पहले कभी किसी ने सिंह मेंशन पर ऐसी बमबाजी का साहस नहीं दिखाया। अब इस समय सिंह मेंशन पर बम बाजी से कई कयास लगाए जा रहे हैं।

बताया गया है कि आज ही 2 फरवरी को झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह धनबाद में होने वाले नगर निगम चुनाव में मेयर पद के लिए नॉमिनेशन करने के लिए जाने वाले है। इससे पहले उनके घर पर बमबाजी कई सवाल खड़े कर रहे हैं। संभावना है कि नगर निगम चुनाव में संजीव सिंह के मेयर पद पर उतरने से भी अन्य दलों में खलबली मची है।

झारखंड-बिहार सीमा पर हाईवा ने हॉर्डिंग को टक्कर मारी

चपेट में आया प्रसूता को ले जा रहा एंबुलेंस, चालक समेत प्रसूता व परिजन हुए घायल

कोडरमा, 2 फरवरी (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के सतगावां थाना क्षेत्र अंतर्गत झारखंड–बिहार सीमा पर स्थित दर्शन नाला के समीप एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। झारखंड से मिट्टी डंप कर बिहार लौट रहा एक तेज रफ्तार हाईवा अचानक हादसे का कारण बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाईवा का डाला उठा हुआ था। जैसे ही वाहन बॉर्डर पर लगे लोहे के विशाल होर्डिंग के नीचे से गुजरा, उसके उठे हुए डाले ने होर्डिंग को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि होर्डिंग पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर सड़क पर गिर पड़ा। हाईवा के ठीक पीछे एक एंबुलेंस मरीज को लेकर सतगावां ढाव के रास्ते बिहार के महवरा की ओर जा रही थी।

रतनजोत खाने से 30 से अधिक लोग बीमार

10 बच्चे धमतरी जिला अस्पताल में भर्ती, रामायण कार्यक्रम के दौरान रतनजोत को चिरौंजी समझकर खा लिया

धमतरी, 2 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में रतनजोत का फल खाने से 30 से अधिक लोग बीमार हो गए। इनमें बच्चे और वयस्क दोनों शामिल हैं। घटना भखारा क्षेत्र में रामायण कार्यक्रम के दौरान हुई, जहां 10 बच्चों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ग्रामीणों के अनुसार, रामायण कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने रतनजोत के फल को चिरौंजी समझकर खा लिया। इसे देखकर शुरुआत में पालक भी भ्रमित थे और उन्हें लगा कि बच्चों की तबीयत भंडारे का खाना खाने से बिगड़ी होगी। रतनजोत खाने के कुछ देर बाद बच्चों को उल्टी और दस्त होने लगे, जिससे गांव में हड़कंप मच गया। पालकों ने तत्काल बच्चों को पास के प्राथमिक उपचार केंद्र कोर्रा गांव ले गए। बच्चों से पूछताछ करने पर पता चला कि उन्होंने रतनजोत का सेवन किया था। प्राथमिक उपचार के बाद, गंभीर बच्चों को धमतरी के जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। ग्रामीण भीषण साहू और यामिनी साहू ने बताया कि गांव में बच्चों के अलावा कई वयस्कों ने भी रतनजोत खाया था, जिससे कुल 30 से अधिक लोगों की तबीयत बिगड़ी।

फिलहाल, अस्पताल में भर्ती बच्चों की हालत स्थिर बताई जा रही है और उनका इलाज जारी है।

जामताड़ा की तीन बेटियों का अर्धसैनिक बलों में चयन

संघर्ष और संकल्प से मिली सफलता, बेटियों ने बताई अपनी कहानी

जामताड़ा, 2 फरवरी (एजेंसियां)। जामताड़ा जिले के मिहिजाम थाना क्षेत्र की तीन युवतियों ने देश के प्रतिष्ठित अर्धसैनिक बलों में चयनित होकर जिले का नाम रोशन किया है। इनमें दो बेटियों का चयन सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और एक का केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में हुआ है। इस उपलब्धि से पूरे जिले में खुशी और गर्व का माहौल है।

पियलसोला पंचायत के केलाही गांव की शबनम परवीन का चयन बीएसएफ पंजाब में हुआ है। सीमित संसाधनों के बावजूद शबनम ने कड़ी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को दिया। कहा कि उनके मार्गदर्शन और समर्थन ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

मिहिजाम नगर परिषद क्षेत्र के कुर्मीपाड़ा निवासी संजना कुमारी यादव का चयन बीएसएफ ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में हुआ है। संजना ने बताया कि जब वह मात्र पांच वर्ष की थीं, तभी उनके पिता का निधन हो गया था। इसके बाद उनकी मां ने ही उन्हें पढ़ाया-लिखाया और इस मुकाम तक पहुंचाया। संजना ने अपनी सफलता का पूरा श्रेय अपनी मां को दिया।

कहा कि मां की मेहनत और संघर्ष ही उनकी सबसे बड़ी ताकत रही। वहीं मिहिजाम हिल रोड की रहने वाली सुष्मिता हेंब्रम का चयन सीआईएसएफ में हुआ है। सुष्मिता ने बताया कि देश की सेवा करना उनका बचपन का सपना था। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने हमेशा उन्हें अनुशासन और मेहनत का महत्व सिखाया, जिसकी बदौलत आज यह सपना साकार हो सका।

सोमवार को जामताड़ा के पुलिस अधीक्षक राजकुमार मेहता ने तीनों चयनित बेटियों को प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र और माला पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने बेटियों के साथ उनके परिजनों को भी सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया। एसपी ने कहा कि इन बेटियों ने जामताड़ा जिले का नाम पूरे देश में रोशन किया है।

इनकी सफलता जिले की अन्य बेटियों के लिए प्रेरणा बनेगी और वे भी आगे बढ़कर देश की रक्षा में अपना योगदान देंगी।

तुबेद कोल माइंस फायरिंग का खुलासा

लातेहार, 2 फरवरी (एजेंसियां)। लातेहार जिले में तुबेद कोल माइंस गेट के पास हुई फायरिंग की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में राहुल दुबे गैंग से जुड़े दो अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके पास से तीन देशी पिस्तौल, 16 जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

दोनों आरोपियों को सोमवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। बता दें कि यह फायरिंग की घटना 30 दिसंबर 2025 को सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत तुबेद कोल माइंस गेट के समीप हुई थी, जहां अज्ञात अपराधियों ने गोलीबारी कर दहशत फैलाने की कोशिश की थी। इस मामले में पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को लगातार गुप्त सूचनाएं मिल रही थीं। इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए एसडीपीओ अरविंद कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि बरवागड़ा–सुकरी नदी के पास कैमा से सोहदाग जाने वाले रास्ते में दो अपराधी एक बार फिर कोल माइंस क्षेत्र में फायरिंग की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया और इलाके में छापेमारी अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने रणनीति के तहत घेराबंदी कर दोनों अपराधियों को हथियारों के साथ धर दबोचा। गिरफ्तारी के दौरान उनके पास से तीन देशी पिस्तौल, 16 जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई, जिससे उनकी आपराधिक गतिविधियों की पुष्टि हुई।

झारखंड हाईकोर्ट के वकील परिवार ने किया सुसाइड की कोशिश

रांची, 2 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत कडरू न्यू एजी कॉलोनी के मंदिर मार्ग में एक ही परिवार के तीन लोगों ने सुसाइड करने की कोशिश की। इसमें घर के इकलौते बेटे की मौत हो गई। जबकि मां और नाबालिग बेटी गंभीर हालत में प्राइवेट अस्पताल में इलाजरत है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक बेटे ने खुद को फंदे से लटका लिया। वहीं मां और बेटी ने संभवतः जहरिला पदार्थ खाया है।

सुसाइड का प्रयास करने वाली महिला का नाम स्नेहा अखोरी है। वह पेशे से झारखंड हाईकोर्ट की अधिवक्ता हैं। वहीं बेटी की उम्र लगभग 14 साल बताई जा रही है। बेटे का नाम मिहिर है। जानकारी के मुताबिक उसने कोलकाता से सीए की पढ़ाई पूरी कर लौटा था। उसकी नौकरी ऊषा मार्टिन कंपनी में लगी थी। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक परिवार किसी आर्थिक परेशानी में था, जिस वजह से इस तरह का कदम उठाया है। बताया गया कि प्रारंभिक जांच में जहरीला पदार्थ खाने के बाद मां और बेटी की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें आनन-फानन में गुरुनानक अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, दोनों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम की लगातार निगरानी में इलाज कर रही है। इधर, मिहिर के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। परिवार के साथ हुई इस घटना से आसपास के लोग स्तब्ध हैं। कोई भी इस कदम के पीछे की वजह समझ नहीं पा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही अरगोड़ा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस आसपास के लोगों और परिचितों से पूछताछ कर रही है, ताकि आत्महत्या की कोशिश के पीछे की वजहों का पता लगाया जा सके।

शराब तस्करी पर बड़ी कार्रवाई

लातेहार, 2 फरवरी (एजेंसियां)। लातेहार पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चंदवा थाना क्षेत्र में 30 पेटी अवैध शराब जब्त की है।

यह कार्रवाई कुजरी नदी ओवरब्रिज के पास की गई, जहां एक इनोवा क्रिस्टा कार से शराब की खेप ले जाई जा रही थी।

पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस को देख तस्कर मौके से फरार हो गया, हालांकि वाहन और शराब की बड़ी खेप पुलिस के हाथ लग गई। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है।

पुलिस द्वारा जब्त की गई शराब में रॉयल चैलेंज और 8 पीएम जैसे ब्रांड शामिल हैं। जानकारी के अनुसार कुल 30 पेटियां बरामद की गई हैं, जिनमें प्रत्येक पेटी में 180 एमएल की 24-24 बोतलें रखी गई थीं। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए आंकी गई है।

पुलिस ने शराब ले जा रही बैंगनी रंग की इनोवा क्रिस्टा कार (पंजी संख्या JH 01CA 5365) को भी जब्त कर लिया है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि शराब को अवैध रूप से किसी दूसरे जिले या राज्य में खपाने की तैयारी थी।

चंदवा थाना प्रभारी रणधीर सिंह ने बताया कि पुलिस को देखते ही शराब तस्कर वाहन छोड़कर फरार हो गया। हालांकि उसकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

दुबई में फंसे हैं झारखंड के 14 मजदूर

3 महीने से वेतन नहीं मिला, वीडियो जारी कर मांगी मदद, गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो के हैं

गिरिडीह, 2 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो जिलों के कुल 14 मजदूर दुबई में फंसे हुए हैं।

इन मजदूरों को बीते तीन महीनों से वेतन नहीं मिला है, जिससे उनके सामने भोजन और आवास का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। बताया जा रहा है कि इनसे तय समय से अधिक काम भी कराया जा रहा है, लेकिन मेहनत के बदले मजदूरी नहीं दी जा रही।

आर्थिक तंगी और असुरक्षित हालात के बीच फंसे मजदूरों की परेशानी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। दुबई में फंसे मजदूरों ने अपनी पीड़ा बताते हुए एक वीडियो जारी किया है। जिसमें उन्होंने भारत सरकार और

झारखंड सरकार से सुरक्षित वतन वापसी की गुहार लगाई है। यह वीडियो प्रवासी मजदूरों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकन्दर अली को भेजा गया था। जिन्होंने इसे मीडिया के साथ साझा किया।

वीडियो में मजदूरों ने बताया कि वेतन नहीं मिलने के कारण उनके पास खाने तक के पैसे नहीं बचे हैं। कंपनी प्रबंधन उनकी कोई सुनवाई नहीं कर रहा है। इस संबंध में सिकन्दर अली ने केंद्र और राज्य सरकार से इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह पहला मौका नहीं है जब झारखंड के मजदूर विदेश में फंस गए हों।

बड़ी मुसीबत आने वाली है! गुपचुप तरीके से गोल्ड रिजर्व बढ़ा रहा चीन, अमेरिका से है कितना दूर?

नई दिल्ली,2 फरवरी (एजेंसियां)। सोने की कीमत में पिछले साल काफी तेजी आई थी। इसके बावजूद 2025 में गोल्ड की डिमांड 40% बढ़कर रेकॉर्ड 5,002 टन पहुंच गई। इस तरह लगातार चौथे साल सोने की डिमांड में तेजी आई है। 2021 से सोने की डिमांड में 292 टन की बढ़ोतरी हुई है।

अमेरिकी डॉलर के टर्म में देखें तो पिछले साल गोल्ड की डिमांड में 45% तेजी आई। इस दौरान दुनिया ने 552 अरब डॉलर का सोना खरीदा जो पाकिस्तान की इकॉनमी से ज्यादा है। 2025-26 में पाकिस्तान की इकॉनमी के 410 से 417 अरब डॉलर रहने की उम्मीद है। पिछले साल ग्लोबल ईटीएफ होल्डिंग में सालाना आधार पर 801 टन की बढ़ोतरी हुई जो इतिहास में दूसरे सबसे बड़ी बढ़ोतरी है। साथ ही बार और कॉइन की डिमांड भी 1,374 टन रही जो 12 साल में सबसे ज्यादा है।

इस दौरान केंद्रीय बैंकों ने 863 टन सोना खरीदा जो इतिहास में किसी एक साल में हुई चौथी बड़ी खरीद है। यह 2010 से 2021 के बीच 473 टन की औसत सालाना खरीद से ज्यादा है।

किसके पास सबसे ज्यादा सोना

2021 से सोने की खरीद लगातार बढ़ रही है। हाल में भारत, चीन, तुर्की और पोलैंड जैसे देशों के केंद्रीय बैंकों ने जमकर सोने की खरीद की है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद दुनिया के कई देश अपने फॉरेक्स रिजर्व में सोने की हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन गुपचुप तरीके से अपना गोल्ड रिजर्व बढ़ा रहा है। हालांकि पिछले साल आधिकारिक रूप से उसने 27 टन गोल्ड खरीदा लेकिन जानकारों का कहना है कि यह खरीद करीब 270 टन की है। चीन इस तरह सोने की होर्डिंग कर रहा है कि जैसे कोई बड़ी मुसीबत आने वाली है। हालांकि गोल्ड रिजर्व के मामले में कोई अमेरिका के आसपास नहीं है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश के पास 8,133 टन गोल्ड रिजर्व है।

मजेदार बात है कि कई साल से अमेरिका ने इसमें कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है। इस लिस्ट में जर्मनी (3350 टन) दूसरे, इटली (2452 टन) तीसरे, फ्रांस (2437 टन) चौथे, रूस (2330 टन) पांचवें, चीन (2304 टन) छठे, स्विट्जरलैंड (1040 टन) सातवें, भारत (880 टन) आठवें, जापान (846 टन) नौवें और तुर्की (641 टन) दसवें नंबर पर है।

12 लाख है सीटीसी तो बजट के बाद कितनी रह जाएगी इन हैंड सैलरी, देखिए पूरी कैलकुलेशन

नई दिल्ली,2 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को फाइनेंशियल ईयर 2026-27 का बजट पेश किया। टैक्सपेयर्स को इससे काफी उम्मीदें थीं लेकिन टैक्स स्लैब, स्टैंडर्ड डिडक्शन या किसी अन्य डिडक्शन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि इनकम टैक्स रेट्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है लेकिन लेबर कोड नोटिफाई कर दिए गए हैं। हालांकि अभी तक इन्हें लागू नहीं किया गया है। सवाल यह है कि बजट के बाद आपकी टेक होम सैलरी क्या होगी? इसे एक केस से समझते हैं। अगर आपकी सीटीसी 12 लाख रुपये है तो नए लेबर कोड के बिना आपकी इन हैंड सैलरी क्या होगी? इसमें बेसिक पे 2,88,000 रुपये और डीए कंपोनेंट 72,000 रुपये मिलाकर कुल वेज 3,60,000 रुपये होगा। एम्प्लॉयर का पीएफ कंट्रीब्यूशन 43,200 रुपये और एनपीएस कंट्रीब्यूशन 50,400 रुपये होगा। ग्रैच्युटी कंपोनेंट 17,316 रुपये, स्पेशल अलाउंस 7,29,084 रुपये होगा। इस तरह सीटीसी 12 लाख रुपये हो गई। इसमें से पीएफ में एम्प्लॉयर के कंट्रीब्यूशन और ग्रैच्युटी हटा दी जाए तो ग्रॉस टैक्सेबल सैलरी 11,39,484 रुपये बैठती है। इसमें से 75,000 रुपये का स्टैंडर्ड डिडक्शन हटा दिया जाए तो ग्रॉस टोटल इनकम 10,64,484 रुपये होगी। इसमें से एनपीएस डिडक्शन को हटा दिए जाए तो नेट टैक्सेबल इनकम यानी टेक होम सैलरी 10,14,084 रुपये रह जाती है।

ग्रैच्युटी पर टैक्स

सीए सुरेश सुराना का कहना है कि एम्प्लॉयमेंट के दौरान मिली ग्रैच्युटी पर कर्मचारी को टैक्स देना होता है। यह सरकारी और निजी सेक्टर दोनों पर लागू होता है। लेकिन मृत्यु या रिटायरमेंट की स्थिति में इसे तीन कैटगरी में बांटा जा सकता है। इनमें सरकारी कर्मचारी, पेमेंट ऑफ ग्रैच्युटी एक्ट, 1972 में आने वाले कर्मचारी और इस एक्ट में न आने वाले कर्मचारी शामिल हैं। इन तीनों मामलों में टैक्स की व्यवस्था अलग-अलग है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ हुआ बंद

सेंसेक्स 943 अंक उछला, निफ्टी 25000 के पार

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)।बजट वाले दिन भारी गिरावट झेलने के बाद, सोमवार को शेयर बाजारों में तेजी आई और बेंचमार्क सेंसेक्स 943 अंक चढ़ गया। ब्लू-चिप तेल और गैस, बैंकिंग और ऑटो शेयरों में खरीदारी के चलते बाजार में उछाल देखने को मिला। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 943.52 अंक या 1.17 प्रतिशत बढ़कर 81,666.46 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 1,009.31 अंक या 1.25 प्रतिशत बढ़कर 81,732.25 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 262.95 अंक या 1.06 प्रतिशत चढ़कर 25,088.40 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 282.65 अंक या 1.13 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 25,108.10 पर पहुंच गया। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में से पावर ग्रिड के शेयरों में 7.61 प्रतिशत और अदानी पोर्ट्स के शेयरों में 4.76 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, इंटरग्लोब एविएशन, आईसीआईसीआई बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट अन्य प्रमुख लाभ कमाने वालों में शामिल थे। एक्सिस बैंक, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, ट्रेंट और टाइटन पिछड़ गए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को विनिर्माण को बढ़ावा देने के उपायों की घोषणा की, वैश्विक डेटा केंद्रों के लिए दीर्घकालिक कर प्रोत्साहन की पेशकश की और कृषि और पर्यटन के लिए समर्थन की घोषणा की। उन्होंने 2026-27 के लिए 53.5 लाख करोड़ रुपये का केंद्रीय बजट पेश किया, जिसे बढ़ते वैश्विक जोखिमों के बीच विकास को बनाए रखने के लिए एक दीर्घकालिक खाका के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन इक्विटी डेरिवेटिव्स पर प्रतिभूति लेनदेन कर में वृद्धि ने शेयर बाजारों को हिला दिया, जिससे प्रमुख सूचकांक बजट दिवस के विशेष कारोबार सत्र में 2 प्रतिशत तक गिर गए, हालांकि बाद में उनमें कुछ सुधार हुआ। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि बाजार में कल के उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बाद तेजी से सुधार देखने को मिला, जिसका कारण एफ एंड ओ पर एसटीटी (स्टेट टैक्स) में वृद्धि का प्रभाव और वित्त वर्ष 2027 के लिए सरकार की उच्च उधार योजना थी। साथ ही, विकास और राजकोषीय विवेक पर स्पष्ट जोर देने वाली बजट की नीतिगत निरंतरता ने मध्यम से दीर्घकालिक आय दृष्टिकोण में विश्वास को मजबूत करने में मदद की है।

कौशल विकास के लिए सरकार ने खोला खजाना, बच्चे सीखेंगे कंटेंट बनाना

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। बजट में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। कौशल विकास के लिए सरकार ने खजाना खोल दिया है। इसके बजट में 62 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। युवाओं में उद्यमिता बढ़ाने और उभरते क्षेत्रों के लिए प्रशिक्षण का विस्तार करने की रणनीति पर भी जोर दिया गया है। उच्च शिशा और विशेषतौर पर स्टेम यानी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में बेटियों की भागीदारी को बढ़ाने और स्थायी करने के लिए देश के सभी 800 जिलों में उच्च शिक्षा संस्थानों से जुड़े महिला छात्रावास के निर्माण का प्रस्ताव किया गया है। इससे, दूरदराज व ग्रामीण इलाकों की बेटियों को सबसे अधिक लाभ होगा, जिन्हें रहने के लिए सुरक्षित जगह नहीं मिलने की वजह से बीच में ही पढ़ाई छोड़नी पड़ती है। इस बार स्कूल और उच्च शिक्षा बजट में 8.27 फीसदी और कौशल विकास के बजट में 62 फीसदी की वृद्धि की गई है। दोनों का समग्र बजट बढ़कर करीब 1.50 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। स्कूल व उच्च शिक्षा के लिए 1,39,289.48 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इसमें स्कूल व साक्षरता विभाग को 83,562.26 करोड़ रुपये (6.35 फीसदी) और उच्च शिक्षा विभाग का 55,727.22 (11.28 फीसदी) करोड़ रुपये मिले हैं। कौशल विकास के लिए 9,885.80 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। पहली बार बजट में स्कूल स्तर पर ही छात्रों को शिक्षा, कौशल, साइंस, एआई व क्वांटम समेत उभरती तकनीक और प्रौद्योगिकी से जोड़ने और प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार के लिए तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। खगोल-भौतिकी और खगोल विज्ञान में छात्रों की रूचि बढ़ाने के लिए नेशनल लार्ज सोलर टेलिस्कोप, नेशनल लार्ज ऑप्टिकल इन्फ्रारेड टेलिस्कॉप, हिमालयन चंद्र टेलिस्कॉप और द कॉसमॉस-2 प्लेनेटोरियम जैसे बुनियादी सुविधा केंद्र खोले जाएंगे। 15 हजार स्कूलों में बनाई जाएंगी एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब, एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स और गेमिंग तेजी से बढ़ रही देश में एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स यानी एवीजीसी क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है।

सरकारी बैंकों को बेचने की तैयारी!

171 लाख करोड़ की संपत्ति पर विदेशियों की नजर

नई दिल्ली,2 फरवरी (एजेंसियां)। सरकारी बैंकों में 49% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दी जा सकती है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार इस संबंध में मंत्रालयों के बीच चर्चा करा रही है। अभी सरकारी बैंकों में एफडीआई की सीमा 20 फीसदी है। फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्रेटरी एम नागराजू ने कहा कि सरकार मंत्रालयों के साथ इस बारे में विचार विमर्श कर रही है।

वित्त मंत्रालय इस बारे में आरबीआई के साथ पिछले कुछ महीनों से सलाह-मशविरा कर रहा है लेकिन इस प्रस्ताव को अब तक फाइनल नहीं किया गया है। मार्च, 2025 के आंकड़ों के मुताबिक देश के 12 सरकारी बैंकों की कंबाइंड एसेट्स करीब 171 लाख करोड़ रुपये है। यह देश के बैंकिंग सेक्टर का करीब 55 फीसदी है। सरकार इन बैंकों में 51 फीसदी हिस्सेदारी अपने पास रखना चाहती है। हालांकि अभी सरकार के पास इन बैंकों में कहीं ज्यादा हिस्सेदारी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को फाइनेंशियल ईयर 2026-27 का बजट पेश करते हुए बैंकिंग सेक्टर के लिए एक बड़ी घोषणा की थी।

सीतारमण ने कहा था कि देश की बैंकिंग सेक्टर की व्यापक समीक्षा के लिए एक हाई-लेवल कमेटी बनाई जाएगी और सुधारों पर आधारित ग्रोथ के लिए नई योजना बनाई जाएगी। इसका मकसद भारतीय बैंकों को आने वाले समय के लिए विकसित भारत की योजना के मुताबिक तैयार करना है। उन्होंने कहा कि भारतीय बैंक आज अच्छी स्थिति में हैं। उनका मुनाफा और दुनिया में पहुंच बढ़ी है। इस सेक्टर को अब और आगे ले जाने की जरूरत है। उसके लिए जरूरी उपाय किए जाएंगे। एसेट्स के हिसाब से दुनिया के 10 बैंकों में भारत के दो बैंक शामिल हैं।

लैटिन अमेरिका में बढ़ रहा चीनी सामानों का दबदबा

स्थानीय उद्योग और नौकरियां पर इसका असर

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति और भू-राजनीतिक कदमों के बाद चीन के निर्यातकों ने लैटिन अमेरिका को बड़ा बाजार बना लिया है। नतीजतन, क्षेत्र के देशों में सस्ती चीनी कारें, ई-कॉमर्स सामान, कपड़े और इलेक्ट्रॉनिक्स की बाढ़ आ गई है, जिससे स्थानीय उद्योगों और नौकरियों पर दबाव बढ़ रहा है। चीन की घरेलू मांग कमजोर है और कई उद्योगों में उत्पादन क्षमता बढ़ चुकी है। ऐसे में 60 करोड़ से अधिक आबादी और बढ़ते मध्यम वर्ग वाला लैटिन अमेरिका चीनी कंपनियों के लिए आकर्षक विकल्प बन गया है। पिछले साल अमेरिका को चीन का निर्यात करीब 20% घटा, जबकि लैटिन अमेरिका और अन्य क्षेत्रों को शिपमेंट बढ़ा।इंटर-अमेरिकन डायलॉग थिंक टैंक की एशिया-लैटिन अमेरिका प्रोग्राम निदेशक मार्गरिट मायर्स के अनुसार, लैटिन अमेरिका में क्रय शक्ति और वास्तविक मांग है, इसलिए चीन के लिए अतिरिक्त उत्पादन खपाने का यह सबसे आसान इलाका है।लैटिन अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए सस्ते चीनी सामान राहत हैं, लेकिन छोटे कारोबारियों के लिए चुनौती। चीनी प्लेटफॉर्म टेमू और शीन ने बाजार हिस्सेदारी तेजी से बढ़ाई है। सेंसर टॉवर के मुताबिक, 2025 की पहली छमाही में टेमू के लैटिन अमेरिका में औसत मासिक सक्रिय यूजर्स 11.4 करोड़ रहे एक साल में 165% की बढ़त। शीन के यूजर्स भी 18% बढ़े।मेक्सिको सिटी के डाउनटाउन में चीनी माल से भरी दुकानों की संख्या हाल के वर्षों में तीन गुना से ज्यादा बढ़ गई है। स्थानीय दुकानदार प्रतिस्पर्धा में टिकने के लिए जूझ रहे हैं।अर्जेंटीना में हालात ज्यादा गंभीर हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर में ई-कॉमर्स आयात (अधिकांश चीन से) 237% उछल गया।

ट्रंप के राज में बिटकॉइन धड़ाम... 1 साल में 20% से ज्यादा रकम स्वाहा, 700000 से नीचे आई कीमत

नई दिल्ली,2 फरवरी (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे महंगी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में पिछले काफी समय से बड़ी गिरावट आ रही है। सोमवार को भी बिटकॉइन धड़ाम हो गया और एशियाई बाजारों में इसकी कीमत 10 महीने के निचले स्तर पर आ गई।

वीकेंड पर हुई बिकवाली के बाद से बाजार में अनिश्चितता का माहौल है, जिससे निवेशकों का भरोसा डगमगा गया है। बिटकॉइन की कीमत 2.5% तक गिरकर 74,541 डॉलर (करीब 68 लाख रुपये) पर पहुंच गई। हालांकि बाद में इसमें कुछ रिकवरी हुई। शाम 5 बजे एक बिटकॉइन 77,662 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। पिछले एक साल में बिटकॉइन की कीमत 20 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। यह गिरावट ऐसे समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप क्रिप्टोकरेंसी के समर्थक माने जाते हैं। उनका एक कारोबार भी क्रिप्टो एक्सचेंज से जुड़ा है। जनवरी में बिटकॉइन की कीमत में लगभग 11% की गिरावट आई थी। यह साल 2017 में इनिशियल कॉइन ऑफरिंग के बूम के बाद आई गिरावट के बाद यह सबसे बड़ी गिरावट थी। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब शेयर बाजार में भी उथल-पुथल मची हुई है। सोने की कीमत भी सोमवार को गिरती रही, जो पिछले हफ्ते एक दशक में सबसे बड़ी गिरावट झेल चुका था। पिछले साल व्हाइट हाउस के क्रिप्टो-समर्थक रुख और संस्थागत निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी के कारण बिटकॉइन की कीमत 1,26,000 डॉलर (करीब 1.15 करोड़ रुपये) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। लेकिन इसके तुरंत बाद एक बड़ी बिकवाली हुई। तब से बिटकॉइन की कीमत लगभग 40% गिर चुकी है।

बजट 2026-अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए डिजाइन होंगे 50 शहर

भारत को ऑल-सीजन डेस्टिनेशन, ग्लोबल टूरिस्ट-हब बनाने की तैयारी

टियर 2-3 सिटीज का फॉरेक्स रिजर्व बढ़ेगा

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्र सरकार का साल 2026-27 के लिए बजट पेश किया। बजट में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कई घोषणाएं हुई। वित्त मंत्री की घोषणा के मुताबिक देश के 50 शहरों का इंफ्रास्ट्रक्चर वर्ल्ड क्लास लेवल की तर्ज पर अंतरराष्ट्रीय टूरिस्ट के लिए तैयार किया जाएगा। इसका मकसद भारत को ऑल-सीजन डेस्टिनेशन और ग्लोबल टूरिस्ट-हब बनाना है। इस प्लान की मदद से एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार हो जाएगा, जिससे टियर 2-3 शहरों और गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। इससे देश का फॉरेक्स रिजर्व भी बढ़ेगा, साथ ही सांस्कृतिक पहचान मजबूत होगी।

पर्यटन का बजट 2438.40 करोड़

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बजट में 2,438.40 करोड़ रुपये दिए गए हैं। सरकार का लक्ष्य है कि 2047 तक 10 करोड़ विदेशी पर्यटक भारत आएं। 2034 तक भारत की जीडीपी में पर्यटन का योगदान43.25 लाख करोड़ रुपए तक हो सकता है। 6.3 करोड़ लोगों को रोजगार देने में सक्षम होगा। पर्यटन मंत्रालय की इंडिया टूरिज्म स्टैटिक्स रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल करीब 1 करोड़ विदेशी पर्यटक आते हैं। इनमें से 6-7% बौद्ध पर्यटक होते हैं। पिछले साल 7.10 लाख बौद्ध पर्यटक भारत आए। पूर्वोत्तर भारत के विकास के लिए इस बार 6,812 करोड़ रुपए का बजट दिया गया है। यह राशि पिछले बजट से 20% ज्यादा है। अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बौद्ध सर्किट का विकास किया जाएगा।

मंदिरों के शहरों पर फोकस

मंदिरों के शहर के तौर पर पहचाने जाने वाले शहरों में बुनियादी सुविधाएं अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की जरूरतों के अनुसार विकसित की जाएंगी। इसमें उत्तर प्रदेश के वाराणसी और मथुरा, जम्मू-कश्मीर का जम्मू, उत्तराखंड के ऋषिकेश और हरिद्वार जैसे शहरों पर फोकस रहेगा। दक्षिण में तमिलनाडु के मदुरै और कांचीपुरम, कर्नाटक का हम्पी, आंध्र प्रदेश का तिरुपति, ओडिशा का भुवनेश्वर और पुरी को विकसित किया जाएगा। वहीं, इस लिस्ट में पश्चिम बंगाल का बिश्नुपुर, मध्य प्रदेश का उज्जैन और खजुराहो, गुजरात का द्वारका और महाराष्ट्र का पंढरपुर शामिल होंगे।

डिजिटल डेटा तैयार होगा

नेशनल डेस्टिनेशन डिजिटल नॉलेज ग्रिड के जरिए भारतीय पर्यटन स्थलों का डिजिटल डेटा तैयार होगा। इससे विदेशी पर्यटक आकर्षित होंगे। स्थानीय स्तर पर शोधार्थियों, इतिहासकारों, कंटेंट क्रिएटर्स, होटल, गाइड, ट्रांसपोर्ट, स्थानीय हस्तशिल्प, होम-स्टे और तकनीकी क्षेत्र में रोजगार के मौके बढ़ेंगे।

ऑल-सीजन डेस्टिनेशन बनने की तैयारी

आईआईएम देश के 20 प्रमुख पर्यटन स्थलों के 10 हजार गाइडों को 12 हफ्ते की ट्रेनिंग देगा। एयरपोर्ट पर सामान लाने-ले जाने के नियम सरल होंगे। कुशल कर्मचारी उपलब्ध कराने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी की स्थापना होगी। अब सीप्लेन (जल-विमान) अपने देश में ही बनाए जाएंगे। इनके संचालन के लिए सरकार सब्सिडी देगी। इसके लिए सीप्लेन वीजीएफ योजना शुरू होगी।

15 पुरातात्विक स्थलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का पर्यटन स्थल बनाएंगे

लोथल, धोलावीरा, राखीगढ़ी, सारनाथ, लेह पैलेस, आदिचनल्लूर, हस्तिनापुर जैसे देश के 15 पुरातात्विक स्थल एक्सपीरियंशियल कल्चरल डेस्टिनेशन्स के रूप में विकसित होंगे। यहां पर्यटक इतिहास को जीवंत रूप में महसूस कर सकेंगे। यहां पर्यटकों के लिए वॉकवे और इमर्सिव स्टोरीटेलिंग तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। भारत में इसी साल पहली 'ग्लोबल बिग कैट समिट' आयोजित होगी। दो साल पहले साल 2024 में भारत ने इंटरनेशनल बिग कैट गठबंधन स्थापित किया था। इसके तहत बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जगुआर, प्यूमा जैसे जानवरों के संरक्षण पर ध्यान दिया जाता है। इसमें दुनिया के 95 देशों के प्रमुख इन जानवरों के संरक्षण की सामूहिक रणनीति पर चर्चा करेंगे हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर में माउंटेन ट्रेल्स (ट्रैकिंग के रास्ते) विकसित किए जाएंगे।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	मकर	मे	मकर...	05-36 बजे
चंद्र	सिंह	मे	कुंभ....	07-26 बजे
मंगल	मकर	मे	मीन....	09-05 बजे
बुध	मकर	मे	मेष.....	10-41 बजे
गुरु	मिथुन	मे	वृष.....	12-25 बजे
शुक्र	मकर	मे	मिथुन..	14-25 बजे
शनि	मीन	मे	कर्क...	16-38 बजे
राहु	कुंभ	मे	सिंह----	18-50 बजे
केतु	सिंह	मे	कन्या---	20-57 बजे
			तुला-----	23-02 बजे
			वृश्चिक..	01-12 बजे
			धनु.....	03-25 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426874**
कलियुग संवत् - **5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- **1955885126**
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष मंगलवार **03 February 2026**
तिथि - द्वितीया **00-40** रात तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - मघा **22-10** रात तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - शोभन **02-38** तक उप. अतिगण्ड
करण - तैतिल **13-11** तक गर
कुंभ मे बुध 21-52 से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 15-21 से 16-46 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
रोग	06-51 - 08-14 अशुभ	काल	18-08 - 19-46 अशुभ
उत्पात	08-14 - 09-39 अशुभ	लाभ	19-46 - 21-21 शुभ
चंचल	09-39 - 11-05 शुभ	उत्पात	21-21 - 22-55 अशुभ
लाभ	11-05 - 12-30 शुभ	शुभ	22-55 - 00-30 शुभ
अमृत	12-30 - 13-55 शुभ	अमृत	00-30 - 02-05 शुभ
काल	13-55 - 15-21 अशुभ	चंचल	02-05 - 03-39 शुभ
शुभ	15-21 - 16-46 शुभ	रोग	03-39 - 05-14 अशुभ
रोग	16-46 - 18-08 अशुभ	काल	05-14 - 06-51 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज आपके मुख्य शब्द आराम और राहत रहेंगे । आप पिछले कुछ दिनों से बहुत मेहनत कर रहे हैं और अब इस मेहनत का आनंद लेने की बारी है ,बहुत बड़ी पार्टी ना रखें । छुट्टी का दिन शांति से बिताएं । अपने किसी विशेष प्रियजन से बात कर लेने से आपको बहुत संतुष्टि मिलेगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आपको आज खुद का ही चिंतन करना है । आपके जीवन में इस समय सब कुछ सही चल रहा है ,फिर भी आपको एक प्रकार की बेचैनी महसूस हो रही है जिसे आप व्यक्त नहीं कर पा रहे । इसका एकमात्र समाधान यह है कि आप खुद के बारे में शांत दिमाग से सोचें जिससे आपको अपनी स्थितियों को बेहतर तरीके से देखने में मदद मिलेगी और आप सही समाधान खोज पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है । इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है । थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यकर्म की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है । अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप व्यवसायिक या निजी कारणों से यात्रा कर सकते हैं । हालाँकि इस समय आपके लिए यात्रा करना मुश्किल होगा लेकिन आप कर पायेंगे और इससे आपको लाभ भी होगा । जो लोग पहले आपकी उदारता को नही समझते थे ,अब उन्हें भी इसकी कीमत समझ आएगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा । आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है । आपको रचनात्मक आलोचना को सही तरीके से ही लें और बदतमीज हुए बिना ही अपनी बात को समझाने से कोशिश करें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज का दिन समृद्धि के एक नए कार्यक्रम को शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है । अगर आप किसी नयी परियोजना के बारे में काफी सोचकर भी किसी नतीजे तक नहीं पहुंच पाए हैं तो आज शुरूकर लें,आज आप जो भी करना शुरू करेंगे ,सफलता जरुर मिलेगी । आज होने वाली घटनाओं से आपके वित्त सम्बन्धी नजरिये में भी बदलाव आएगा और नकारात्मकता कम होगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं । वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है । आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा और आपको जल्दी ही यह भी अहसास हो जाएगा की जितना आपने सोचा था।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आप प्रेरणा से भरे हैं और काफी अच्छी स्थिति में भी हैं । आपका दिमाग सक्रिय है और इसमें नए नए विहार और नीतियां आती रहती हैं । आज का दिन आपके लिए सफलता से भरा रहेगा । हालाँकि अगर आपने अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नही दिया तो यह सब उल्टा -पुल्टा भी हो सकता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए। यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें । आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा । आपको अपनी आँखें और कान खुले रखकर अपने रास्ते में आने वाले अवसरों को पकड़ना है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पंचायत चुनाव से पहले भजनलाल का 'सरपंची' वाला दांव

जयपुर में जुटे प्रदेशभर के सरपंच

जयपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में प्रस्तावित पंचायत चुनाव से पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में राजधानी जयपुर के दुर्गापुरा स्थित दुर्गापुर ऑडिटोरियम में सरपंच संघ की ओर से आयोजित आभार कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए सरपंचों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी ने सियासी माहौल को गरमा दिया। मंच से भाजपा के पक्ष में एकजुटता और आगामी चुनाव में जीत का भरोसा जताया गया।

अपने अनुभवों से सरपंचों को जोड़ा मुख्यमंत्री ने

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने सरपंची कार्यकाल के अनुभव साझा किए। बता दें कि भजनलाल शर्मा का पैतृक गांव नदबई विधानसभा क्षेत्र का अटारी है और उनहोंने वर्ष 2000 में वो खुद सरपंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे जमीनी स्तर की समस्याओं और जनता की अपेक्षाओं को भली-भांति समझते हैं। इसी कारण सरकार सरपंचों की जरूरतों को प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी संकेत दिया कि ग्रामीण विकास से जुड़े लंबित मुद्दों पर सरकार लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने यहां सरपंचों को विश्वास दिलाया कि आप अपनी पंचायत के

विकास के लिए रोडमैप बनाइए। हम निश्चित रूप से चाहते हैं कि आप संवेदनाओं के साथ काम करें।

मनरेगा भुगतान और ग्राम विकास पर भरोसा

करीब 15 दिन पहले सरपंचों के साथ बैठक हुई थी, जिसमें मुख्यमंत्री ने उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। मंच से मनरेगा के बकाया भुगतान को जल्द जारी करने की बात भी दोहराई है।

एक साल में 7 मुलाकातें, सरपंचों में उत्साह

सरपंच संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह ने कहा कि यह पहला अवसर है जब किसी मुख्यमंत्री ने एक वर्ष में सात बार सरपंचों से संवाद के लिए समय निकाला। उन्होंने मुख्यमंत्री को सरपंचों का कार्यकाल बढ़ाने का श्रेय देते हुए बताया कि ग्राम विकास के लिए केंद्र से 800 करोड़ रुपये लाए गए हैं और शेष राशि भी जल्द खातों में डालने का भरोसा दिया गया है।

भाजपा के लिए गांव-गांव प्रचार का ऐलान

प्रदेश महामंत्री शक्ति सिंह रावत ने कहा कि सरपंच संघ गांव-ढाणियों तक जाकर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाएगा और अधिक से अधिक पदों पर पार्टी को जीत दिलाने का प्रयास करेगा। बता दें कि सरपंच संघ की ओर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सम्मान में यह आभार कार्यक्रम 2 फरवरी 2026 को दुर्गापुर ऑडिटोरियम, दुर्गापुरा, जयपुर में आयोजित किया गया।

डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने बता दिया केंद्रीय बजट से राजस्थान को क्या मिला

पेपर लीक पर कही बड़ी बात

अजमेर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सोमवार को अजमेर में कड़े तेवर दिखाते हुए कहा कि राज्य की भाजपा सरकार ने पेपर लीक माफियाओं पर नकेल कस दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि SIT जांच के जरिए 'बड़े मगरमच्छों' की कुंडली तैयार की जा रही है और जल्द ही वे सलाखों के पीछे होंगे। उप मुख्यमंत्री ने पिछली कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में भ्रष्टाचार और पेपर लीक सुर्खियां बनते थे, जबकि भाजपा सरकार ने पिछले दो वर्षों में 300 से अधिक परीक्षाएं बिना किसी अनियमितता के सफलतापूर्वक आयोजित की हैं। किरोड़ीलाल मीणा के सवालों पर उन्होंने आश्वस्त किया कि जांच जारी है और दोषियों को बख्शा

नहीं जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट 2026-27 की सराहना करते हुए इसे 'जीवाईएएन' (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी शक्ति) को समर्पित बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट तीन मुख्य कर्तव्यों आर्थिक वृद्धि, जन-आकांक्षाओं की पूर्ति और सबका साथ-सबका विकास पर आधारित है। दीया कुमारी ने बताया कि केंद्रीय बजट की घोषणाओं का सीधा लाभ राजस्थान के हस्तशिल्प, टेक्सटाइल, मार्बल और एग्रो-बेस्ड उद्योगों को मिलेगा। राजस्थान के पुरातात्विक स्थलों और सांस्कृतिक गंतव्यों का विकास होगा। डिजिटल डॉक्यूमेंटेशन के लिए 'नेशनल डेस्टिनेशन डिजिटल नॉलेज ग्रिड' की स्थापना होगी।

'ये जेहादी बच ना पाए', अचानक क्यों 'आग बबूला' हुए बीजेपी विधायक बालमुकुंद आचार्य ?

जयपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में जयपुर के हवामहल क्षेत्र से भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य एक बार फिर अपने सख्त तेवरों को लेकर चर्चा में हैं। अजमेर की एक हिंदू बालिका को 'लव जिहाद' के जाल में फँसाकर मथुरा ले जाने के मामले में विधायक ने न केवल सोशल मीडिया के ज़रिए हुंकार भरी, बल्कि चलते सफर में ही राजस्थान और उत्तर प्रदेश पुलिस के अधिकारियों को फ़ौरन कार्रवाई करने की बात कही। विधायक ने इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो भी पोस्ट किया है।

अजमेर की बेटी पर 'जिहादी' साया

विधायक बालमुकुंद आचार्य

अपने 'एक्शन मोड' के लिए जाने जाते हैं। भीलवाड़ा से जयपुर लौटते समय उनके सामने अजमेर का एक ऐसा मामला आया जिसने उन्हें विचलित कर दिया। एक सनातनी बालिका को एक अन्य धर्म विशेष के युवक द्वारा 'लव जिहाद' के षड्यंत्र में फँसाकर अपहरण करने और उत्तर प्रदेश के मथुरा ले जाने की जानकारी मिलते ही विधायक ने मोर्चा संभाल लिया।

भीलवाड़ा से जयपुर की यात्रा और 'इंसाफ' का फोन

जानकारी के मुताबिक़ विधायक बालमुकुंद आचार्य भीलवाड़ा में एक कार्यक्रम से लौट रहे थे। इसी दौरान उनके पास अजमेर से आए कुछ लोगों ने संपर्क किया और अपनी व्यथा सुनाई। परिजनों ने बताया कि एक शख्स उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर मथुरा ले गया है और अब उन्हें जान से मारने की धमकियाँ दे रहा है। इसके बाद विधायक ने बिना देर किए चलती गाड़ी से ही अजमेर और मथुरा के पुलिस अधिकारियों को फोन लगा डाला और इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया।

'राष्ट्रविरोधी कृत्य' पर बरसे विधायक

विधायक ने इस घटना को केवल एक साधारण अपराध नहीं, बल्कि एक सुनियोजित राष्ट्रविरोधी साजिश करार दिया। उन्होंने कहा कुछ विधर्मी लोग सनातनी बेटियों को षड्यंत्र का शिकार बना रहे हैं। यह जिहादी मानसिकता का हिस्सा है, जिससे समाज को मुक्त कराना अनिवार्य है।

विधायक ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बालिका को हर हाल में सकुशल बरामद किया जाए और आरोपी के खिलाफ ऐसी कार्रवाई हो जो मिसाल बने।

अलवर में गूंजी क्षत्रिय हुंकार, ईडब्ल्यूएस कोटा 20% करने और राजनीति में बड़ी हिस्सेदारी की मांग

अलवर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्वी राजस्थान के खेड़ली में क्षत्रिय समाज का ऐतिहासिक शक्ति प्रदर्शन देखने को मिला। 'सामाजिक एकता मंच' के बैनर तले आयोजित क्षत्रिय महासम्मेलन में राजस्थान के करीब 10 जिलों से हजारों की संख्या में समाज के लोग जुटे। अलवर, भरतपुर, जयपुर, और शेखावाटी बेल्ट सहित 39 विधानसभा क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने अपनी मांगों को लेकर हुंकार भरी और सरकार को अपनी एकजुटता का संदेश दिया।

आरक्षण और प्रतिनिधित्व पर बड़ा दांव

सम्मेलन का मुख्य एजेंडा आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के लिए

आरक्षण की सीमा को दोगुना करना रहा। समाज के नेताओं ने मांग रखी कि वर्तमान 10% आरक्षण को बढ़ाकर 20% किया जाए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। 39 विधानसभा क्षेत्रों में समाज की संख्या के आधार पर राजनीतिक दलों से उचित प्रतिनिधित्व की मांग की गई। वक्ताओं ने जोर दिया कि समाज का सर्वांगीण विकास केवल शिक्षा और स्वरोजगार के माध्यम से ही संभव है।

पैदल मार्च और ज्ञापन

महासम्मेलन के बाद हजारों की संख्या में क्षत्रिय समाज के लोग सड़कों पर उतरे और खेड़ली उप-तहसील कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला। प्रदर्शन के दौरान माहौल पूरी तरह अनुशासित और जोश से भरा रहा। समाज के प्रतिनिधिमंडल ने उप-विभागीय अधिकारी को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों पर तुरंत विचार करने की चेतावनी दी।

मुख्य अतिथि का संदेश

यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन के अध्यक्ष और मुख्य अतिथि मेघराज सिंह रॉयल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अब समय केवल मांगों का नहीं, बल्कि खुद को सशक्त बनाने का है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा के क्षेत्र में 'क्रांति' लाने का आह्वान किया। इस महासम्मेलन ने स्पष्ट कर दिया है कि आगामी चुनावों और नीति निर्धारण में क्षत्रिय समुदाय अपनी अनदेखी बर्दाश्त नहीं करेगा।

राज्यपाल की दोटूक: सरकारी कर्ज पर बैंक से ज्यादा ब्याज क्यों? फीस बढ़ने और पेंशन सुधार के संकेत

जयपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने प्रदेश के सरकारी विश्वविद्यालयों की खस्ताहाल वित्तीय स्थिति पर गहरी चिंता जताते हुए बड़े बदलावों का खाका तैयार किया है। कुलपतियों के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद जारी निर्देशों में राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि बिना कड़े सुधारों के विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता और वित्तीय स्थिरता बचाना मुश्किल है।

राज्यपाल ने इस बात पर हैरानी जताई कि कई विश्वविद्यालयों में पिछले 10 से 12 वर्षों से ट्यूशन फीस में कोई संशोधन नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि समय के साथ फीस न बढ़ाना संस्थानों को अंदर से खोखला कर रहा है। हालांकि, उन्होंने छात्रों के हितों का ध्यान रखते हुए चेतावनी भी दी किफीस वृद्धि अचानक न हो, ताकि विरोध की स्थिति न बने। कोई भी

बदलाव प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही घोषित कर दिया जाए।

राज्यपाल ने राज्य सरकार की नीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि सरकार विश्वविद्यालयों को 10% से 12% ब्याज पर कर्ज देती है, जबकि बैंक 8% पर ही ऋण दे रहे हैं। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि अपने ही संस्थानों से इतना ऊंचा ब्याज लेना अनुचित है और इसमें तुरंत राहत दी जाए।

हाल के दिनों में कुलपतियों के निलंबन और भ्रष्टाचार के मामलों को देखते हुए राज्यपाल ने CAG की ओर से ऑडिट अनिवार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हर कुलपति को अपने तीसरे वर्ष के कार्यकाल में अनिवार्य ऑडिट कराना होगा ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

पेंशन और पाठ्यक्रम पर विशेष जोर

राज्यपाल ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से पेंशन भुगतान के मुद्दे पर चर्चा की और एक समर्पित समिति बनाने का प्रस्ताव दिया। साथ ही, उन्होंने पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली को बढ़ावा देने की वकालत करते हुए ऋषि पराशर और वल्लभाचार्य के ग्रंथों को शामिल करने का सुझाव दिया। राज्यपाल ने साफ कहा कि खाली पदों पर भर्ती में देरी शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ है, जिसे तुरंत दूर किया जाना चाहिए।

कार से मिला 8 किलो गांजा, पिस्तौल और जिंदा कारतूस, लेकिन नोटों की गड्डी देख पुलिस भी हुई हैरान

सिरोही, 2 जनवरी (एजेंसियां)। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. प्यारेलाल शिवरान के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रोहिड़ा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने एक कार से 8 किलो 160 ग्राम गांजा, एक पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद कर चार जनों को डिटेन किया है।

रोहिड़ा थानाधिकारी अमराराम खोखर के नेतृत्व में पुलिस जाब्ता नियमित गश्त पर था। इसी दौरान वाटेरा नदी रपट, वाटेरी माता रोड पर एक बिना नंबर प्लेट की काले रंग की कार संदिग्ध अवस्था में नजर आई। कार को रुकवाने पर उसमें सवार युवक मौके से भागने लगे। पुलिस ने चालक सहित एक अन्य व्यक्ति को मौके पर ही पकड़ लिया, जबकि दो जने फरार हो गए। इसके बाद खेतों और झाड़ियों में तलाश की गई। करीब एक घंटे की सर्च के बाद फरार हुए दोनों आरोपियों को भी पकड़ लिया गया। थानाधिकारी अमराराम ने बताया कि कार की तलाशी के दौरान चालक सीट पर बैठे यासीन के पास से एक पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इस संबंध में आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। वाहन की पिछली सीट पर रखे कट्टे से लगभग 8 किलो 160 ग्राम गांजा बरामद किया गया। इसके अलावा भारतीय मनोरंजन चिल्ड्रन बैंक के नोटों की एक गड्डी भी मिली है। आरोपियों से इन नोटों के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। बरामद समस्त सामग्री को नियमानुसार जब्त कर लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि मामले में चित्तौड़गढ़ जिले के यासीन, राजसमंद जिले के शिवलाल और विष्णु जाट तथा रोहिड़ा थाना क्षेत्र के वजाराम को डिटेन किया गया है। सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट एवं आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे अनुसंधान किया जा रहा है।

सोशल मीडिया फ्रेंड को अश्लील वीडियो दिखाकर 'लड़की' ने ऐंठे 23 लाख रुपए

डूंगरपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। डूंगरपुर में सोशल मीडिया पर लड़की की फर्जी आइडी बनाकर ठगी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी गिरधारी सिंह ने बताया कि जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के एक युवक ने साइबर थाने में रिपोर्ट दी थी। उसमें बताया कि उसकी फेसबुक आइडी पर एक लड़की की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। इस पर रिक्वेस्ट को प्रार्थी ने स्वीकार कर लिया। बाद में दोनों में वार्तालाप शुरू हुआ।

रुपए मांगे तो, प्रार्थी ने किया मना

प्रार्थी ने अपना व्हाट्सएप नंबर दिया। वार्तालाप में अक्सर वह युवक को अश्लील वीडियो दिखाती थी। वहीं, उसने अपने आप को उदयपुर में एक हॉस्पिटल में कार्यरत होना बताया और

उसका चिकित्सक के पद पर प्रमोशन होने पर अहमदाबाद प्रशिक्षण करना जाने के बारे में बताया। महिला ने रुपए मांगे तो, प्रार्थी के मना करने पर वह उसे डराने धमकाने लगी और उसके बीच हुई वार्तालाप को अपने परिजनों को बताने की धमकी दी।

करीब 23 लाख रुपए की राशि ट्रांसफर की

इस पर प्रार्थी मानसिक तनाव में आ गया और उसने 9 माह में लगभग करीब 23 लाख रुपए की राशि ट्रांसफर कर दी। प्रार्थी ने बाद में यह राशि वापस मांगी तो, उसने लौटाने से मना कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर छानबीन की।

बाडमेर में आरोपी को पुलिस टीम ने धर दबोचा

पुलिस टीम बाडमेर पहुंची और आरोपी की अलग जगह पर दबिश देने के बाद अम्बेडकर कॉलोनी बाडमेर निवासी कपिलदेव उर्फ बाबू मेघवाल पुत्र ठाकरा राम मेघवाल को गिरफ्तार किया। कार्रवाई एएसआई छत्तर सिंह, मदनलाल, कांस्टेबल अभिषेक, मगन, सत्येंद्र सिंह व ज्योति शामिल थी।

50 लाख से अधिक राशि की ठगी

पुलिस ने भी बताया कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर एक महिला के नाम पर फर्जी आइडी बना रखी थी। इस आइडी के माध्यम से वह लोगों से ठगी करता था। आरोपी अब तक 50 लाख रुपए से अधिक की ठगी कर चुका है।

पूर्व मंत्री हेम सिंह भड़ाना का निधन

अलवर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति से सोमवार को एक दुखद खबर सामने आई। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व विधायक हेम सिंह भड़ाना का सोमवार सुबह करीब 7 बजे निधन हो गया। वे 59 वर्ष के थे और पिछले छह माह से कैंसर से पीड़ित थे। परिजनों के अनुसार अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अलवर स्थित हरीश हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हाल ही में उन्हें ब्रेन हेमरेज भी हुआ था, जिसके चलते वे करीब 15 दिन तक गुरुग्राम के फोर्टिस हॉस्पिटल में भर्ती रहे थे। हेमसिंह भड़ाना का अंतिम संस्कार दोपहर 12 बजे उनके पैतृक गांव किशनगढ़बास के भगेरी कलां में किया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के भी इसमें शामिल होने की संभावना है।

खेजड़ी बचाओ आंदोलन आर-पार की लड़ाई शुरू

कहा- 'गर्दन कटा देंगे, पर खेजड़ी नहीं कटने देंगे'

बीकानेर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। 'गर्दन कटा सकते हैं, लेकिन खेजड़ी नहीं कटने देंगे' इस हुंकार के साथ आज सोमवार को बीकानेर की धरती एक ऐतिहासिक आंदोलन की गवाह बनी। राजस्थान के राज्य वृक्ष खेजड़ी को सोलर कंपनियों की कुल्हाड़ी से बचाने के लिए आज बीकानेर में महापड़ाव शुरू हुआ। आंदोलन की गूंज ऐसी रही कि शहर के बाजार पूरी तरह बंद रहे और स्कूलों में आधे दिन की छुट्टी घोषित करनी पड़ी।

इस महापड़ाव में सियासत के युवा सितारे और शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी, विधायक अभिमन्यु पूनिया और पूर्व मंत्री भंवर सिंह भाटी सहित कई दिग्गज पहुंचे हैं। पूर्व विधायक महेंद्र बिश्नोई ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, 'हमने सलमान खान को नानी याद दिला दी थी, तो पेड़ों की कटाई करने वाली कंपनियां क्या चीज हैं। अब कानून में बदलाव और कड़ी सजा की जरूरत है।'

10 राज्यों से पहुंचे लोग, 1 लाख के खाने का इंतजाम

खेजड़ी को बचाने के लिए केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से भी हजारों की संख्या में लोग, विशेषकर महिलाएं पहुंची हैं। पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में एक लाख लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है। आंदोलनकारियों का आरोप है कि पश्चिमी राजस्थान में सोलर कंपनियां अपने प्रोजेक्ट्स के लिए रात के अंधेरे में खेजड़ी के पेड़ों को काटकर जमीन में गाड़ देती हैं। पिछले एक महीने से कलेक्ट्रेट और करणीसर भाटियान में अनिश्चितकालीन धरना जारी है, जहां कई महिलाओं की तबीयत भी बिगड़ चुकी है, लेकिन हौसले अभी भी बुलंद हैं।

विधायक महंत प्रतापपुरी बोले- सरकार संतों के प्रति संवेदनशील, साध्वी प्रेम बाईसा को न्याय मिलेगा

जैसलमेर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कथावाचक और साध्वी प्रेम बाईसा की संदिग्ध हालात में हुई मृत्यु के बाद यह मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। घटना को लेकर पुलिस गहन जांच में जुटी हुई है और हर पहलू से पड़ताल की जा रही है। पोकरण से विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज ने साध्वी प्रेम बाईसा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार संत समाज के प्रति संवेदनशील है और पीड़िता को अवश्य न्याय मिलेगा। बाड़मेर प्रवास के दौरान उन्होंने इस दुखद घटना पर गहरा दुःख जताया।

'मामले को लेकर गंभीर है सरकार'

विधायक प्रतापपुरी महाराज ने बताया कि साध्वी प्रेम बाईसा बचपन से ही सनातन धर्म के प्रति आस्था और समर्पण रखती थीं। वे सीमांत और ग्रामीण इलाकों में कथाओं के माध्यम से धर्म का

प्रचार-प्रसार कर रही थीं। उन्होंने कहा कि आज के समय में बहुत कम साध्वियां इस तरह आगे आकर धर्म सेवा का कार्य करती हैं।

साध्वी प्रेम बाईसा की मौत को लेकर चल रही चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक ने कहा कि सरकार इस पूरे मामले को गंभीरता से ले रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं इस प्रकरण पर नजर बनाए हुए हैं और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मामले की निष्पक्ष जांच होगी और सच्चाई सामने लाई जाएगी।

मौके से जुटाए गए अहम साक्ष्य

वहीं डीसीपी वेस्ट विनीत बंसल ने जानकारी दी कि घटना के बाद पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि जांच टीम हर संभावित एंगल को ध्यान में रखते हुए काम कर रही है। डीसीपी के अनुसार एफएसएल की टीम ने एक बार फिर घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके से जुटाए गए अहम साक्ष्यों की वैज्ञानिक जांच और विश्लेषण किया जा रहा है। इसके अलावा साध्वी के पिता के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल्स और सोशल मीडिया गतिविधियों को भी खंगाला जा रहा है, ताकि जांच से जुड़ा कोई भी सुराग नजरअंदाज न हो।

तस्करों की कारस्तानी, मिर्च के अंदर छिपा नशा!

मथानिया की हरी मिर्च बनी तस्करी का नया जरिया

जोधपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। जोधपुर से सामने आया नशा तस्करी का एक ऐसा चौंकाने वाला तरीका, जिसने पुलिस और जांच एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया है। देशभर में अपनी खुशबू और तीखेपन के लिए प्रसिद्ध मथानिया और सोयला की हरी मिर्च अब कथित तौर पर ड्रग्स तस्करी का नया जरिया बनती दिख रही है। तस्करों ने नशे की खेप छिपाने का ऐसा तरीका अपनाया कि पहली नजर में किसी को शक तक न हो। जोधपुर से हैदराबाद जा रही एक निजी बस में देशी हरी मिर्च का पार्सल बुक कराया गया था। पार्सल भेजने वाले व्यक्ति ने बताया था कि हैदराबाद में रहने वाले परिचितों के लिए जोधपुर की खास मिर्च भेजी जा रही है। बस निर्धारित मार्ग पर रवाना हो गई लेकिन सफर के दौरान चालक को पार्सल में कुछ संदिग्ध लगने पर शक हुआ। बस स्टाफ ने पार्सल की जांच की तो ऊपर सामान्य हरी मिर्च रखी हुई थी लेकिन नीचे की मिर्चों में अजीब तरह का लंबा चीरा दिखाई दिया। जब एक मिर्च को खोलकर देखा गया तो अंदर सिल्वर फॉइल में लिपटी छोटी-छोटी पुड़िया भरी मिलीं। बताया जा रहा है कि एक मिर्च के भीतर तीन से चार पुड़ियां छिपाई गई थीं। आशंका जताई जा रही है कि इनमें स्मैक या एमडी जैसे मादक पदार्थ हो सकते हैं। स्टाफ ने तुरंत पुलिस को सूचना दी लेकिन बस अपने गंतव्य तक पहुंच चुकी थी। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति पार्सल लेकर मौके से फरार हो गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें मिर्च के अंदर छिपी पुड़ियां साफ दिखाई दे रही हैं। इस खुलासे के बाद विभिन्न जांच एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। परिवहन साधनों से भेजे जाने वाले खाद्य पार्सलों की निगरानी बढ़ाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि तस्कर लगातार नए तरीके अपनाकर कानून से बचने की कोशिश करते हैं, लेकिन ऐसे मामलों में तकनीकी और मानवीय सतर्कता से ही गिरोहों तक पहुंचा जा सकता है।

बजट भेदभाव पर चर्चा की मांग

केटीआर ने विधानसभा सत्र में बहस का आग्रह किया

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर बजट आवंटन में राज्य के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने आगामी विधानसभा सत्र में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की मांग की है। उन्होंने दावोस में विश्व आर्थिक मंच के दौरान तेलंगाना में किए गए निवेश वादों पर भी सदन में बहस कराने की मांग की।

सोमवार को यहां मीडियाकर्मियों से अनौपचारिक बातचीत में रामाराव ने कहा कि सत्ता में आने के बाद से कांग्रेस सरकार जनता को कोई ठोस लाभ देने में विफल रही है और इसके बजाय विपक्षी नेताओं को निशाना बनाकर जांच एजेंसियों के माध्यम से ध्यान भटकाने की राजनीति कर रही है। उन्होंने बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से लंबी पूछताछ को तथ्यों की जांच के बजाय मीडिया में तमाशा खड़ा करने का प्रयास बताया।

उन्होंने कहा कि जांच के दौरान भारी पुलिस बल की तैनाती का उद्देश्य मौजूदा जनसमस्याओं से जनता का ध्यान हटाना था। रामाराव ने कहा कि कांग्रेस सच्चाई सामने लाने के बजाय राजनीतिक लाभ उठाने में अधिक रुचि रखती है और फोन टैपिंग का मामला पूरी तरह निराधार है, जिसे अदालतें पहले ही खारिज कर चुकी हैं।

उन्होंने हैदराबाद पुलिस आयुक्त और एसआईटी प्रमुख वी. सी. सज्जनार द्वारा फोन टैपिंग मामले को अवैध बताए जाने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि किसी भी मामले की वैधता तय करना अदालतों का काम है, न कि पुलिस अधिकारियों का। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि ऐसे बयान न दें जिन्हें जांच पर पूर्वाग्रह के रूप में देखा जा सकता है।

रामाराव ने कहा कि चंद्रशेखर राव को परेशान करने के प्रयास तेलंगाना के आत्मसम्मान पर हमला हैं और बीआरएस किसी भी प्रकार की जांच या राजनीतिक दबाव से डरने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की विफलताओं का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से दिया जाएगा। राज्य भर में हुए विरोध प्रदर्शनों के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि 12,000 से अधिक गांवों में हुए प्रदर्शन और करीब 7,000 गांवों में पुतले जलाए जाने की घटनाएं सरकार के प्रति जनता के व्यापक असंतोष को दर्शाती हैं।

सरकार की विफलताओं को गिनाते हुए उन्होंने मेडाराम समक्का-सरक्का जतारा के कथित कुप्रबंधन, कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और भूमि, जल निकायों व कोयला संसाधनों की उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कृष्णा जल विवाद में तेलंगाना के हितों की रक्षा न कर पाने के लिए भी सरकार को जिम्मेदार ठहराया। सिंगरेनी कोयला निविदा विवाद पर रामाराव ने अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच की मांग की और कहा कि आंतरिक समितियों पर जनता का भरोसा नहीं है। केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि इसमें हैदराबाद की जीवन विज्ञान और फार्मा क्षेत्रों की अनदेखी की गई है और ग्रामीण रोजगार व सब्सिडी में कटौती से आम लोगों को नुकसान होगा।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की दिल्ली यात्राओं पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि इन दौरों से राज्य को क्या ठोस लाभ मिला है।

टॉवर-बी में आरओ वाटर प्लांट का उद्घाटन

हैदराबाद, 2 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (टीजीआईसीसीसी) के निदेशक वी. बी. कमलासन रेड्डी ने सोमवार को टीजीआईसीसीसी टावर्स, बंजारा हिल्स, हैदराबाद के टॉवर–बी की 15वीं मंज़िल पर आरओ वाटर प्लांट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। नव-स्थापित आरओ वाटर प्लांट से टॉवर–बी में कार्यरत विभिन्न संगठनों, जिनमें तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (टीजीएएनबी), तेलंगाना साइबर सिक्योरिटी ब्यूरो (टीजीसीएसबी) तथा टीजीआईसीसीसी शामिल हैं, के लगभग 900 कर्मचारियों को सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। यह सुविधा कार्यस्थल अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा अधिकारियों और कर्मचारियों के कल्याण को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों के तहत स्थापित की गई है, ताकि उन्हें स्वच्छ पेयजल एवं आवश्यक बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जा सकें।

गलती करने पर जांच का करना होगा सामना : रेवंत रेड्डी

जस्टिस सुदर्शन रेड्डी को रवि नारायण रेड्डी राष्ट्रीय पुरस्कार देने की सराहना

हैदराबाद, 2 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि गलती करने पर जांच का सामना करना होगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति यदि गलती करता है तो उसे जांच से बचाया नहीं जा सकता। यह बयान उन्होंने रवि नारायण रेड्डी राष्ट्रीय पुरस्कार वितरण समारोह में दिया, जो बंजारा हिल्स स्थित रवि नारायण रेड्डी ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया।

समारोह में जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी को पुरस्कार प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी और अन्य आंदोलनकारियों का हवाला देते हुए कहा कि राष्ट्रपिता के लिए किसी ने अपनी संपत्ति या जीवन की चिंता नहीं की, उन्होंने अपने जीवन को त्यागकर समाज और राष्ट्र के लिए काम किया। उन्होंने आलोचना की कि आज कुछ लोग खुद को 'तेलंगाना के राष्ट्रपिता' बताकर आंदोलनकारियों के योगदान को भूल रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पुलिस छोटी नोटिस देती थी, तब क्या राष्ट्रपिता को नोटिस दी जाती थी? आंदोलन के दौरान प्रोफेसर कोदंदराम जैसे नेताओं को गिरफ्तार किया गया, लेकिन आंदोलनकारियों ने उनकी याद क्यों नहीं की?

मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल नोटिस भेजने से या जांच बुलाने से किसी चीज़ का वास्तविक मूल्य नहीं तय होता। मुख्यमंत्री ने कहा कि जस्टिस सुदर्शन रेड्डी को रवि नारायण रेड्डी राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना उचित है। उन्होंने आयोजनकर्ताओं की समय पर सही निर्णय लेने की सराहना की। उन्होंने कहा कि जस्टिस सुदर्शन रेड्डी ने लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखते हुए राजनीतिक दलों और व्यक्तियों के एकाधिकार के खिलाफ चुनाव में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने रवि नारायण रेड्डी को तेलंगाना के लिए अपने जीवन का सब कुछ न्योछावर करने वाला महान नेता बताया। उन्होंने कहा कि भूस्वामी परिवार में जन्म लेने के बावजूद उन्होंने गरीबों के लिए अपनी 500 एकड़ जमीन दान कर दी।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि मुनिसिपल चुनावों के बाद रवि नारायण रेड्डी को उचित सम्मान देने के लिए राज्य सरकार आवश्यक कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि संविधान को रद्द करना उनकी गुप्त योजना है। उन्होंने चेतावनी दी कि मोदी सरकार देश में एकपार्टी और एकव्यक्ति शासन लागू करने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संविधान और मताधिकार की रक्षा के लिए कांग्रेस और कम्युनिस्टों को मिलकर समाज में जागरूकता फैलानी होगी।

जीएचएमसी आज से पूरे शहर में स्वच्छता अभियान शुरू करेगा

प्रतिदिन तीन सौ वार्डों की सफाई की जाएगी

हैदराबाद, 2 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम जीएचएमसी ने 3 फरवरी से 28 फरवरी तक पूरे शहर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने की योजना बनाई है। इस अभियान के तहत प्रतिदिन तीन सौ वार्डों की सफाई की जाएगी। इसका उद्देश्य शहर को पूर्णतः स्वच्छ बनाना और कचरा संवेदनशील क्षेत्रों को हटाना है। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान जीएचएमसी कमिश्नर के निर्देशानुसार संचालित होगा और इसमें पुराने कचरे, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट, निर्माण और विध्वंस कचरा, हरित अपशिष्ट और शहरी विकास कार्यों से उत्पन्न अवशिष्ट हटाने पर जोर दिया जाएगा। सफाई गतिविधियाँ प्रतिदिन सुबह छह बजकर तीस मिनट से शुरू होंगी और विभिन्न शहरी परिसंपत्तियों में चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएंगी। अभियान के दौरान फुट ओवरब्रिज, फ्लाईओवर, सड़क किनारे, मीडियन्स, झीलें, नाले, फुटपाथ, पार्क और झुग्गी बस्तियों की सफाई, लंबित पुराने कचरे का निस्तारण, विशेष वाहनों के माध्यम से निर्माण और विध्वंस कचरे को हटाना, चयनित कचरा संवेदनशील क्षेत्रों को सार्वजनिक उपयोग के अनुकूल स्थानों में बदलना, जिसमें वॉल पेंटिंग, वृक्षारोपण और सौंदर्यीकरण शामिल हैं। इसी क्रम में नागरिकों, स्कूलों और निवासी संघों को शामिल कर जागरूकता अभियान, ई-कचरा संग्रह, हरित अपशिष्ट का निस्तारण और पुनः उपयोग आर.आर.आर. केंद्रों के माध्यम से, कचरा फैलाने, खुले में मूत्रत्याग और अवैध डंपिंग पर तत्काल जुर्माने भी लगाए जाएंगे। जोनल कमिश्नर, डिप्टी कमिश्नर, एसडब्लूएम इंजीनियर, कचरा प्रबंधन एजेंसियों और शहरी समुदाय विकास टीमें अंतर-विभागीय समन्वय, रीयल टाइम मॉनिटरिंग और दैनिक प्रगति रिपोर्टिंग सुनिश्चित करेंगी।

साइबराबाद आईटी कॉरिडोर में पैदल यात्री सुरक्षा के लिए स्काईवॉक प्रस्तावित

सीपी ने परियोजना का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 2 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस कमिश्नर डॉ. एम. रमेश ने बुधवार को रार्यदुर्गम–टी-हब मार्ग में प्रस्तावित स्काईवॉक परियोजना का निरीक्षण किया। यह परियोजना पैदल यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने, कॉरिडोर की चलने योग्य सुविधा सुधारने और भारी यातायात को कम करने के उद्देश्य से प्रस्तावित की गई है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने उच्च घनत्व वाले आईटी कॉरिडोर में प्रमुख जोखिम वाले पैदल मार्ग और यातायात जाम वाले स्थानों की पहचान की। प्रस्तावित स्काईवॉक राइडुर्गम मेट्रो स्टेशन से प्रारंभ होकर आईकेईए फ्लाईओवर और आईओसीएल जंक्शन होते हुए टी-हब तक जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि इस कॉरिडोर में पैदल यात्री संख्या अत्यधिक है और यातायात जाम की समस्या लगातार बनी रहती है। प्रस्तावित स्काईवॉक से पैदल यात्री सुरक्षित रूप से सड़क पार कर सकेंगे और वाहनों के प्रवाह में भी लगभग 30% की राहत मिलेगी। परियोजना को साइबराबाद सुरक्षा परिषद (एससीएससी) और कई निजी स्टेकहोल्डर्स के सहयोग से विकसित किया जा रहा है। पहले चरण में 500 मीटर लंबा स्काईवॉक निर्माण करने की योजना है, जबकि टी-हब और माइंडस्पेस सी-गेट को जोड़ने वाला 400 मीटर का अंडरपास भी प्रस्तावित है, जो अंतिम मील कनेक्टिविटी में सुधार करेगा। योजना को राज्य सरकार को इंडस्ट्रियल एरिया लोकल अथॉरिटी (आईएएलए) और तेलंगाना स्टेट इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन (टीजीआईआईसी) के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। भविष्य में इसे आस-पास के ऑफिस क्लस्टर्स तक बढ़ाने की योजना है। निरीक्षण में वरिष्ठ पुलिस और यातायात अधिकारी, एससीएससी प्रतिनिधि और कॉर्पोरेट स्टेकहोल्डर्स शामिल थे।

सरपंच बनने की लालच में पिता ने मासूम बेटी को मौत के घाट उतारा

नांदेड के कोंडामंगली पांडुरंग ने उठाया खौफनाक कदम

हैदराबाद/ निज़ामाबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक बाप सरपंच बनने की लालच में अपनी मासूम बेटी को कथित तौर पर मौत के घाट उतार दिया। यह खौफनाक कदम महाराष्ट्र के नांदेड जिले के पांडुरंग कोंडमंगले ने उठाया। पुलिस ने इस मामले में पांडुरंग समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। निज़ामाबाद के येडापल्ली पुलिस के अनुसार, कुछ दिन पहले ग्रामीणों ने निज़ामसागर नहर में लड़की का शव तैरता हुआ देखा था। पुलिस ने शक को नहर से निकलवाने के बाद शव को निज़ामाबाद मुर्दाघर में भेज दिया और उसकी पहचान के लिए तस्वीरें और विवरण जारी कर दिया। पुलिस ने लड़की की पहचान महाराष्ट्र के नांदेड़ ज़िले के मुखेड़ मंडल के केरूर गांव की प्राची के रूप में की। पुलिस को प्राथमिक छानबीन में पता चला कि उसके पिता, कोंडामंगली पांडुरंग ने दो बच्चों के नियम से बचने और आने वाले पंचायत चुनावों में चुनाव लड़ने के लिए गांव के सरपंच गणेश रामचंद्र शिंदे की मदद से हत्या की योजना बनाई।' महाराष्ट्र के नांदेड़ के केरूर गांव में रहने वाले 28 वर्षीय पांडुरंग कोंडमंगले की प्राची ट्विन जुड़वाँ लड़कियों में बड़ी थी। आरोपी के पास एक तीन साल का बेटा और जुड़वाँ बेटियाँ हैं। पुलिस के अनुसार, पंडुरंग का सपना था कि वह अपने गांव का सरपंच बने, लेकिन महाराष्ट्र पंचायत राज अधिनियम के अनुसार दो से अधिक बच्चों वाले लोग पंचायत चुनाव नहीं लड़ सकते।

इस नियम के चलते उसने अपनी बेटी प्राची को हटाने का खौफनाक कदम उठाया। शुरुआत में पंडुरंग और वर्तमान सरपंच गणेश शिंदे ने प्राची को गोद देने या छोड़ने पर विचार किया, लेकिन जन्म प्रमाणपत्र में उसका नाम दर्ज होने के कारण यह विकल्प कारगर नहीं था। इसके बाद दोनों ने कथित रूप से प्राची की हत्या की साजिश रची। पुलिस कमिश्नर चैतन्य के अनुसार, पांडुरंग ने प्राची को मोटरसाइकिल पर नज़दीकी निज़ामाबाद जिले में निझमसागर नहर ले जाकर उसमें धक्का दे दिया। पास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों ने पानी में कुछ गिरने की आवाज़ सुनी और वहां पहुंचे तो प्राची का शव तैरता हुआ मिला। प्राची की मौत के बाद उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और समाचार पत्रों में वायरल हो गईं। एक ग्रामीण ने उसकी पहचान कर तेलंगाना पुलिस को सूचना दी। तेलंगाना पुलिस ने तीन टीमें बनाकर मामले की जांच शुरू की। आरोपी पिता ने शुरू में दावा किया कि बच्ची किसी दूर के अस्पताल में इलाज करा रही है, लेकिन जब दबाव डाला गया तो उसने हत्या स्वीकार कर ली। पुलिस ने पांडुरंग कोंडमंगले के खिलाफ हत्या और आपराधिक साजिश के तहत मामला दर्ज किया है। वर्तमान सरपंच को सह-साजिशकर्ता के रूप में नामजद किया गया है। पुलिस के अनुसार, प्राची तैरना नहीं जानती थी। ग्रामीणों के तुरंत पहुंचने के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका।

निजी स्कूल में शारीरिक दंड का आरोप

छात्र के परिजनों ने की कार्रवाई की मांग

संगारेड्डी, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जहीराबाद कस्बे के एक निजी स्कूल में शारीरिक दंड का मामला सामने आया है। चार दिन पहले एक शिक्षक द्वारा आठवीं कक्षा के छात्र की कथित पिटाई किए जाने का आरोप है। पीड़ित छात्र के परिजनों ने पुलिस से शिकायत की है, हालांकि खबर लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं किया गया था।

पीड़ित छात्र के चाचा मोहम्मद ताहिर ने बताया कि उनका भतीजा सैयद फैजान जहीराबाद स्थित शाहीन स्कूल में आठवीं कक्षा का छात्र है। उनका आरोप है कि सामाजिक विज्ञान के शिक्षक मोहम्मद अफसर ने बिना किसी ठोस कारण के छात्र की पिटाई की।

परिजनों का कहना है कि इस घटना में छात्र को गंभीर चोटें आई हैं और उसे मानसिक आघात व अपमान का भी सामना करना पड़ा है। उन्होंने इस तरह के कृत्य को निंदनीय बताते हुए शिक्षक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मामले को लेकर अभिभावकों में नाराजगी है और उन्होंने प्रशासन से स्कूलों में छात्रों के साथ होने वाले शारीरिक दंड पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की है।

खानपुर नगरपालिका वार्ड में पार्षद चयन के लिए लॉटरी प्रस्ताव पर विवाद

निर्मल, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। खानपुर नगरपालिका के एक वार्ड में पार्षद चयन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि वार्ड के बुजुर्गों ने उम्मीदवारों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए चुनाव के बजाय लॉटरी के जरिए पार्षद चुनने का फैसला किया और प्रत्येक उम्मीदवार से 25 लाख रुपये की जमा राशि वसूलने का निर्णय लिया। सूत्रों के अनुसार, वार्ड के वरिष्ठ सदस्यों ने शनिवार रात गुप्त रूप से बैठक कर यह तय किया कि सभी उम्मीदवार 25-25 लाख रुपये जमा करेंगे और लॉटरी निकालकर पार्षद का चयन किया जाएगा। चयन के बाद शेष उम्मीदवारों को उनकी राशि वापस करने का प्रस्ताव भी रखा गया। बताया गया है कि संबंधित वार्ड से 10 से अधिक उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए थे। हालांकि, एक उम्मीदवार ने इस फैसले का विरोध किया, जिसके बाद बुजुर्गों को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करना पड़ा। इसके चलते रविवार को प्रस्तावित बैठक को टालकर सोमवार के लिए स्थगित कर दिया गया है। मामले को लेकर वार्ड में चर्चाओं का दौर जारी है और स्थानीय लोगों में इस अनोखे प्रस्ताव को लेकर नाराजगी भी देखी जा रही है।

बाघ की दहशत से ग्रामीणों में भय

यादाद्री–सिद्दिपेट सीमा के गांवों में अलर्ट

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बाघ की गतिविधि की आशंका के चलते यादाद्री भुवनगिरी और सिद्दिपेट जिलों के आधे दर्जन से अधिक गांवों में दहशत का माहौल बना हुआ है। वन अधिकारियों और स्थानीय ग्राम प्रधानों द्वारा सतर्कता बरतने की सलाह के बाद ग्रामीणों में भय व्याप्त है और लोग शाम होते ही घरों में सिमटने को मजबूर हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने दोनों जिलों की सीमा पर स्थित लगभग छह से सात गांवों में बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पिंजरे, कैमरा ट्रैप और थर्मल ड्रोन तैनात किए हैं। यदाद्री भुवनगिरी जिले के तुर्कपल्ली मंडल के कोंडापुर, श्रीनिवासपुरम, तिरुमुलापुरम, कोनापुर, वीरारेड्डीपल्ली और गंडामल्ला गांवों के साथ ही सिद्दिपेट जिले के जगदेवपुर मंडल के बसवापुर, पीरलापल्ली और धर्माराम गांवों के निवासियों को अकेले जंगल में न जाने और शाम ढलने से पहले घर लौटने की सलाह दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि शाम होते ही गांवों की सड़कें सुनसान हो जाती हैं। जगदेवपुर मंडल के निवासी महेश ने बताया कि बाघ के डर से लोग घरों से बाहर निकलने से कतराते हैं।

साइबराबाद पुलिस कमिश्नर ने ई-ऑफिस लॉन्च किया

सरकारी प्रक्रियाओं में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के महत्व पर जोर

हैदराबाद, 2 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस कमिश्नर डॉ. एम. रमेश ने आज पुलिस कमिश्नर कार्यालय कक्ष में ई-ऑफिस सिस्टम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर डीसीपी क्राइम्स मुथ्यम रेड्डी और डीसीपी साइबर क्राइम्स वाई.वी.एस. सुधींद्र भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने इस अवसर पर पेपरलेस कार्य संस्कृति की दिशा में बदलाव और सरकारी प्रक्रियाओं में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के महत्व पर जोर दिया। ई-ऑफिस सिस्टम का उद्देश्य फाइल ट्रैकिंग को सरल बनाना, जवाबदेही बढ़ाना, निर्णय लेने में विलंब को कम करना और विभागों के बीच सुरक्षित डिजिटल सहयोग सक्षम करना है। ई-ऑफिस एक वर्कफ़्लो-आधारित डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है, जो पारंपरिक फाइल हैंडलिंग को डिजिटल रूप में दोहराता है और साथ ही स्वचालन और कार्यकुशलता जोड़ता है। यह प्लेटफ़ॉर्म फाइलों के पंजीकरण, निर्माण, रिसीट और फाइलों की आवाजाही, तथा अभिलेखागार तक सभी चरणों को कवर करता है।

सिस्टम रीयल-टाइम ट्रैकिंग की सुविधा देता है, जवाबदेही सुनिश्चित करता है, डेटा सुरक्षा और अखंडता को मजबूत बनाता है और कभी भी, कहीं भी पहुँच की सुविधा प्रदान करता है। सरकार का कहना है कि ई-ऑफिस के माध्यम से प्रक्रियाओं को मानकीकृत करना, टर्नअराउंड टाइम कम करना और संसाधनों का प्रभावी प्रबंधन करना संभव होगा। इससे नवाचार, सहयोग और ज्ञान साझा करना बढ़ेगा और सरकारी कार्य संस्कृति में सकारात्मक बदलाव आएगा।

न्यालकल पशु मेले में बैलों की जोड़ी 34 लाख रुपये में बिकी

संगारेड्डी, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मशीनीकरण के कारण कृषि कार्यों में बैलों का उपयोग कम जरूर हुआ है, लेकिन किसानों और पशु प्रेमियों के बीच उनकी मांग अब भी बनी हुई है। इसका प्रमाण रविवार को न्यालकल मंडल मुख्यालय के पास हजरत पीर गरीब साहब काबली दरगाह में आयोजित वार्षिक पशु मेले में देखने को मिला। दरगाह में हर वर्ष फरवरी माह में एक सप्ताह तक उर्स-ए-शरीफ का आयोजन किया जाता है। इसी उर्स उत्सव के अंतर्गत लगने वाले पशु मेले में कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों से बैल, भैंस और अन्य मवेशी लाए जाते हैं। खरीदारों को आकर्षित करने के लिए बैलों को रंग-बिरंगे ढंग से सजाया गया था।

इस वर्ष मेले में बैलों की एक

जोड़ी रिकॉर्ड 34 लाख रुपये में बिकी।

मुनिपल्ली मंडल के गोपालपुरम निवासी सामेल ने यह जोड़ी एक किसान को बेची। वहीं, रायकोड मंडल के जंगी निवासी किसान सलमान ने अपनी बैलों की जोड़ी 24 लाख रुपये में बेची। देश के विभिन्न हिस्सों से आए किसानों ने अपनी पसंद के पशु खरीदने के लिए मेले में भाग लिया। न्यालकल के प्रसिद्ध मूर्तिकार होथी बसवराज द्वारा अपने दिवंगत माता-पिता अदावप्पा और गिरिजाबाई की स्मृति में स्थापित पुरस्कार कार्यक्रम के दौरान जहीराबाद डीएसपी सैदा नायक के हाथों सर्वश्रेष्ठ पशुपालकों को प्रदान किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी दरगाह पहुंचे और मन्नतें मांगीं।

तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रामचन्द्र राव और सूचना प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक मामलों के कैबिनेट मंत्री, महाराष्ट्र सरकार, आशीष शेलार ने हैदराबाद में माँ भाग्यलक्ष्मी का दर्शन-पूजन किया।

बकाया की वसूली में बड़ी सफलता

लाख रुपये से अधिक का राजस्व एकत्र

मंचेरियल, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगर निगम चुनावों के चलते जिले के पांच नगर निकायों को संपत्ति कर और पानी के कनेक्शन बिलों के बकाया की वसूली में बड़ी सफलता मिली है। चुनावी प्रक्रिया के दौरान कुल 75 लाख रुपये से अधिक का राजस्व एकत्र किया गया। नगरपालिका चुनावों में नामांकन दाखिल करने के लिए उम्मीदवारों को संबंधित नगर निकायों से 'नो-ड्यू सर्टिफिकेट' (बकाया न होने का प्रमाण पत्र) प्रस्तुत करना अनिवार्य था। इसके चलते कई उम्मीदवारों ने लंबित संपत्ति कर और नल कनेक्शन बिलों का भुगतान किया। प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए उम्मीदवारों ने 1,000 से 2,000 रुपये तक शुल्क भी अदा किया, जिससे नगरपालिकाओं की आय में वृद्धि हुई।

अधिकारियों के अनुसार, मंचेरियल नगर निगम ने 28 से 30 जनवरी के बीच संपत्ति कर के रूप में 25.49 लाख रुपये की वसूली की। बेल्लमपल्ली नगर निकाय ने 8.80 लाख रुपये, क्याथनपल्ली नगर पालिका ने 4.88 लाख रुपये और लक्सेट्टीपेट नगर पालिका ने 4.50 लाख रुपये का संपत्ति कर एकत्र किया। वहीं, चेन्नूर नगरपालिका ने इसी अवधि में 1.79 लाख रुपये का संपत्ति कर संग्रह किया।

नल कनेक्शन बिलों के मद में मंचेरियल नगर निगम ने 11.04 लाख रुपये जुटाए, जबकि बेल्लमपल्ली और लक्सेट्टीपेट नगर निकायों ने मिलकर 3 लाख रुपये की वसूली की। केवल नो-ड्यू सर्टिफिकेट जारी करने से ही कुल 7.36 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। कुल मिलाकर, पांचों नगर निकायों ने संपत्ति कर से 45.45 लाख रुपये, नल कनेक्शन बिलों से 17.14 लाख रुपये और नो-ड्यू सर्टिफिकेट शुल्क से 13.01 लाख रुपये अर्जित किए। चुनाव प्रक्रिया के तहत पांचों नगरपालिकाओं में कुल 1,599 नामांकन दाखिल किए गए, जिनमें से 1,061 उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत 1,117 नामांकनों को अधिकारियों ने जांच के बाद मंजूरी दी।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.: LHS_KK_KR_MFEARTH

कार्य का नाम: (1) वाल्टियर मंडल की KK लाइन पर दार्लिपुट (DPC)-पाडुआ (PFU) के बीच KM. 133/7-8 पर रोड अंडर ब्रिज (RUB) के निर्माण के संबंध में संकेत एवं दूरसंचार हिस्से का कार्य। (2) वाल्टियर मंडल की KK लाइन पर सुकु-कोरापुट के बीच KM. 161/26-27 पर सीमित ऊंचाई के सबवे (LHS) के निर्माण के संबंध में संकेत एवं दूरसंचार हिस्से का कार्य। (3) वाल्टियर मंडल की KK लाइन पर गोरापुर (GPJ)-दार्लिपुट (DPC) पर KM. 121/9-10 पर रोड अंडर ब्रिज (RUB) के निर्माण के संबंध में संकेत एवं दूरसंचार हिस्से का कार्य। (4) वाल्टियर मंडल की KK लाइन पर पालिबा (PBV)- सुकु (SXV) पर KM. 171/43-47 पर रोड अंडर ब्रिज (RUB) के निर्माण के संबंध में संकेत एवं दूरसंचार हिस्से का कार्य। (5) वाल्टियर मंडल की KK-II लाइन पर धनपुर तथा कड़पा स्टेशनों के बीच अवैध प्रवेश से बचने के लिए KM. 242/4-6 पर रोड अंडर ब्रिज (RUB) के निर्माण के संबंध में संकेत एवं दूरसंचार हिस्से का कार्य। (6) वाल्टियर मंडल की KK लाइन पर दार्लिपुट (DPC) स्टेशन पर KM. 126/20-21 पर रोड अंडर ब्रिज (RUB) के प्रस्तावित निर्माण के संबंध में संकेत एवं दूरसंचार हिस्से का कार्य। (7) वाल्टियर मंडल की KK लाइन पर भालुमास्का (BLMK)-सिकरपाई (SKPI) सेक्शन के बीच KM. 132/21-22 पर अवैध प्रवेश वाले स्थान पर सीमित ऊंचाई के सबवे (LHS) के निर्माण के संबंध में संकेत एवं दूरसंचार हिस्से का कार्य। (8) वाल्टियर मंडल की KK लाइन पर दामनजोडी (DMNJ)-बाईगुडा (BGUA) सेक्शन के बीच KM. 26/9-10 पर रोड अंडर ब्रिज (RUB) के प्रस्तावित निर्माण के संबंध में संकेत एवं दूरसंचार हिस्से का कार्य। (9) वाल्टियर मंडल के अरकु (ARK) में 30 बिस्तर वाले रनिंग रूम के निर्माण के संबंध में संकेत एवं दूरसंचार हिस्से का कार्य। (10) वाल्टियर मंडल की KK लाइन पर अरकु एवं शिमिलीगुडा स्टेशनों के बीच स्थित अरकु वैली में पैसेंजर हॉल्ट स्टेशन खोले जाने के संबंध में संकेत एवं दूरसंचार हिस्से का कार्य। (11) वाल्टियर मंडल के तहत दूरसंचार उपकरणों के लिए विभिन्न स्टेशनों में A श्रेणी तरंग संरक्षण का प्रावधान।

विज्ञापित मूल्य: रु. 68,18,602.88, Earnest Money: रु. 1,36,400.00, समापन अवधि: 12 महीने।

बोली शुरू होने की तारीख: 30.01.2026.

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 13.02.2026 को 1100 बजे।

इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त किसी भी मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

सम्पूर्ण जानकारी सहित ई-निविदा दस्तावेज वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

PR-1077/Q/25-26

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/वाल्टियर

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पाकिस्तान पर बॉयकॉट का असर क्या होगा

ग्रुप-स्टेज में ही बाहर होने का खतरा, आईसीसी बैन लगा सकता है; भविष्य में मेजबानी मिलनी मुश्किल

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मैच खेलने से मना कर दिया। पाकिस्तान सरकार ने कहा कि उनकी टीम टूर्नामेंट खेलेगी, लेकिन भारत से नहीं भिड़ेगी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने कहा कि पीसीबी अपने फैसले पर फिर से विचार करे।

भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करने से पाकिस्तान पर क्या असर होगा?

असर-1: ग्रुप स्टेज से बाहर होने का खतरा

आईसीसी की प्लेइंग कंडीशन के मुताबिक मैच बॉयकॉट करने से पाकिस्तान का ही रन रेट खराब होगा। 16.10.7 क्लॉज में बताया है कि पाकिस्तान के 20 ओवर में 0 रन होंगे। जबकि भारत का एक भी ओवर काउंट नहीं होगा। इससे पाकिस्तान का रन रेट बाकी मैच जीतकर भी निगेटिव में जा सकता है।

ग्रुप-ए में भारत और पाकिस्तान के अलावा नामीबिया, नीदरलैंड और अमेरिका की टीमें हैं। पाकिस्तान अगर 3 में से एक भी मैच हार गई तो टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो जाएगी। अमेरिका तो पिछले वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को हराकर ग्रुप स्टेज में ही बाहर भी कर चुका है। नीदरलैंड भी आईसीसी टूर्नामेंट में बड़े उलटफेर करते आई है।

असर-2: वर्ल्ड कप से बैन कर सकता है आईसीसी

आईसीसी ने पाकिस्तान को अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए कहा है। वर्ल्ड बॉडी अब पीसीबी से पूछेगा कि उसने बॉयकॉट क्यों किया? अगर पाकिस्तान ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया तो आईसीसी उसे इसी वर्ल्ड कप से बैन भी कर सकता है। इससे पहले भी 5 टीमें वर्ल्ड कप में मैच का बॉयकॉट कर चुकी हैं।

असर-3: पीएसएल को एनओसी नहीं मिलेगी

पाकिस्तान इस मामले में सुरक्षा कारणों का हवाला नहीं दे सकता, क्योंकि टीम अपने सभी मैच भारत की बजाय श्रीलंका में खेलने वाली है। पीसीबी ने अगर बांग्लादेश को सपोर्ट करने का कारण दिया तो भी ICC एक्शन ले सकता है क्योंकि आईसीसी ने पहले ही पीसीबी को धमकी दे दी थी कि अगर बांग्लादेश को सपोर्ट किया तो पाकिस्तान सुपर लीग को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट नहीं मिलेगा।

असर-4: नॉकआउट स्टेज में भारत सामने आया तो क्या करेगा पाकिस्तान?

पाकिस्तान ने ग्रुप स्टेज में तो भारत के खिलाफ खेलने से मना कर दिया, लेकिन बोर्ड ने यह साफ नहीं किया कि नॉकआउट में अगर टीम इंडिया सामने आई तो टीम खेलेगी या नहीं? आईसीसी के सूत्रों ने दैनिक भास्कर को बताया कि पाकिस्तान से जवाब मांगा जाएगा। अगर कारण संतोषजनक नहीं रहा तो पीसीबी पर सख्त एक्शन लिया जाएगा।

पाकिस्तान टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने पीसीबी के फैसले पर कहा, हम बस वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं। सरकार ने अगर किसी टीम के खिलाफ खेलने के लिए मना कर दिया तो हम उसका पालन करेंगे। हम टूर्नामेंट में अपना 100% खेल दिखाने पर फोकस कर रहे हैं।

असर-5: आईसीसी से मेजबानी मिलना मुश्किल

पाकिस्तान ने 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी की थी। देश को 29 साल बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिली थी। आईसीसी अब पाकिस्तान को भविष्य में मिलने वाली मेजबानी से भी हटा सकता है क्योंकि भारत-पाकिस्तान मैच से आईसीसी की कमाई बढ़ती। अब मैच नहीं होगा, इससे आईसीसी का रेवेन्यू कम हो सकता है। इस नुकसान की भरपाई के लिए आईसीसी अब पाकिस्तान को मिलने वाले सालाना रेवेन्यू शेयर को भी घटा सकता है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के वॉर्म अप मैचों के लिए इंडिया टीम का हुआ ऐलान

आयुष बडोनी ऑलराउंडर बना कप्तान

मुंबई, 2 फरवरी (एजेंसियां)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले सभी टीमें वॉर्म अप मैच खेलने वाली है. जहां पर टीम इंडिया के साथ ही साथ इंडिया ए की टीम भी अभ्यास मैच खेलते हुई नजर आएगी. इंडिया ए की टीम डॉ डी वाई पाटिल स्टेडियम नवी मुंबई में आज के दिन ही शाम को यूएसए के खिलाफ वॉर्म अप मैच खेलने वाली है. जिसके लिए अब बीसीसीआई ने इंडिया ए की टीम का ऐलान कर दिया है.

भारतीय टीम के साथ ही साथ इंडिया ए की टीम भी आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के वॉर्म मैच खेलती हुई नजर आएगी. भारतीय टीम जहां 4 फरवरी को वॉर्म अप में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी, तो वहीं इंडिया ए की टीम 2 वॉर्म अप मैच खेलने वाली है. जिसके लिए अब बीसीसीआई ने इंडिया ए टीम का ऐलान कर दिया है. जहां पर तिलक वर्मा भी खेलते हुए नजर आने वाले हैं. वहीं इस स्टार खिलाड़ी को कप्तानी सौंपी गई है.

यहां पर देखें इंडिया ए का पूरा स्क्वाड

आयुष बडोनी (कप्तान), नमन धीर, आशुतोष शर्मा, प्रियांश आर्य, नारायण जगदीशन (विकेटकीपर), रियान पराग, मानव सुथार, अशोक शर्मा, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), गुरजपनीत सिंह, विप्रज निगम, रवि बिश्नोई, खलील अहमद और मयंक यादव, तिलक वर्मा (जो मेन टीम इंडिया स्क्वाड में शामिल होने से पहले सिर्फ एक वार्म-अप मैच में हिस्सा लेंगे)

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारत आए अमेरिकी खिलाड़ी

माथे पर तिलक लगाकर हुआ स्वागत

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है और क्रिकेट फैंस में उत्साह का माहौल है. यह टूर्नामेंट 7 फरवरी 2026 से शुरू होकर 8 मार्च तक चलेगा, जिसमें कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी. भारत और श्रीलंका इसकी संयुक्त मेजबानी कर रहे हैं. टीमों के खिलाड़ी भारत और श्रीलंका पहुंचने लगे हैं, और इस दौरान कुछ खास पल भी देखने को मिल रहे हैं.

हाल ही में अमेरिका की क्रिकेट टीम भारत पहुंची है, और उनका स्वागत बड़े ही धूमधाम से किया गया. सोशल मीडिया पर एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें खिलाड़ियों का स्वागत भारतीय परंपरा के अनुसार किया गया.

सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें अमेरिका

की क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों का स्वागत भारतीय परंपरा के अनुसार तिलक लगाकर किया गया. खास बात यह है कि अमेरिका टीम में तीन खिलाड़ी पाकिस्तानी मूल के हैं, शायन जहांगीर, अली खान और मोहम्मद मोहसिन. इन खिलाड़ियों का भी तिलक लगाकर स्वागत हुआ, जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया.

बता दें, अमेरिका की टीम इस टूर्नामेंट में दूसरी बार हिस्सा ले रही है. पिछली बार 2024 टी20 वर्ल्ड कप में उन्होंने डेब्यू सीजन में ही सुपर 8 तक का सफर तय कर इतिहास रचा था. इस बार भी टीम में 10 ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जो पिछले ऐडिशन का हिस्सा थे. वहीं, टीम की कमान एक बार फिर मोनांक पटेल के हाथों में है, जो लंबे समय से कप्तानी कर रहे हैं. इस बार अमेरिका का ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ मुकाबला होगा.

टी20 वर्ल्ड कप में अमेरिका का शेड्यूल

7 फरवरी अमेरिका बनाम भारत , मुंबई 10 फरवरी अमेरिका बनाम पाकिस्तान, कोलंबो 13 फरवरी अमेरिका बनाम नीदरलैंड, चेन्नई 15 फरवरी अमेरिका बनाम नामीबिया, चेन्नई

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अमेरिका का स्क्वॉड

मोनांक पटेल (कप्तान), जेसी सिंह, एंड्रीज गौस, शेहान जयसूर्या, मिलिंद कुमार, शायन जहांगीर, सैतेजा मुक्कमाला, संजय कृष्णमूर्ति, हरमीत सिंह, नोस्टुश केनजिगे, शैडली वान शल्कविक, सौरभ नेत्रवालकर, अली खान, मोहम्मद मोहसिन, शुभम रंजाने.

नहीं हुआ भारत बनाम पाक मैच तो आईसीसी को होगा इतना बड़ा नुकसान, कौन करेगा भरपाई?

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत और पाकिस्तान का मैच नहीं होगा. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टूर्नामेंट से 6 दिन पहले ऐलान किया कि वो वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मैच में अपनी टीम नहीं उतारेगा. पीसीबी ने इस फैसले की वजह पाकिस्तानी सरकार के आदेश को बताया है. पाकिस्तान के इस फैसले के बाद आईसीसी ने अपने बयान में गंभीर परिणामों की चेतावनी दी है. माना जा रहा है कि अगर ' अपना फैसला नहीं बदलती है तो आईसीसी उस पर भारी-भरकम जुर्माना लगा सकती है. मगर ये मैच न होने की स्थिति में खुद आईसीसी को 200 करोड़ तक का नुकसान झेलना पड़ सकता है.

पिछले कई सालों से हर आईसीसी इवेंट में सबसे ज्यादा नजरें भारत-पाकिस्तान मैच पर होती हैं क्योंकि इन टूर्नामेंट में ही ये दोनों टीम आपस में टकराती हैं. ऐसे में इस मुकाबले को लेकर उत्साह और उत्सुकता चरम पर होती है. इसके चलते भारत-पाक मैच से आईसीसी को सबसे ज्यादा कमाई होती रही है. वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान मैच तय होने के कारण ही ब्रॉडकास्टर की ओर से आईसीसी को भारी-भरकम फीस मिलती है.

मगर ये मैच ही नहीं हुआ तो टूर्नामेंट के सबसे बड़े ब्रॉडकास्टर जियो-हॉटस्टार की कमाई नहीं होगी और अंत में इसका असर आईसीसी पर ही पड़ेगा क्योंकि उसे इस मैच की फीस नहीं मिलेगी. क्रिकबज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट में भारत के मुकाबलों से करीब 100 करोड़ तक की कमाई हो रही. भारत-पाकिस्तान के मैच में ये लगभग दोगुना हो जाता है क्योंकि भारत-पाक टी20 मैच के लिए हर 10 सेकेंड के ऐड का रेट आम तौर पर 25 लाख से 40 लाख रुपये के बीच होता है. ऐसे में ये नुकसान करीब 200 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है.

अब आईसीसी को अगर इतना नुकसान होगा तो इसका असर रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर पड़ेगा, जहां बीसीसीआई, पीसीबी समेत सभी क्रिकेट बोर्ड की कमाई पर असर पड़ेगा. पहले से ही काफी अमीर बीसीसीआई के लिए ये शायद बड़ी कीमत न हो लेकिन पीसीबी और अन्य बोर्ड के लिए तगड़ा नुकसान हो सकता है. इतना ही नहीं, आईसीसी बोर्ड से जुड़े एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि मैच रद्द होने की स्थिति में आईसीसी सजा के तौर पर ब्रॉडकास्टर को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए पीसीबी को ही मजबूर कर सकती है.

सरफराज अहमद ने तोड़ा नियम? मैच के दौरान चला रहे थे फोन

अब आईसीसी ले सकती है एक्शन

खेल डेस्क, 2 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद मौजूदा समय में अपनी देश की अंडर 19 क्रिकेट टीम के साथ जुड़े हुए हैं। वह पाकिस्तान की अंडर 19 टीम के मेंटोर है। हालांकि, उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले में कुछ ऐसा किया, जिसके चलते वह अब लाइमलाइट में आ गए हैं।

दरअसल, सोशल मीडिया पर सरफराज अहमद की एक तस्वीर बहुत तेजी से वायरल हो रही है। उस तस्वीर में सरफराज खान को मैच के दौरान फोन इस्तेमाल करते हुए देखा जा सकता है।

हालांकि, इस बात की जानकारी नहीं है कि यह तस्वीर पीएमओए एरिया के अंदर की है या बाहर की। अगर पीएमओए एरिया में बैठकर सरफराज फोन चला रहे थे तो उन्होंने नियम का उल्लंघन किया है। आईसीसी ने पीएमओए एरिया में कम्यूनिकेशन डिवाइस का इस्तेमाल करने पर बैन लगाया हुआ है। बता दें कि, पीएमओए स्टेडियम में प्लेयर्स, अधिकारियों और कोचिंग स्टाफ द्वारा यूज किए जाने वाला स्टेडियम में फिक्स एरिया होता है।

क्या सरफराज अहमद को मिलेगी सजा?

आईसीसी सरफराज अहमद के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। उन्होंने अगर यह नियम तोड़ा है तो उनके ऊपर आईसीसी बड़ा जुर्माना ठोक सकता है।

भारत ने पाकिस्तान को 58 रन से हराया

बुलवायो के क्वींस स्पोर्ट क्लब में खेले गए भारत और पाकिस्तान के मुकाबले में भारत ने 58 रन से मैदान मार लिया। यह सुपर सिक्स का मुकाबला था। पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बड़े अंतर से मैच जीतना था। हालांकि, पाकिस्तान मैच ही हार गया। टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए भारत ने पाकिस्तान के सामने 253 रन का टारगेट रखा था। इसके जवाब में पाकिस्तान की टीम 194 रन पर ऑल आउट हो गई। बता दें कि भारत सेमीफाइनल में पहुंच गया है। उनका सामना सेमीफाइनल में 4 फरवरी को अफगानिस्तान से होने वाला है।

तीसरे टी20 में पाकिस्तान की ऐतिहासिक जीत

ऑस्ट्रेलिया को 111 रन से हराया, सीरीज 3-0 से अपने नाम की

लाहौर, 2 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने तीसरे टी20 में ऑस्ट्रेलिया को 111 रन से हरा दिया है। इसी के साथ मेजबान टीम ने सीरीज को 3-0 से अपने नाम कर लिया है। इससे पहले पाकिस्तान ने पहला वनडे 22 रन और दूसरा वनडे में 90 रन से जीता था। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 206 रन का पहाड़ सा स्कोर खड़ा किया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम महज 96 रन पर सिमट गई।

पाकिस्तान टीम ने इस मैच में 206 रन बनाए। यह टी20 इंटरनेशनल में पहली बार हुआ है जब पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 200 से ज्यादा का स्कोर बनाया है। इससे पहले पाकिस्तान का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सर्वोच्च टी20 स्कोर 198 रन था, जो उसने इसी सीरीज के दूसरे टी20 मैच में बनाया था। पाकिस्तान की ओर से बाबर आजम और सैम अयूब ने फिफ्टी ठोकी। वहीं शादाब खान ने केवल 19 गेंदों पर 46 रन बनाए।

नवाज ने झटके 5 विकेट 207 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही। उसके तीन विकेट महज 16 रन पर गिर गए। इसके बाद मोहम्मद नवाज बॉलिंग करने के लिए उतरे। उन्होंने 18 रन देकर 5 विकेट झटके। यह टी20 में उनका बेस्ट प्रदर्शन है। पूरी ऑस्ट्रेलिया की टीम 16.5 ओवर में 96 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की तरफ से मार्कस स्टोयनिस ने 23 और कैमरन ग्रीन ने 22 रन की पारियां खेलीं। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज ज्यादा देर नहीं टिक सका। ऑस्ट्रेलिया यह मैच 111 रन के विशाल अंतर से हार गई। बता दें कि यह टी20 इंटरनेशनल में ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी हार है।

पत्थर की तरह बॉल फेंकता है ये पाकिस्तानी गेंदबाज

टी20 विश्व कप से पहले लगा चीटिंग का आरोप

खेल डेस्क, 2 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का इंतजार खत्म होने वाला है लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट से जुड़े बवाल खत्म होने का नाम नहीं ले रहे हैं. टूर्नामेंट शुरू होने में एक हफ्ते से भी कम वक्त बचा है और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अभी तक इसमें हिस्सेदारी को लेकर अपना जवाब नहीं दिया है. इस पर तो विवाद छिड़ा ही है लेकिन इस बीच पाकिस्तानी टीम के एक गेंदबाज पर बेईमानी के आरोप लगने लगे हैं. टी20 वर्ल्ड कप के लिए चुने गए पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक एक बार फिर अपने बॉलिंग एक्शन के कारण विवादों में हैं और इस बार उन पर बीच मैच में आरोप लग गए हैं. वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही टी20 सीरीज के दूसरे मैच के दौरान उस्मान तारिक के बॉलिंग एक्शन को लेकर सवाल उठ गया. हुआ यूं कि ऑस्ट्रेलिया की पारी के दौरान कैमरन ग्रीन बैटिंग कर रहे थे और ताबड़तोड़ रन बटोर रहे थे. फिर 11वें ओवर में स्पिनर तारिक बॉलिंग पर आए और चौथी ही गेंद पर उन्होंने ग्रीन को आउट कर दिया. ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने बड़ा शॉट

खेलने की कोशिश में अपना विकेट गंवाया. इसके बाद बवाल शुरू हुआ. आउट होकर पवेलियन लौट रहे कैमरन ग्रीन ने बाउंड्री पार करते हुए पत्थर फेंकने की नकल करते हुए अपनी भड़ास निकाली. मगर असल में इस नकल से ग्रीन ने स्पिनर उस्मान तारिक के बॉलिंग एक्शन पर सवाल खड़े किए, जो अक्सर विवादों में रहा है. ग्रीन की इस हरकत ने बवाल खड़ा कर दिया और तारिक को सरे आम सोशल मीडिया पर भी बेईमान बताया जाने लगा. वहीं कुछ यूजर्स ने ग्रीन को ही सवालों के घेरे में खड़ा करते हुए इसे खेल भावना के खिलाफ बताया. असल में दाएं हाथ के ऑफ ब्रेक बॉलर तारिक का एक्शन सामान्य स्पिनर्स की तरह नहीं है. वो बॉल फेंकने से पहले थोड़ा रुकते हैं और फिर हाथ को कंधे के ऊपर से लेकर आने के बजाए साइड से लेकर आते हैं. ये कुछ ऐसा ही है, जैसे कोई भी शख्स पत्थर फेंकता है. मगर वो ऐसे गेंदबाजी करने वाले कोई पहले खिलाड़ी नहीं हैं, बल्कि ये कुछ वैसा ही है जैसे लसिथ मलिंगा गेंदबाजी करते थे. वहीं भारत की ओर से केदार जाधव और रियान पराग भी ऐसे गेंदबाजी करते रहे हैं. इतना ही नहीं, तारिक के एक्शन की दो बार आईसीसी ने जांच भी की है और उसे सही पाया गया है.

तारिक ने उड़ाया ग्रीन का मजाक

इस बवाल की भनक खुद उस्मान तारिक को भी लग गई और उन्होंने भी ग्रीन का मजाक उड़ाते हुए जवाब दिया. तारिक ने मैच के बाद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर की, जिसमें एक बच्चा रो रहा था. पाकिस्तानी स्पिनर ने इसके साथ लिखा- 'आउट होने के बाद'. जाहिर तौर पर तारिक को ग्रीन का आरोप नागवार गुजरा और उन्होंने इस तरह ग्रीन को जवाब दिया.

टी20 विश्व कप 2026 से पहले अपने ही घर में पस्त हुई श्रीलंका, इंग्लैंड के हाथों गंवाई टी20 सीरीज

कोलंबो, 2 फरवरी (एजेंसियां)। इस बार टी20 विश्व कप 2026 का आयोजन भारत और श्रीलंका में होने जा रहा है. विश्व कप की शुरुआत से पहले मेजबान श्रीलंका की हालत खराब नजर आ रही है. टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज गंवा दी है. इंग्लैंड ने वनडे सीरीज जीतने के बाद टी20 सीरीज के पहले 2 मैचों में सीजत हासिल कर ली है. बारिश से बाधित दूसरे टी20 मैच में इंग्लिश टीम ने 6 विकेट से जीत हासिल कर ली है. इसी के साथ इंग्लैंड ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है. श्रीलंका की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 189 रनों का स्कोर खड़ा किया. इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम को 17 ओवरों में 168 रनों का लक्ष्य मिला जो कि टीम ने 16.4 ओवर में ही हासिल कर लिया.

बैंटन ने जड़ा तूफानी तूफानी अर्धशतक

इंग्लैंड के लिए टॉम बैंटन ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में 54 रनों की पारी खेली. इस पारी में उन्होंने 163.64 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 4 चौके और 6 गगनचुंबी छक्के जड़े. उनकी इस खास पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से भी नवाजा गया. इसके अलावा टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने 12 गेंदों में 36 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसके दम पर टीम ने बारिश से बाधित मैच में जीत हासिल की है.

कैसी रही श्रीलंका की बल्लेबाजी?

श्रीलंका को इस मैच में ताबड़तोड़ शुरुआत मिली लेकिन अंत उस मुताबिक नहीं हो पाया. टीम ने 5.3 ओवरों में 56 रन से स्कोर पर अपना पहला विकेट गंवाया. पवन रत्नायके ने टीम के लिए 22 गेंदों में सबसे ज्यादा 40 रन बनाए. इसके अलावा पथुम निसांका और कामिल मिशरा ने भी 34 और 36 रनों की बेहतरीन पारी खेली. विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस ने 17 गेंदों में 32 रनों की पारी खेली. पारी के अंतिम ओवरों में जब टीम को रनों की रफ्तार बढ़ानी थी तो विकट गिरना शुरू हो गए और इंग्लिश गेंदबाजों ने दबदबा बना लिया. एक वक्त पर लगा रहा था कि टीम का स्कोर 200 के पार जाएगा लेकिन 20 ओवरों में 189 ही बना पाई.

कांग्रेस सरकार ने मात्र दो वर्षों में तेलंगाना का कायाकल्प किया : पोंगुलेटी

आधुनिकीकृत आई एंड पीआर वेबसाइट का उद्घाटन

हैदराबाद, 2 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना के लोगों द्वारा अपेक्षित परिवर्तन को प्रभावी रूप से साकार किया है, जिससे दो वर्षों की अवधि में जनता का भरोसा और विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। मंत्री ने सोमवार को सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की उन्नत (अपग्रेडेड) वेबसाइट का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सत्ता संभालने के समय सरकार को विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, गंभीर संकट का सामना करना पड़ा।

हालांकि, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के मार्गदर्शन में सरकार इन चुनौतियों का व्यवस्थित रूप से समाधान कर रही है और साथ ही विकास एवं कल्याण को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि हमने अब शासन के दो वर्ष पूरे कर लिए हैं और तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं। यद्यपि यह अवधि कम प्रतीत हो सकती है, लेकिन सरकार की उपलब्धियां वास्तव में उल्लेखनीय हैं। मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि जनता की सरकार द्वारा लिया गया प्रत्येक निर्णय लोगों के जीवन में वास्तविक और प्रत्यक्ष परिवर्तन ला रहा है। उन्होंने बताया कि कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, महीन चावल वितरण, राशन कार्ड और रोजगार सृजन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में लागू किए गए सुधार तेलंगाना को देश के रूप में एक आदर्श राज्य के रूप में स्थापित कर रहे हैं। पोंगुलेटी ने कहा कि राज्य में इंदिरम्मा सरकार के गठन के बाद हमने छह गारंटियों को लागू करना शुरू किया। चुनावी अभियान के दौरान कुछ वादे न किए जाने के बावजूद, हमने जनता के कल्याण के उद्देश्य से अनेक योजनाएं शुरू की हैं। कृषि और औद्योगिक दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है और तेलंगाना आर्थिक विकास में अग्रणी बनकर उभर रहा है। रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार 'तेलंगाना राइजिंग-2047' विज़न के साथ आगे बढ़ रही है, ताकि तेलंगाना को भारत में और वैश्विक स्तर पर एक नई ऊंचाई पर ले जाया जा सके।

फर्नीचर शोरूम में आग के बाद जीएचएमसी ने लाइसेंस रद्द किया

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली स्थित एक फर्नीचर शोरूम में 24 जनवरी को लगी भीषण आग में पांच लोगों की मौत के बाद, शोरूम का अधिभोग प्रमाण पत्र और व्यापार लाइसेंस जीएचएमसी ने रद्द कर दिया है। खैरताबाद के उपायुक्त बी श्रीनिवासुलु ने बताया कि विभिन्न सरकारी एजेंसियां आग दुर्घटना की जांच कर रही थीं। इसी दौरान जीएचएमसी ने शोरूम का व्यापार लाइसेंस और अधिभोग प्रमाण पत्र रद्द कर दिया और उसे जीएचएमसी क्षेत्र में कहीं भी कारोबार शुरू करने से प्रतिबंधित कर दिया। इस बीच, हाइड्रा ने आग सुरक्षा नियमों का पालन न करने वाले दुकानों और व्यावसायिक परिसरों को जब्ती की कार्रवाई से पहले एक महीने की मोहलत दी। दुकानदारों को सलाह दी गई है कि वे ज्वलनशील सामग्री जैसे कपड़े, प्लास्टिक, पेंट, तेल, रासायनिक कंटेनर, एसिड, टायर, फाइबर और फोम जैसी वस्तुएं बड़ी मात्रा में जमा न करें। साथ ही चौकीदारों के परिवार तहखानों में न रहें और खाना पकाने के लिए कैंटीन न बनाएं।

गुत्ता ने दी दीर्घकालिक अवसंरचना योजना की आवश्यकता पर ज़ोर

दो दिवसीय अखिल भारतीय संगोष्ठी का आयोजन

हैदराबाद, 2 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने देश के त्वरित विकास के लिए सुदृढ़ अवसंरचना की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं की रूपरेखा इस प्रकार तैयार की जानी चाहिए कि वे लंबे समय तक जनता की सेवा कर सकें तथा सार्वजनिक धन का उपयोग जिम्मेदारी और विवेकपूर्ण ढंग से किया जाना चाहिए।

इस संदर्भ में, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), तेलंगाना स्टेट सेंटर, रिहैब टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 2 और 3 फ़रवरी को खैरताबाद स्थित विश्वेश्वरैया भवन में 'स्ट्रक्चर्स रिपेयर एंड रेट्रोफिटिंग' विषय पर दो दिवसीय अखिल भारतीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है। गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया।

अपने संबोधन में उन्होंने महंगे खर्च पर निर्मित पुलों, नहरों तथा अन्य कंक्रीट संरचनाओं के समय से पहले क्षरण पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने इसे वर्तमान में निर्माण उद्योग के समक्ष मौजूद प्रमुख चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में मरम्मत और रेट्रोफिटिंग के क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा, "किसी संरचना के क्षतिग्रस्त होने पर मरम्मत पर भारी मात्रा में सार्वजनिक धन व्यय करना पड़ता है, जिससे न केवल वित्तीय संसाधनों पर बोझ पड़ता है बल्कि नई परियोजनाओं की शुरुआत में भी विलंब होता है। इसलिए प्रारंभ से ही उचित डिज़ाइन, गुणवत्तापूर्ण निर्माण तथा समयबद्ध मरम्मत और रेट्रोफिटिंग उपायों को अपनाना अनिवार्य है। मरम्मत और रेट्रोफिटिंग को केवल समस्या उत्पन्न होने के बाद किए जाने वाले सुधारात्मक कदम नहीं माना जाना चाहिए; बल्कि समय पर और उचित निर्णयों के माध्यम से भवनों, पुलों और नहरों की आयु को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया जा सकता है, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी, सार्वजनिक सुरक्षा में सुधार होगा और पर्यावरण संरक्षण के महत्वपूर्ण उद्देश्यों की भी पूर्ति होगी।"

इन बिंदुओं के आलोक में, गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और सरकारी विभागों के बीच अधिक सहयोग का आह्वान किया तथा गुणवत्तापूर्ण निर्माण पद्धतियों, सक्रिय रखरखाव और आधुनिक रेट्रोफिटिंग तकनीकों को व्यापक रूप से अपनाने की वकालत की।

ईंधन संरक्षण और हरित ऊर्जा के लिए सक्षम अभियान शुरू

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा ईंधन संरक्षण और टिकाऊ ऊर्जा प्रथाओं के लिए वार्षिक जागरूकता अभियान 'सक्षम' (संरक्षण क्षमता महोत्सव) का आयोजन सोमवार को बोवेनपल्ली स्थित राष्ट्रीय बौद्धिक विकलांग व्यक्ति सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीआईडी) में किया गया।

इस अभियान का उद्देश्य भारत को हरित भविष्य की ओर ले जाना है। कार्यक्रम में स्थानीय अधिकारियों, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योगों और प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह में हैदराबाद सर्कल के पीईएसओ के संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक वीके मिश्रा, तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के राज्य प्रमुख और एनआईईपीआईडी के उप निदेशक (प्रभारी) मौजूद थे। इस वर्ष के अभियान का विषय 'तेल और गैस का संरक्षण करें, हरित बनें' है, जो नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा-कुशल समाधानों की ओर संक्रमण को रेखांकित करता है। सक्षम 2025 का आयोजन 2 से 16 फरवरी तक चलेगा। इसमें नागरिकों को शामिल करने के लिए वाद-विवाद, दीवार पेंटिंग, साइक्लोथॉन, वॉकथॉन, कार्यशालाएं, सेमिनार और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रजावाणी शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाए: आरवी कर्णन

जीएचएमसी आयुक्त ने नागरिकों से शिकायतें और आवेदन प्राप्त किए

हैदराबाद, 2 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) आयुक्त आर. वी. कर्णन ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रजावाणी के माध्यम से प्राप्त जन शिकायतों और आवेदनों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान किया जाए। सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान आयुक्त आर. वी. कर्णन ने अतिरिक्त आयुक्तों एवं विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर आम नागरिकों से शिकायतें और निवेदन प्राप्त किए। उन्होंने सभी शिकायतों की गहन समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश जारी किए। इस अवसर पर आयुक्त ने कहा कि

जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की देरी न हो तथा प्रत्येक आवेदन को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। उन्होंने अधिकारियों से जनहित को सर्वोपरि रखते हुए संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त रघु प्रसाद, वेणु गोपाल, सत्यनारायण, मंगतायारू, मुख्य अभियंता (मेंटेनेंस) सहदेव रत्नाकर, अतिरिक्त सीसीपी जोन रंजीत कुमार, वेंकन्ना, बी. प्रदीप कुमार, संयुक्त आयुक्त (राजस्व) एवं संयुक्त आयुक्त (प्रशासन) जयंत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चुनावी बांड के नाम पर 2.5 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला सीसीएस को सौंपा

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीएसआर वर्मा के साथ चुनावी बांड के नाम पर 2.5 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी से जुड़े मामले को हैदराबाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) को स्थानांतरित कर दिया गया है।

यह मामला वर्ष 2024 में पहले फिल्म नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। बाद में उच्च अधिकारियों के निर्देश पर इसे सीसीएस में दोबारा पंजीकृत किया गया।

पुलिस के अनुसार, आंध्र प्रदेश और इलाहाबाद उच्च न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति वर्मा शैकपेट स्थित ओयू कॉलोनी में रहते हैं। आरोप है कि आत्मीय होम्स के नरेंद्रन और शरथ रेड्डी ने वर्ष 2021 में उनसे संपर्क किया था। संदिग्धों ने कथित तौर पर दावा किया कि एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के लिए चुनावी बांड की व्यवस्था करने हेतु धन की आवश्यकता है। इसके बदले में उन्होंने न्यायमूर्ति वर्मा के पोते-पोतियों को अमेरिका में नौकरी दिलाने में मदद करने का आश्वासन दिया। बताया गया है कि इस पर भरोसा करते हुए न्यायमूर्ति वर्मा की पत्नी और बेटी के बैंक खातों से कुल 2.5 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए गए। सीसीएस अधिकारियों ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस नेता ने बी फॉर्म विवाद पर आत्मदाह का प्रयास किया

नलगोंडा, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट के 25वें वार्ड में सोमवार को कांग्रेस नेता कोडी शिव यादव द्वारा आत्मदाह का प्रयास करने की घटना से तनाव फैल गया। नेता ने आरोप लगाया कि उन्हें नगर निगम चुनाव लड़ने के लिए बी फॉर्म जमा करने से रोक दिया जा रहा है। शिव यादव ने कहा कि पार्टी अन्य नेता रमेश रेड्डी की उम्मीदवारी का समर्थन कर रही है। इसके विरोध में उन्होंने अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कस्बे में प्रदर्शन किया। विरोध के दौरान शिव यादव ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करने का प्रयास किया, लेकिन अनुयायियों ने तुरंत हस्तक्षेप कर इसे विफल कर दिया।

वर्धा नदी किनारे मगरमच्छ दिखने से दहशत

कुमराम भीम आसिफाबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह कौतला मंडल के वीरधंडी गांव के पास वर्धा नदी के किनारे एक मगरमच्छ देखे जाने से किसानों और स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, नदी किनारे एक वयस्क मगरमच्छ धूप सेंकता हुआ नजर आया। हाल के दिनों में पहली बार नदी में मगरमच्छ दिखने से लोग भयभीत हो गए हैं। ग्रामीणों ने अधिकारियों से मांग की है कि मगरमच्छ को नदी के गहरे हिस्सों की ओर मोड़ा जाए, ताकि किसी भी तरह की जनहानि से बचा जा सके। किसानों ने बताया कि मगरमच्छ की मौजूदगी के चलते उन्होंने एहतियातन खेती-बाड़ी से जुड़ी गतिविधियां फिलहाल रोक दी हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने शशिधर गौड़ मामले में राज्य सरकार की अपील खारिज की

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सरकार की अपील को खारिज कर दिया, जिसमें हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। हाई कोर्ट ने सोशल मीडिया एक्टिविस्ट शशिधर गौड़ (नल्ला बालू) के खिलाफ दायर मामलों को रद्द किया था। यह मामला बीआरएस पार्टी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से सामझी रीट्वीट करने के आरोप से संबंधित है। पिछले साल सितंबर में उच्च न्यायालय ने पुलिस को दोषी ठहराते हुए गिरफ्तारी को अवैध और अति उत्साही बताया था। उच्च न्यायालय ने गौड़ के खिलाफ मामलों को रद्द करने के साथ-साथ सोशल मीडिया पोस्ट के लिए मनमाने ढंग से मामले दर्ज करने और व्यक्तियों को हिरासत में लेने से रोकने के लिए दिशानिर्देश भी जारी किए थे। राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया और वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा को मामले की पैरवी के लिए नियुक्त किया।

शराब दुकान में चोरी, चोर दो बीयर और 20 हजार लेकर फरार

नलगोंडा, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात चिट्याला कस्बे में एक शराब की दुकान में सेंधमारी की घटना सामने आई है। घबराहट या अनुभव की कमी के चलते चोर दुकान में रखी भारी मात्रा में शराब छोड़कर केवल दो बीयर की बोतलें और 20 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। यह घटना चिट्याला कस्बे में राजमार्ग किनारे स्थित खुशी वाइन्स में हुई। पुलिस के अनुसार, देर रात आए चोरों ने लोहे की छड़ों और अन्य औजारों की मदद से खिड़कियों के शटर और ताले तोड़े। इसके बाद काउंटर से 20 हजार रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और बीयर की दो बोतलें चुराकर भाग निकले।

दुकान में पर्याप्त मात्रा में बीयर और शराब मौजूद होने के बावजूद चोरों द्वारा केवल दो बीयर की बोतलें ले जाने को लेकर स्थानीय लोग और पुलिस हैरान हैं। इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। चोरी का पता सोमवार सुबह तब चला, जब दुकान के कर्मचारी वहां पहुंचे और टूटे हुए शटर देखे। इसके बाद मालिकों को सूचना दी गई और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने बताया कि घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है और फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जांच की जा रही है।

करीमनगर में दो दिहाड़ी मजदूरों की संदिग्ध मौत

करीमनगर, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को करीमनगर कस्बे में दो दिहाड़ी मजदूरों की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, हुसैनीपुरा निवासी मोहम्मद अजीम (40) और कश्मीरगड्डा निवासी महंकाली कृष्णा (45) मजदूरी का काम करते थे।

रविवार को दोनों शराब पीने के बाद टावर सर्कल स्थित मजदूर अड्डे पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहले कृष्णा जमीन पर गिर पड़ा और कुछ ही मिनटों बाद अजीम भी गिर गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। दोनों को जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

श्रवण ने सीएम पर लगाया राजनीतिक दुरुपयोग का आरोप

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर अहंकार और सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव को बदनाम करने के प्रयास कर रहे हैं।

श्रवण ने खुले पत्र में चंद्रशेखर राव को तेलंगाना के आत्मसम्मान का प्रतीक बताया और मुख्यमंत्री को राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए सत्ता का गलत इस्तेमाल करने के खिलाफ आगाह किया। उन्होंने कहा कि बीआरएस प्रमुख की आलोचना का इस्तेमाल कांग्रेस सरकार की विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए किया जा रहा है।

एमएलसी ने मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वे पिछली बीआरएस सरकार की उपलब्धियों से भी बेहतर उपलब्धियां प्रदर्शित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि राजनीतिक सत्ता अस्थायी है और इतिहास उन नेताओं का न्याय करेगा जिन्होंने प्रतिद्वंद्वियों को दबाने के लिए सत्ता का दुरुपयोग किया।

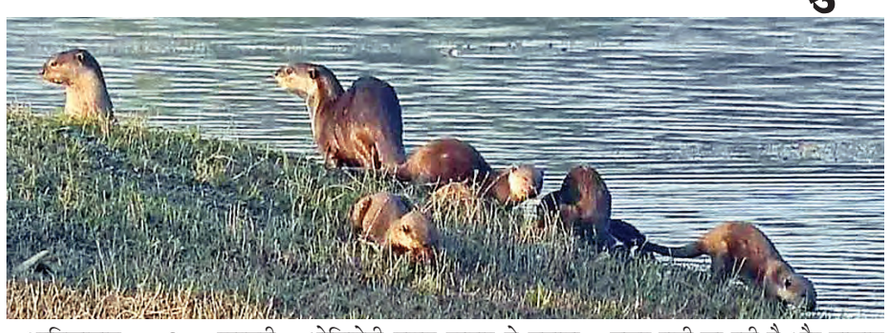

पहली बार दिखा चिकनी त्वचा वाले ऊदबिलावों का झुंड

आदिलाबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को आदिलाबाद जिले के बोथ वन रेंज के अंतर्गत सोनाला मंडल के गोल्लापुर गांव के पास एक सिंचाई टैंक में चिकनी त्वचा वाले ऊदबिलावों का एक झुंड पहली बार देखा गया।

इस प्रजाति को वैज्ञानिक रूप से ल्यूट्रोगेल पर्सपिसिलाटा कहा जाता है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट में कमजोर प्रजाति के रूप में दर्ज किया गया है। वन अधिकारियों के अनुसार, यह घटना क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता को दर्शाती है। बोथ वन रेंज अधिकारी थोडिशेट्टी प्रणय कुमार ने बताया कि क्षेत्र निरीक्षण के दौरान आदिवासियों ने वन क्षेत्र के पास स्थित तालाब में ऊदबिलावों को देखा।

उन्होंने बताया कि हाल की भारी वर्षा से जल निकायों का पुनर्भरण हुआ है और अवैध शिकार पर रोक के कारण तालाब में ऊदबिलावों के रहने के लिए अनुकूल वातावरण बना है। इससे पहले इस जलीय जीव को प्रसिद्ध कुंतला जलप्रपात पर भी देखा गया था। वन विभाग ने बताया कि ऊदबिलावों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और तालाब के चारों ओर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। साथ ही स्थानीय लोगों में जागरूकता भी बढ़ाई जा रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार, ऊदबिलाव शीर्ष शिकारी होते हैं और मछलियों की संख्या को नियंत्रित कर खाद्य श्रृंखला में संतुलन बनाए रखते हैं। इन्हें वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-1 के तहत सबसे संरक्षित प्रजातियों में शामिल किया गया है। किसी क्षेत्र में इनकी मौजूदगी स्वच्छ जल और स्वस्थ जलीय पारिस्थितिकी तंत्र का संकेत मानी जाती है।

हैदराबाद में मौसम सुहावना, दिन में हल्की गर्मी और रात में ठंडक

हैदराबाद, 2 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में हवा में अब भी हल्की ठंडक महसूस की जा रही है, जबकि दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने लगा है। यह बदलते मौसम का संकेत माना जा रहा है। जैसे-जैसे हैदराबाद और तेलंगाना के जिले गर्मी के मौसम की ओर बढ़ रहे हैं, लोग फिलहाल एक संक्रमणकालीन दौर का अनुभव कर रहे हैं, जहां न ज्यादा गर्मी है और न ही कड़ाके की ठंड। मौसम विभाग के अनुसार, इस सुहावने मौसम का कारण निचले स्तर की पूर्वी हवाएं हैं, जो पूर्व से पश्चिम की ओर बह रही हैं और वातावरण में नमी बनाए रख रही हैं। इससे तापमान में अचानक बढ़ोतरी नहीं हो रही है।

आईएमडी-हैदराबाद के आंकड़ों के मुताबिक, शहर में मौसम फिलहाल स्थिर बना हुआ है। दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच रहा है, जबकि रात का तापमान करीब 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है। नई दिल्ली स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने फरवरी महीने के लिए दक्षिण प्रायद्वीपीय क्षेत्र में न्यूनतम तापमान सामान्य रहने की संभावना जताई है। तेलंगाना राज्य विकास योजना समिति के अनुसार, शहर के बाहरी इलाकों और जिलों में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया जा रहा है, जबकि जीएचएमसी क्षेत्र और आसपास के इलाकों में यह 18 डिग्री सेल्सियस के करीब बना हुआ है। निजी मौसम पूर्वानुमानकर्ताओं के अनुसार, फरवरी तक ठंडी हवाएं चलती रहेंगी। हालांकि, महीने के मध्य से धूप तेज होने और दिन का तापमान 32 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचने की संभावना है, जिससे शीत ऋतु के अंत के संकेत मिल रहे हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence No. ... Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.